* ओड़िशा संस्करण

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची 06 अप्रैल, 2025, रविवार, वर्ष 10, अंक 166, चैत्र, शुक्ल पक्ष, नवमी, संवत 2082, पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹3.00

रामनवमी केवल त्योहार नहीं, सनातन जीवन का दर्शन है

मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम हैं सुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रेरक

आजाद सिपाही विशेष

पूरी धरती के एकमात्र स्वामी मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में मनायी जानेवाली रामनवमी दरअसल एक त्योहार या धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन जीवन का दर्शन है। झारखंड समेत पूरा देश रामनवमी महोत्सव के उल्लास में डूबा हुआ है और यह महोत्सव सनातनियों के जीवन को एक दिशा प्रदान करता है। उल्लास और उमंग के बीच लोगों को यह याद दिलाता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम वास्तव में एक अवतार मात्र नहीं, सुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रतीक हैं। उनका जीवन उन मानवीय मूल्यों को मानव जीवन में प्रतिस्थापित करता है, जिसके लिए लोग प्रभु का स्मरण करते हैं। इसलिए रामनवमी का अलग समाजशास्त्र होता है, जो अन्य धार्मिक आयोजन से अलग होता है। रामनवमी की यह विशेषता ही इस त्योहार को खास बनाती है और प्रभु श्रीराम को आम लोगों से जोड़ती है। प्रभु श्रीराम भले ही अवतार थे, लेकिन उन्होंने इसे कभी प्रकट नहीं किया। किसी राजपरिवार के सामान्य युवराज की तरह उन्होंने अपने कुल की प्रतिष्ठा रखी, अपनी संकल्प शक्ति और क्षमता की बदौलत तमाम दैवी शक्तियां हासिल कीं और समय पर उनका सदुपयोग किया। प्रभु श्रीराम के जीवन की इन पहलुओं से ही पता चलता है कि वह असाधारण थे। इसलिए उनके जन्मोत्सव पर सनातनियों का उल्लास चरम पर है, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। रामनवमी के इस पावन अवसर पर प्रभु श्रीराम के जीवन के समाजशास्त्री पहलुओं को उजागर कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

राकेश सिंह

हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार त्रेतायुग में रावण के अत्याचारों को समाप्त करने और धर्म की पुनर्स्थापना के लिए भगवान विष्णु ने मृत्यु लोक में श्रीराम के रूप में अवतार लिया था। श्रीरामचंद्रजी का जन्म चैत्र शुक्ल की नवमी के दिन पुनर्वसु नक्षत्र तथा कर्क लग्न में रानी कौशल्या की कोख से राजा दशरथ के घर में हुआ था। रामनवमी का त्योहार इस वर्ष 06 अप्रैल को मनाया जायेगा। इस पर्व के साथ ही मां दुर्गा के नवरात्रों का समापन भी होता है। हिंदू धर्म में रामनवमी के दिन पूजा-अर्चना की जाती है। रामनवमी का सनातन धर्म में विशेष धार्मिक और पारंपरिक महत्व है, जो हिंदू धर्म के लोगों के द्वारा पूरी भक्ति, आस्था और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

इसलिए श्रीराम हमारे कण-कण में समाये हैं, हमारी जीवन शैली का अभिन्न अंग हैं। सुबह बिस्तर से उठते ही राम। बाहर निकलते ही राम-राम, दिन भर राम नाम की अटूट श्रृंखला। फिर शाम को राम का नाम और जीवन की अंतिम यात्रा भी राम नाम सत्य है के साथ। आखिर इसका रहस्य क्या है? घर में राम, मंदिर में राम, सुख में राम, दुख में राम। शायद यही देख कर अल्लामा इकबाल को लिखना पड़ा- है राम के वजूद पर हिंदोस्तां को नाज, अहले वतन समझते हैं, उनको इमामे हिंद। श्रीराम का जो विराट व्यक्तित्व भारतीय जनमानस पर अंकित है, उतने विराट व्यक्तित्व का नायक अब तक के इतिहास में कोई दूसरा नहीं हुआ। श्रीराम के जैसा दूसरा कोई पुत्र नहीं। उनके जैसा संपूर्ण आदर्श वाला पति, राजा, स्वामी कोई भी दूसरा नाम नहीं। श्रीराम किसी धर्म का हिस्सा नहीं, बल्कि मानवीय चरित्र का प्रेरणादायी प्रतीक हैं। श्रीराम सुख-दुख, पाप-पुण्य, धर्म-अधर्म, शुभ-अशुभ, कर्तव्य-अकर्तव्य, ज्ञान-विज्ञान, योग-भोग, स्थूल-सूक्ष्म, जड़-चेतन, माया-ब्रह्म, लौकिक-पारलौकिक आदि का सर्वत्र समन्वय करते हुए दिखाई देते हैं। इसलिए वे मर्यादा पुरुषोत्तम तो हैं ही, लोकनायक और मानव चेतना के आदि पुरुष भी हैं।

भगवान विष्णु के अवतार श्रीराम का धरती पर अवतार लेने का एकमात्र उद्देश्य अधर्म का नाश कर धर्म की पुनर्स्थापना करना था, जिससे सामान्य मानव शांति, प्रेम और सुख के साथ अपना जीवन व्यतीत कर सके, साथ ही भगवान की भक्ति कर सके। उन्हें किसी प्रकार का दुख या कष्ट न सहना पड़े।

भगवान श्रीराम अविनाशी परमात्मा हैं, जो सबके सृजनहार व पालनहार हैं। दरअसल श्रीराम के लोकनायक चरित्र ने जाति, धर्म और संप्रदाय की संकीर्ण सीमाओं को लांघ कर जन-जन को अनुप्राणित किया। भारत में ही नहीं, दुनिया में श्रीराम अत्यंत पूज्यनीय हैं और आदर्श पुरुष हैं। थाइलैंड, इंडोनेशिया आदि कई देशों में भी श्रीराम आदर्श के रूप में पूजे जाते हैं। श्रीराम केवल भारतवासियों या केवल हिंदुओं के मर्यादा पुरुषोत्तम नहीं हैं, बल्कि बहुत से देशों, जातियों के भी मर्यादा पुरुष हैं, जो भारतीय नहीं। रामायण में जो मानवीय मूल्य दृष्टि सामने आयी, वह देशकाल की सीमाओं से ऊपर उठ गयी। वह उन तत्वों को प्रतिष्ठित करती है, जिन्हें वह केवल पढ़े-लिखे लोगों की चीज न रहकर लोक मानस का अंग बन गयी। इंडोनेशिया

जैसे मुस्लिम राष्ट्र में नागरिक रामलीला का मंचन करते हैं, तो क्या वे अपने धर्म से भ्रष्ट हो जाते हैं? इस मुस्लिम देश में रामलीलाओं का मंचन भारत से कहीं बेहतर और शास्त्रीय कलात्मकता और उच्च धार्मिक आस्था के साथ किया जाता है। ऐसा इसलिए संभव हुआ है, क्योंकि श्रीराम मानवीय आत्मा की विजय के प्रतीक महापुरुष हैं, जिन्होंने धर्म और सत्य की स्थापना करने के लिए अधर्म और अत्याचार को ललकारा। इस तरह वे अंधेरों में उजालों, असत्य पर सत्य, बुराई पर अच्छाई के प्रतीक बने। सचमुच श्रीराम न केवल भारत के लिए, बल्कि दुनिया के प्रेरक हैं, पालनहार हैं। भारत के जन-जन के लिए वे एक संबल हैं, एक समाधान हैं, एक आश्वासन हैं निष्कंटक जीवन का, अंधेरों में उजालों का। भारत की संस्कृति और विशाल आबादी के साथ दर्जनभर देशों के लोगों में यह नाम चेतन-अचेतन अवस्था में समाया हुआ है। यह भारत, जिसे आर्यावर्त भी कहा गया है, उसके ज्ञात इतिहास के श्रीराम प्रथम पुरुष एवं राष्ट्रपुरुष हैं, जिन्होंने संपूर्ण राष्ट्र को उत्तर से दक्षिण, पश्चिम से पूर्व तक जोड़ा था। दीन-दुखियों और सदाचारियों की दुराचारियों और राक्षसों से रक्षा की थी। सबल आपराधिक और अन्यायी ताकतों का दमन किया। सर्वोच्च लोकनायक के रूप में उन्होंने जन-जन की आवाज को सुना और राजतंत्र और लोकतंत्र में जन-गण की आवाज को सर्वोच्चता प्रदान की। श्रीराम ने ऋषि-मुनियों के स्वाभिमान और आध्यात्मिक स्वाधीनता की रक्षा कर उनके जीवन, साधनाक्रम और भविष्य को स्वावलंबन और आत्म-सम्मान के प्रकाश से आलोकित किया। इस मायने में श्रीराम राष्ट्र की एकता के सूत्रधार और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रेरक हैं।

कबीर आदि भक्त कवियों ने श्रीराम का गुणगान करते हुए कहा है कि आदि श्रीराम वह अविनाशी परमात्मा हैं, जो सब का सृजनहार और पालनहार हैं। जिसके एक इशारे पर धरती और आकाश काम करते हैं, जिसकी स्तुति में 33 कोटि देवी-देवता नतमस्तक रहते हैं। जो पूर्ण मोक्षदायक व स्वयंभू हैं। श्रीराम ने मर्यादा के पालन के लिए राज्य, मित्र, माता-पिता, यहां तक कि पत्नी का भी साथ छोड़ा। इनका परिवार आदर्श भारतीय परिवार का प्रतिनिधित्व करता है।

श्रीराम रघुकुल में जन्मे थे, जिसकी परंपरा प्रान जाहुं बरु बचनु न जाई की थी। श्रीराम हमारी अनंत मर्यादाओं के प्रतीक पुरुष हैं। इसलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम के नाम से पुकारा जाता है। हमारी संस्कृति में ऐसा कोई दूसरा चरित्र नहीं है, जो श्रीराम के समान मर्यादित, धीर-वीर, न्यायप्रिय और प्रशांत हो। वाल्मीकि के श्रीराम लौकिक जीवन की मर्यादाओं का निर्वाह करने वाले वीर पुरुष हैं। उन्होंने लंका के अत्याचारी राजा रावण का वध किया और लोक धर्म की पुनर्स्थापना की। लेकिन वे नील गगन में दैदीप्यमान सूर्य के समान दाहक शक्ति से संपन्न, महासमुद्र की तरह गंभीर तथा पृथ्वी की तरह क्षमाशील भी हैं। वे दुराचारियों, यज्ञ विध्वंसक राक्षसों, अत्याचारियों का नाश कर लौकिक मर्यादाओं की स्थापना करके आदर्श समाज की संरचना के लिए ही जन्म लेते हैं। आज ऐसे ही स्वस्थ समाज निर्माण की जरूरत है।

इसलिए प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव, यानी रामनवमी का अलग सामाजिक महत्व है। वैसे तो सनातन धर्म में हर देवी-देवता के जन्मोत्सव पर पूजा-अर्चना का विधान है, लेकिन रामनवमी जिस तरह समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में पिरोती है और हर कोई इसके उल्लास में शामिल होता है, वह अभूतपूर्व है। रामनवमी का त्योहार वास्तव में एक धार्मिक आयोजन से अधिक अब एक सामाजिक आयोजन बन गया है, जिसमें उन सामाजिक मूल्यों की पुनर्स्थापना का संकल्प लिया जाता है, जो प्रभु श्रीराम के जीवन से हमें मिलता है।

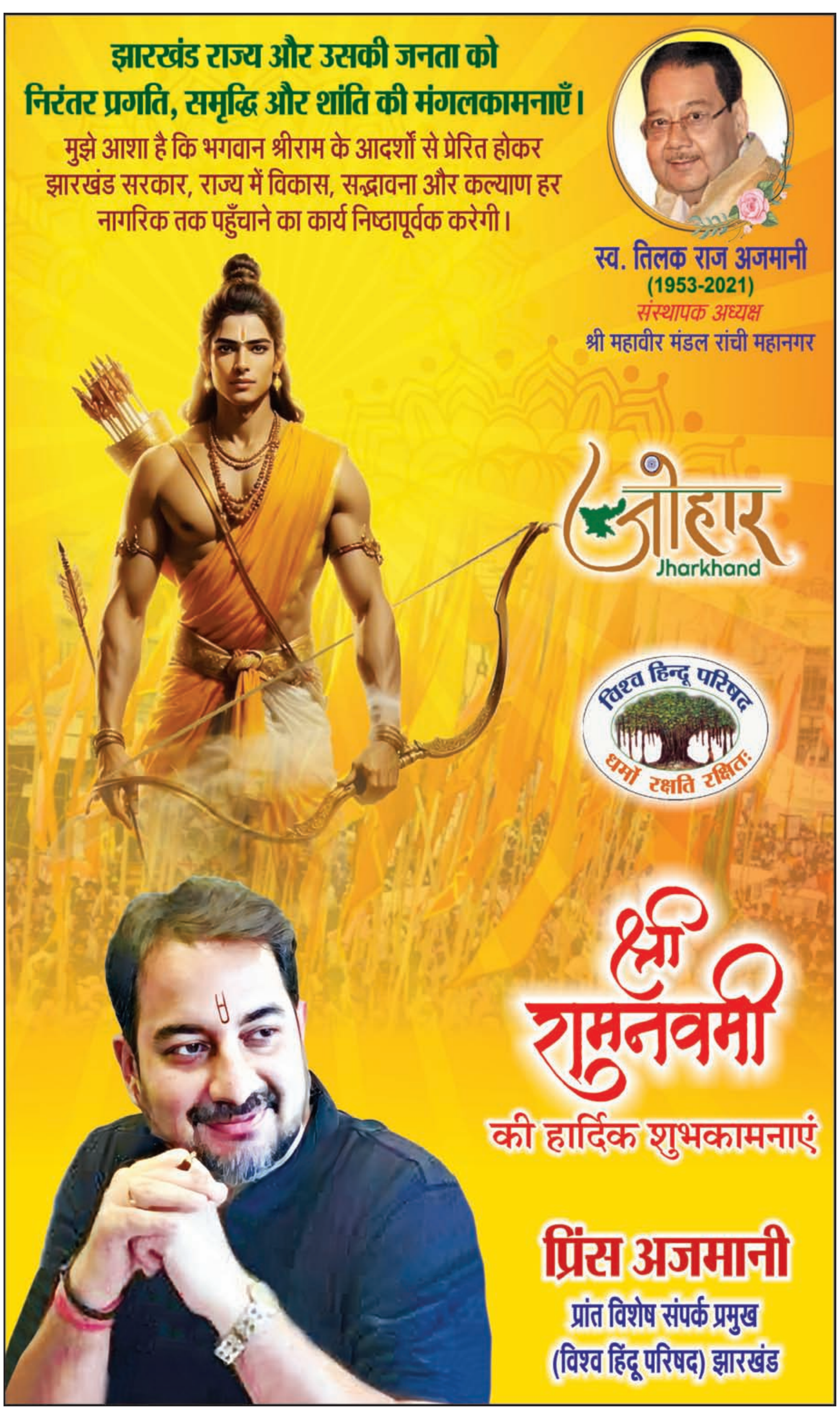

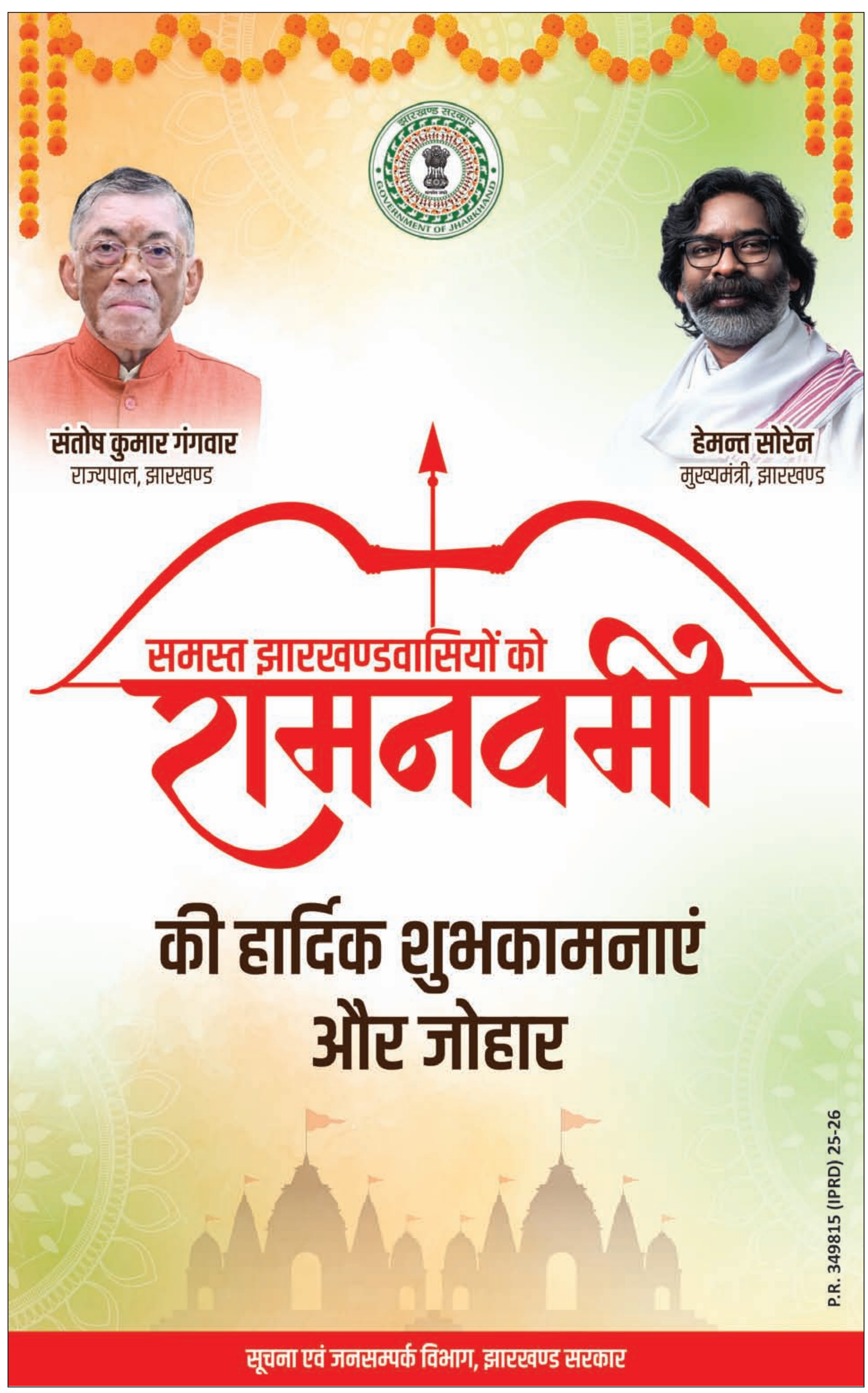

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	32.8°c	20.0°c
सूर्यास्त (आज) :		18.06 बजे
सूर्योदय (कल) :		05.37 बजे

आजाद सिपाही
रांची, रविवार, 06 अप्रैल, 2025
www.azadsipahi.in

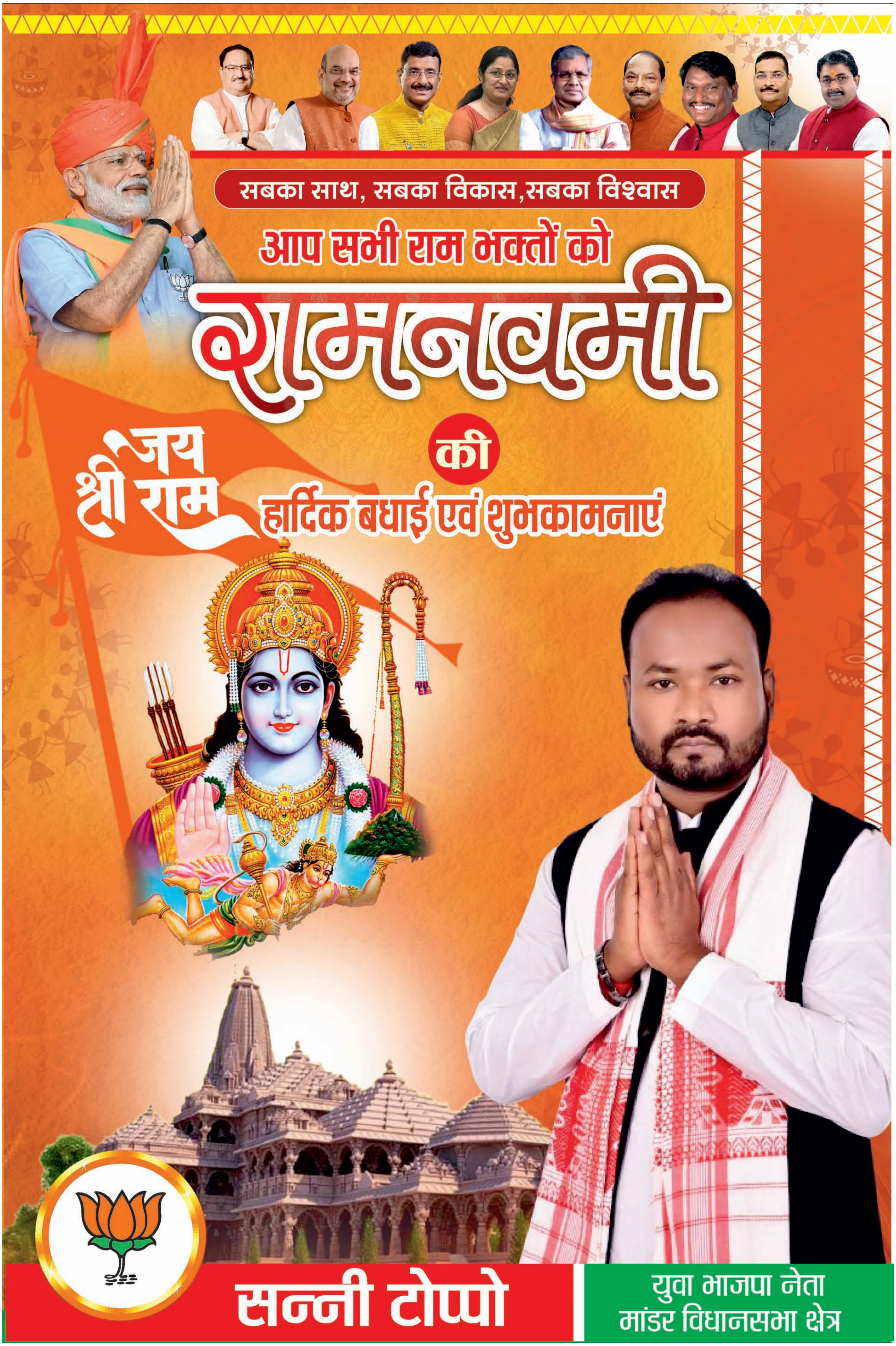
सबका साथ, सबका विकास,सबका विश्वास
आप सभी राम भक्तों को
रामनवमी
की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
जय श्री राम
सन्नी टोप्पो
युवा भाजपा नेता
मांडर विधानसभा क्षेत्र

कलम कलम बढ़ाये जा
आजाद सिपाही
रांची 06 अप्रैल, 2025, रविवार, वर्ष 10, अंक 166, चैत्र, शुक्ल पक्ष, नवमी, संवत 2082, पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹3.00

रामनवमी का उत्साह चहुंओर

■ सड़कों पर दिखेगा रामभक्तों का पराक्रम ■ हर तरफ गूंजेगा प्रभु श्रीराम का नाम

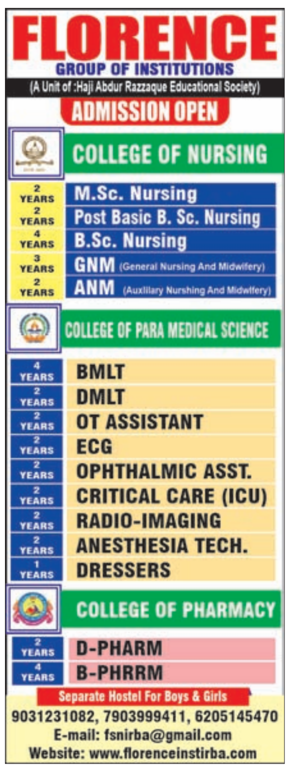

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। उत्साह और शौर्य का पर्व रामनवमी का रंग पूरे झारखंड पर चढ़ गया है। रविवार छह अप्रैल को राजधानी रांची समेत पूरे झारखंड में यह पर्व मनाया जायेगा। रामनवमी को लेकर पूरा झारखंड भगवामय है। पूरे राज्य के लोग रविवार को सड़कों पर रामभक्तों का पराक्रम देखकर अचंभित होंगे। राज्य भर में गली-मुहल्लों और चौक-चौराहों पर भगवान राम और वीर हनुमान की पूजा-अर्चना की जा रही है। मुहल्लों में देर रात तक रामनवमी पर निकलनेवाली शोभायात्रा और जुलूस में अपने शौर्य का प्रदर्शन करने के लिए उत्सोही युवा परंपरागत हथियारों से अभ्यास करते रहे। महावीर मंडल भी अपनी-अपनी टोलियों को संगठित कर जोर-शोर से तैयारी में जुटे हैं। शनिवार की रात झांकियां निकाली गयीं। इनमें भगवान राम, माता जानकी, लक्ष्मण और वीर हनुमान का वेश धारण करनेवाले कलाकारों को देख भक्त भावविभोर होते रहे।

झंडों और पताकों से पटी सड़कें : रांची की कई सड़कें महावीरी झंडों और पताकों से पटी हुई हैं। अल्बर्ट एक्का चौक, कोकर बाजार, हिनू चौक, रातू रोड, हरमू, अरगोड़ा सहित कई इलाकों की सड़कों पर झंडे, पताके और रामभक्तों के बैनर और होर्डिंग लगाये गये हैं। रामनवमी शोभायात्रा में विभिन्न जगहों पर लगभग दो हजार से ज्यादा सेवा और स्वागत शिविर लगाकर राम के भक्तों का स्वागत धार्मिक, सामाजिक और व्यापारिक संस्थाओं के लोग करेंगे। इसके अलावा स्वागत शिविर में अंग वस्त्र, माला, पुष्प वर्षा, मोमेंटो देकर परंपरागत तरीके से राम भक्तों का स्वागत किया जायेगा। शोभायात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर स्वागत शिविरों के जरिये रामभक्तों में चना, ठंडा पेय, पेयजल, फल, बुंदिया, आलू चॉप, जूस, टॉफी, खीर, सिंघाड़ा सहित अन्य खाद्य सामग्री बांटी जायेगी।

राज्य में सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 13 हजार अतिरिक्त बल तैनात

राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में रामनवमी को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये हैं। राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में 12,767 से अधिक अतिरिक्त बल की तैनाती की गयी है। इनमें डीएसपी, इंस्पेक्टर, दारोगा, रैपिड एक्शन पुलिस, लाठी बल, सशस्त्र बल, सीएपीएफ, होमगार्ड, अश्रु गैस दस्ता, अग्निशमन दस्ता और बम निरोधक दस्ता शामिल है। इसके अलावा जोनल आइजी और रेंज आइजी को भी अतिरिक्त फोर्स दिया गया है। पर्व के मद्देनजर हजारीबाग, गिरिडीह, लोहरदगा, बोकारो, जमशेदपुर सहित अन्य जिलों में विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। आइजी अभियान सह पुलिस प्रवक्ता एवी होमकर ने शनिवार को बताया कि सभी जिलों में पर्याप्त संख्या में पुलिस और सुरक्षा बलों को लगाया गया है। सभी एसपी को पर्व को लेकर कई दिशा निर्देश भी दिये गये हैं। सोशल मीडिया सहित अन्य गतिविधियों पर भी पैनी नजर रखी जा रही है।

चार मीटर से ऊंचा झंडा नहीं होना चाहिए : डीसी

रांची के डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने रामनवमी को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का हवाला देते हुए स्पष्ट निर्देश जारी किये हैं। अदालत ने आंशिक विद्युत आपूर्ति को न्यूनतम समय के लिए ही बंद करने की अनुमति दी है। डीसी ने अखाड़ा समितियों से कहा कि रामनवमी जुलूस में झंडों की अधिकतम ऊंचाई चार मीटर तक ही रखें। डीसी ने आगाह किया है कि जुलूस में ऊंचे झंडे, झांकियां और साउंड सिस्टम खतरा बन सकते हैं।

बिहार, यूपी और बंगाल में अलर्ट

रामनवमी को लेकर उत्तर प्रदेश, बिहार के साथ ही महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में अलर्ट है। पूर्व में इन राज्यों में रामनवमी जुलूस के दौरान अप्रिय स्थिति बनी है। इससे निपटने के लिए इस बार पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। लोगों से आपसी सौहार्द बनाये रखने की अपील की गयी है।

सीएम का निर्देश, अराजक तत्वों पर रखें कड़ी नजर

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि रामनवमी के दौरान सुनियोजित तरीके से अफवाह या अराजकता फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में रामनवमी महोत्सव आपसी प्रेम-सौहार्द, भाईचारा और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो, इस पर फोकस रखें। उन्होंने अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखने और बाइक रैली की नयी परंपरा पर रोक लगाने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री शनिवार को अपने आवास पर रामनवमी के दौरान विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए उच्चस्तरीय बैठक कर रहे थे।

संवेदनशील चिह्नित जगहों पर विशेष चौकसी रखें

हेमंत सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि रामनवमी महोत्सव पर शोभायात्राएं एवं अन्य धार्मिक आयोजन होते हैं। इसलिए यह समय काफी संवेदनशील हो जाता है। अतएव वैसे चिन्हित स्थान, जहां इन आयोजनों के समय कोई छोटी-बड़ी घटनाएं होने की ज्यादा संभावनाएं रहती हैं, पर विशेष चौकसी रखी जाये। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लाइसेंसी एवं गैर लाइसेंसी अखाड़ा समितियों को डीजे बजाने से संबंधित उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश की प्रति उपलब्ध कराना हर हाल में सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश का अनुपालन नहीं करने वालों पर क्या कार्रवाई किये जाने का नियम है, यह जानकारी अखाड़ा समितियों को दें, ताकि नियम का उल्लंघन नहीं हो। शोभायात्रा के दौरान सीसीटीवी कैमरा एवं ड्रोन से नजर रखी जाये। शोभायात्रा का भौतिक सत्यापन अवश्य करें। शांति समिति के सदस्यों के साथ समन्वय बनाकर रखें।

न्यूज रील्स

कपिल राज जीएसटी इंटेलिजेंस में अपर निदेशक बने

रांची। केंद्र सरकार ने भारतीय राजस्व सेवा (आइआरएस) अधिकारी कपिल राज को जीएसटी इंटेलिजेंस मुख्यालय में अपर निदेशक के पद पर पदस्थापित किया है। इससे पहले वह प्रवर्तन निदेशालय दिल्ली में अपर निदेशक के पद पर पदस्थापित थे। कपिल राज को झारखंड क्षेत्रीय प्रवर्तन निदेशालय का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया था। झारखंड में अपने अतिरिक्त प्रभार के दौरान उन्होंने राजनीतिज्ञों, प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ मनी लांड्रिंग के मामलों की जांच की और उन्हें गिरफ्तार किया। दिसंबर 2024 में प्रवर्तन निदेशालय से उनकी सेवा वापस ले ली गयी और उनको उनके पैतृक विभाग में भेज दिया गया। वह एक-दो दिनों में नये पद पर योगदान करेंगे।

बोकारो में आंदोलन खत्म, स्थिति सामान्य

मृतक के परिजनों को मिला 50 लाख का मुआवजा और बीएसएल में नौकरी

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बोकारो में विस्थापित आंदोलन के दौरान हुई प्रेम महतो की मौत मामले में बड़ी कार्रवाई की गयी है। धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने शनिवार को मृतक के परिवार को 25 लाख की बजाय 50 लाख रुपये का मुआवजा चेक सौंपा। इसके साथ ही परिवार के एक सदस्य को बोकारो स्टील प्लांट में अस्थायी नौकरी दी गयी है। इस नौकरी को बाद में स्थायी किया जायेगा। इसके बाद आंदोलन खत्म हो गया है और स्थिति सामान्य हो गयी है। इलाके में तनाव को देखते हुए धारा 144 लागू किया गया है। बीजीएच में एसडीओ के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। स्थानीय विधायक श्वेता सिंह को शुक्रवार को बंद के दौरान हिरासत में लिया गया था। उन्हें रिहा कर दिया गया है।

बीएसएल प्रबंधन ने कहा है कि प्रेम महतो को शहीद का दर्जा देते हुए उनकी मूर्ति भी स्थापित की जायेगी। विस्थापितों के मुद्दे को स्थायी रूप से हल करने के लिए नयी नीति बनायी जा रही है। बोकारो डीसी की अध्यक्षता में हर महीने की 15 तारीख को विस्थापितों और बोकारो प्लांट प्रबंधन के बीच समीक्षा बैठक होगी। शनिवार को गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने इस घटना को दुखद बताया। वहीं, माले के पूर्व विधायक विनोद सिंह ने सीआइएसएफ पर धारा 302 के तहत मामला दर्ज करने की मांग की। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से विस्थापितों के लिए विशेष नीति बनाने की मांग भी की।

पीएम मोदी को श्रीलंका का सर्वोच्च सम्मान

भारत-श्रीलंका के बीच रक्षा समेत सात समझौते

एजेंसी

कोलंबो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्रीलंका दौरे के दौरान उन्हें श्रीलंका के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया। पीएम मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच वार्ता के बाद सात अहम समझौते हुए. जिन पर दोनों ने हस्तक्षर भी किये। इनमें रक्षा समझौता भी शामिल है।

भारत और श्रीलंका के बीच पहला और सबसे अहम समझौता रक्षा सहयोग को लेकर हुआ। यह हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग को बढ़ाने पर केंद्रित है। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा, नेतृत्व स्तर पर यह मान्यता भी है कि भारत और श्रीलंका के सुरक्षा हित एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

श्रीलंका के साथ अहम समझौतों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हमारा मानना ??है कि हमारे सुरक्षा हित समान हैं। दोनों देशों की सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी हुई है और एक-दूसरे पर निर्भर है। मैं भारत के हितों के प्रति राष्ट्रपति दिसानायके की संवेदनशीलता के लिए उनका आभारी हूं। हम रक्षा सहयोग के क्षेत्र में हुए महत्वपूर्ण समझौतों का स्वागत करते हैं।

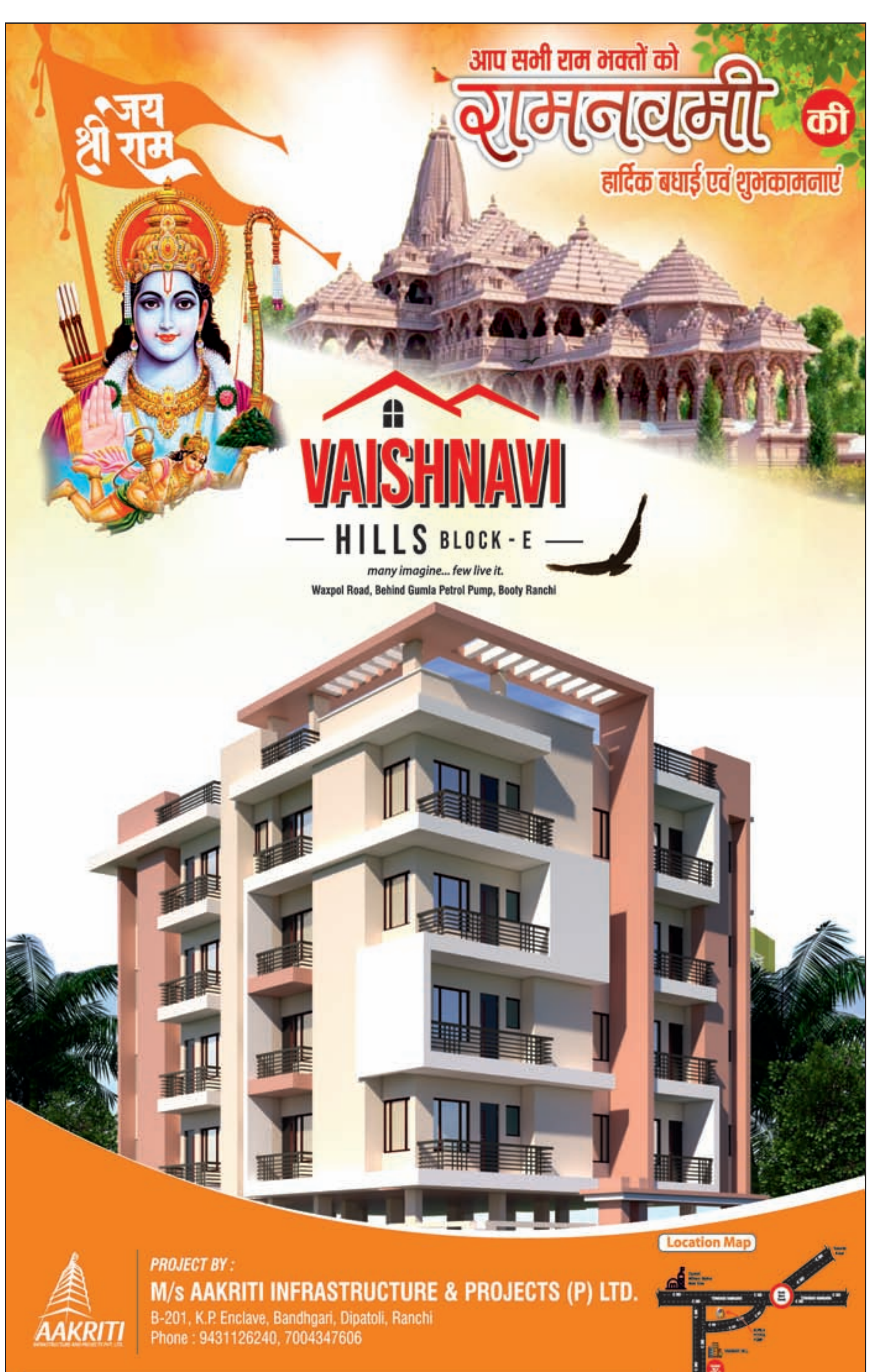

हिंदुओं के मंदिर-पानी और श्मशान एक हों : भागवत

आजाद सिपाही संवाददाता

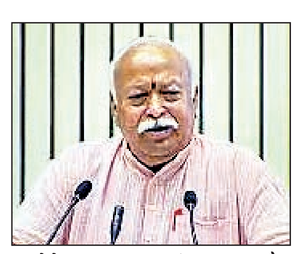

वाराणसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत ने शनिवार को वाराणसी में कहा, श्मशान, मंदिर और पानी सब हिंदुओं के लिए एक होना चाहिए। इसी लक्ष्य के साथ संघ काम कर रहा है। हिंदू समाज के सभी पंथ, जाति, समुदाय साथ आयें। यही संघ की परिकल्पना है। संघ का मतलब सबकी मदद करना और युवा शक्ति को सही दिशा देना है। मौके पर मोहन भागवत ने आइआइटी बीएचयू के छात्रों को हिंदुत्व का पाठ पढ़ाया और पूछा, बताइये संघ क्या है? भागवत शनिवार सुबह काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने बाबा का दर्शन-पूजन और अभिषेक किया। संघ प्रमुख आइआइटी बीएचयू के जिमखाना मैदान में 70 मिनट तक रहे। उन्होंने आइआइटी के एक सौ से ज्यादा विद्यार्थियों का योग, खेल और वैदिक मंत्रों का उच्चारण देखा। विद्यार्थी उन्हें देख कर जय बजरंगी, भारत माता की जय और वंदे मातरम का उद्घोष करते दिखे।

नक्सली हमारे अपने, उनके मारे जाने से किसी को खुशी नहीं होती: अमित शाह

आजाद सिपाही संवाददाता

दंतेवाड़ा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने दंतेवाड़ा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए नक्सलियों से हथियार डालने का आग्रह किया। इस दौरान गृह मंत्री ने कहा कि किसी भी नक्सली के मारे जाने से किसी को खुशी नहीं होती। उन्होंने कहा कि जो नक्सली आत्मसमर्पण करेंगे, वे मुख्यधारा का हिस्सा बनेंगे। जो नहीं करेंगे, उनसे सुरक्षा बल निपटेंगे। गृह मंत्री राज्य सरकार द्वारा दंतेवाड़ा में आयोजित 'बस्तर पंडुम' महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बस्तर की धरती पर यह विकास कैसे तभी हो सकता है, जब यहां शांति हो, बच्चे स्कूल जाएं, गांवों और तहसीलों में स्वास्थ्य सुविधाएं हों, स्वास्थ्य बीमा हो।

पारदर्शिता की ओर

सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने पर जो सहमति जतायी है, उसके पीछे कारण चाहे जो भी हो, वह सही दिशा में उठाया गया वाजिब कदम है। इससे न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी और आम लोगों का उस पर भरोसा मजबूत होगा। देश में सुप्रीम कोर्ट को ऐसी संस्था के रूप में देखा जाता है, जो आम लोगों के लिए न्याय की आखिरी उम्मीद है। फिर भी जस्टिस यशवंत वर्मा के घर कथित तौर पर जली हुई नोटों की गड्डी मिलने जैसी घटनाओं और उनसे उपजे विवादों से कहीं न कहीं कुछ संदेह भी बनता है। जस्टिस वर्मा के मामले में आंतरिक समिति बनायी गयी है। जांच से सारी बातें साफ हो जायेंगी, लेकिन यह भी जरूरी था कि इस घटना के चलते जो संदेह पैदा हुआ, उसे दूर किया जाये। यह विषय बहुत पुराना है कि न्यायधीशों को भी अपनी संपत्ति की सार्वजनिक घोषणा करनी चाहिए। 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार हर न्यायाधीश को अपनी प्रॉपर्टी और देनदारियों के बारे में चीफ जस्टिस को बताना होता है। बाद में, एक और प्रस्ताव आया कि न्यायाधीश चाहें तो अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक कर सकते हैं। पिछले लगभग तीन दशक में, यह मामला कई बार उठा है। सूचना का अधिकार लागू होने के बाद यह बहस भी हुई कि न्यायपालिका इसके दायरे में क्यों नहीं। इसके पीछे यही तर्क रहा कि किसी निजी जानकारी को तब तक साझा करने की जरूरत नहीं, जब तक उससे सार्वजनिक हित न जुड़े हों। 2010 और 2019 में जब सुप्रीम कोर्ट में यह केस आया था, तब इसी नुक्ते को आधार बना कर कहा गया कि जानकारी सार्वजनिक करना न्यायाधीशों की इच्छा पर है। सरकार की एक संसदीय समिति ने 2023 में सिफारिश की थी कि न्यायाधीशों के लिए संपत्ति की घोषणा अनिवार्य की जाये। हालांकि सरकार इस मामले में आगे नहीं बढ़ी और बाद में कहा कि उसका ऐसा कोई इरादा भी नहीं है। यह रुख गलत नहीं कहा जा सकता। सरकार की तरफ से किया गया कोई भी प्रयास यह संदेश देता कि न्यायपालिका में अनावश्यक राजनीतिक दखल हो रहा है। न्यायपालिका की साख के लिए उसका स्वतंत्र होना और दिखना भी उतना ही जरूरी है। हालांकि यह कदम काफी नहीं है। न्यायपालिका के कामकाज में कई तरह की गड़बड़ियां हैं। कई स्तरों पर न्यायिक सुधार के प्रयास आगे बढ़ाने की जरूरत है, लेकिन इस कदम से एक पॉजिटिव संदेश जरूर गया है कि सर्वोच्च अदालत के जज खुद को भी उन कसौटियों पर कसने में नहीं हिचकते जिन्हें वे दूसरों के लिए जरूरी मानते हैं।

सरकार की एक संसदीय समिति ने 2023 में सिफारिश की थी कि न्यायाधीशों के लिए संपत्ति की घोषणा अनिवार्य की जाये। हालांकि सरकार इस मामले में आगे नहीं बढ़ी और बाद में कहा कि उसका ऐसा कोई इरादा भी नहीं है।

अभिमत
आजाद सिपाही

वनवास के समय जाते हुए कौशल्या राम को ज्ञान देती हैं। वे पुत्र को धर्म एवं कर्तव्य की महत्ता बतलाती हैं। कोई अन्य स्त्री होती तो कह देती कि पुत्र तुम्हारा राजतिलक होने जा रहा है, तुम वनवास मत जाओ, परंतु कौशल्या ऐसी स्त्रियों से अलग हैं, वे ज्ञान का स्वरूप हैं, तभी उनके गर्भ से प्रभु श्री राम उत्पन्न हुए। महाराजा दशरथ की दूसरी रानी सुमित्रा लक्ष्मण को राम के साथ वन जाने के लिए समझाती हैं। वे अपने पुत्र लक्ष्मण को राम की सेवा के लिए प्रेरित करती हैं और उन्हें राम को ही अपना पिता मानने का उपदेश देती हैं।

श्रीराम के जन्म दिवस रामनवमी की नयी सोच

नंदकिशोर श्रीमाली

श्रीराम का जन्म दिवस राम नवमी सनातन धर्म का सर्वाधिक महत्वपूण्र दिवस है क्योंकि श्रीराम जन-जन की आत्मा हैं। श्रीराम सनातन धर्म के आदर्श पुरुष हैं, इसलिए श्रीराम को मयार्दा पुरुषोत्तम कहा गया है। वे आदर्श पुरुष हैं, इसलिए उन्हें धर्म का पालक मान सकते हैं। परंतु राम इतने भी सहज नहीं हैं, अन्यथा तुलसी क्यों कहते?

उमा दारु जोषित की नाई। सबहि नचावत रामु गोसाई।

श्री राम के चरित्र में अनेक पहलू हैं जिसे कई बार सनातन धर्म के नवागंतुक समझ नहीं पाते हैं। वे सोच में पड़ जाते हैं कि

क्या श्रीराम मात्र दशरथ के बेटे थे? या फिर अयोध्यापति थे? या सीतापति थे? अथवा कुछ और थे? इस संबंध में तुलसी ने बड़ी चतुराई से लिख दिया हैः जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी। राम ये सब थे तथा इससे अधिक भी थे। रामकथा को जिसने जिस रूप में देखा, उसमें उसे उसी के दर्शन हुए। गांधी जी को रामायण में अच्छी और बुरी प्रवृत्तियों के संघर्ष की कहानी सुनायी दी। वेदों में रामकथा को एक विराट प्राकृतिक रूपक के रूप में संजोया गया है। मुझे राम कथा में अनेक प्रतीक दिखते हैं।

धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष राम धर्म के प्रतीक हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है।

राम को जानना है, तो शुरुआत, से करते हैं। सब जानते हैं कि श्रीराम दशरथ नंदन है। कभी ध्यान दिया है कि दशरथ के नाम का अर्थ क्या है? दस प्रकार की प्रवृत्तियों से युक्त मन के रथ पर सवार व्यक्ति दशरथ है।

मन की 10 प्रकार की प्रवृत्तियांः कामना (वासना), क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या, अज्ञान, आलस्य, भय, विवेक।

हर मन के पास त्रिशक्ति है। ये शक्तियां हैं, ज्ञान, इच्छा एवं क्रिया की - तब दशरथ जी के पास भी ये त्रिशक्तियां उनकी तीन पत्नियों के रूप में हैं - कौशल्या, सुमित्रा एवं कैकेयी।

सुनि सनेहमय मातु बानी। सीलु सनेहु सुजान बखानी॥

कहि बिबेकमय बचन सुहाए। करि प्रनामु मातु समुझाए॥

वनवास के समय जाते हुए कौशल्या राम को ज्ञान देती हैं। वे पुत्र को धर्म एवं कर्तव्य की महत्ता बतलाती हैं। कोई अन्य स्त्री होती तो कह देती कि पुत्र तुम्हारा राजतिलक होने जा रहा है, तुम वनवास मत जाओ, परंतु कौशल्या ऐसी स्त्रियों से अलग हैं, वे ज्ञान का स्वरूप हैं, तभी उनके गर्भ से प्रभु श्री राम उत्पन्न हुए।

महाराजा दशरथ की दूसरी रानी सुमित्रा लक्ष्मण को राम के साथ वन जाने के लिए समझाती हैं। वे अपने पुत्र लक्ष्मण को राम की सेवा के लिए प्रेरित करती हैं और उन्हें राम को ही अपना पिता मानने का उपदेश देती हैं।

तात तुम्हारि मातु वैदेही। पिता राम सब भांति सनेही॥

अवध तहाँ जहँ राम निवासू। तहँइ दिवसु जहँ भानु प्रकासू॥

पुत्र को कर्म का उपदेश वही मां दे सकती है जो स्वयं क्रिया शक्ति को जीवन का आदर्श मानती है। सुमित्रा रामायण में दशरथ के लिए क्रिया की शक्ति हैं। क्रिया का प्रतीक मनुष्य के शरीर में कर्म इंद्रियां हैं, जो दोहरी होती हैं, जैसे हाथ, पैर, कान आदि। सुमित्रा से लक्ष्मण एवं शत्रुघ्न उत्पन्न हुए। जब पुत्रेष्टि यज्ञ के उपरांत खीर का प्रसाद बाँटा गया तब उन्होंने उस प्रसाद को दो बार ग्रहण किया जिसके फलस्वरूप उनके दो पुत्र हुए।

वास्तव में, रामचरितमानस में सुमित्रा का चरित्र क्रिया शक्ति का प्रतीक है। वे न केवल धैर्य और समर्पण की प्रतिमूर्ति हैं, बल्कि कर्म और क्रिया को महत्व देने वाली माता भी हैं।

रामचरितमानस में उनका लक्ष्मण को राम के साथ वन जाने के लिए प्रोत्साहित करना इस बात का प्रमाण है कि वे कर्म को सर्वोपरि मानती हैं। उन्होंने अपने पुत्र को राम की सेवा के लिए भेजकर यह दिखाया कि कर्तव्य पालन ही जीवन का सबसे बड़ा धर्म है तथा कैकेयी इच्छा का प्रतीक है। उनकी इच्छा के कारण ही श्रीराम को वन जाना पड़ा था।

आजु देहु बनवास राम कहँ, भरतहि देहु राजु।

ये दुइ बर मागउँ, दयाल मोहि देहु दिनकर राजू॥

कैकेयी ने राजा दशरथ से वरदान मांग कर राम को वनवास और भरत को राज्य दिलवाना चाहा। राम के वन गमन की पीड़ा को दशरथ सहन नहीं कर पाये एवं अपने प्राण गंवा दिए क्योंकि दस प्रकार की प्रवृत्तियों से युक्त मन को जब धर्म से अलग कर दिया जाता है तो व्यक्ति अपने प्राण त्याग देता है। अब दशरथ के चार पुत्र वास्तव में किसके प्रतीक हैं।

10 प्रवृत्तियों से युक्त मन क्या चाहता है? धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष। फिर दशरथ के चारों पुत्र इन्हीं चार भावों के परिचायक होने चाहिए। धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष राम धर्म के प्रतीक हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है। तभी तो वे मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाते हैं, अर्थ के प्रतीक भरत हैं। भरत शब्द में भर का अर्थ भरना है जिसका अर्थ है कमी को पूरा करना।

भरत इसलिए भी अर्थ के प्रतीक हैं, क्योंकि जब धर्म को अयोध्या से निष्कासित किया गया तब अर्थ ने धर्म के चरण पादुका को राजगद्दी है पर स्थापित किया। हमारे जीवन में कई बार ऐसा होता है जब हम अपने इच्छाओं के जाल में उलझ जाते हैं और धर्म के रास्ते से भटक जाते हैं, ऐसे में भरत का चरित्र हमारे लिए प्रेरणा है कि अर्थ ऐसा हो जो धर्म के सामने नतमस्तक रहे।

अब इन चारों भाइयों में काम कौन है? मेरे विचार से लक्ष्मण काम के प्रतीक हैं। यहां पर प्रबुद्ध जन कहेंगे लक्ष्मण क्यों? वे तो उर्मिला का त्याग कर राम के साथ चल दिये। लक्ष्मण इसलिए क्योंकि काम सोता नहीं है। रामचरित मानस में उल्लेख है कि लक्ष्मणजी ने 14 वर्षों के वनवास के दौरान एक भी रात नींद नहीं ली थी। वे सदैव प्रभु राम और माता सीता की सेवा में तत्पर रहते थे। तुलसीदास जी ने इस विषय में लिखा हैः

सेवहिं लखनु सदा रघुबीरहि। जिमि पवन गति जलद समीरहि॥

लखन राम सेवा कहुँ जागहिं। कबहुँ निद्रा नहिं राति दिनु त्यागहिं॥

अर्थात - लक्ष्मण जी सदा रघुवीर की सेवा में रहते हैं, जैसे पवन बादलों के साथ रहती है। लक्ष्मण श्री राम की सेवा के लिए जागते रहते हैं और दिन-रात निद्रा का त्याग करते हैं।

काम क्रोध का कारण है। लक्ष्मण का क्रोध विख्यात है। उन्होंने शूर्पनखा का नाक काट दिया, सागर की ढिठाई एवं राम की दीनता पर क्रुद्ध थे। काम का अर्थ रति नहीं है, बल्कि अहंकार एवं क्रोध भी है।

अब मोक्ष का रूपक कौन है? मेरे विचार से शत्रुघ्न

भरत सत्रुहन जोरी सुहाई। मनहुँ धरम धृति धरि तनु आई॥

उन्हें 'शत्रुघ्न' ही कहा गया है, क्योंकि वे शत्रुओं का नाश करने वाले थे। शत्रु हमारे मन में है वासनाओं के रूप में है एवं जिसने उन्हें हरा दिया है वह निश्चित तौर पर मुक्त हो गया है। दूसरा, शत्रुघ्न भरत के अनन्य अनुयायी थे, जैसे लक्ष्मण राम के थे। मोक्ष पाने के लिए अर्थ का भी साथ चाहिए। शायद इसलिए धर्म प्रवर्तक राजकुमार रहे हैं जैसे गौतम बुद्ध, महावीर, भगवान श्री राम। मुक्ति के मार्ग का अनुसरण करना आसान है यदि जीवन की मौलिक आवश्यकताएं पूर्ण हो गयी हैं।

रामचरितमानस में चारों भाइयों में सबसे कम चर्चा शत्रुघ्न की है, परंतु शत्रुध्न को इससे अंतर नहीं पड़ता है। यहां तक कि आगे के रचनाकारों ने भी शत्रुध्न के दृष्टिकोण से रामायण की मीमांसा नहीं किया है। इसे मुक्ति कहेंगे झ्र यश की इच्छा के ऊपर उठ जाना।

रांची की खबरें

पारस हॉस्पिटल में एक ही छत के नीचे कैंसर से जुड़ी सभी बीमारियों का होगा इलाज

रांची (आजाद सिपाही)। पारस हॉस्पिटल एचइसी में आगामी 14 अप्रैल दिन सोमवार को रेडिएशन ऑन्कोलॉजी और पैट स्कैन का शुभारंभ होगा। इस पहल के साथ पारस हॉस्पिटल में अब एक ही छत के नीचे कैंसर से जुड़ी सभी बीमारियों का इलाज होगा। पारस कैंसर हॉस्पिटल के माध्यम से मेडिकल ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी की सुविधा मरीजों को प्राप्त होगी। पारस हॉस्पिटल एचइसी में एचओडी और सीनियर कंसल्टेंट पद पर कार्यरत मेडिकल ऑन्कोलॉजी डॉ गुंजेश कुमार सिंह ने कहा कि पारस हॉस्पिटल एचइसी में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी और पैट स्कैन की शुरूआत होने जा रही है। अब पारस हॉस्पिटल पूरी तरह से ऑन्कोलॉजी सेंटर बन जायेगा। अब यहां कैंसर का इलाज कराना सुलभ और आसान होगा। जांच से लेकर इलाज तक अब मरीजों को एक ही छत के नीचे मिलेगा। डॉ गुंजेश ने कहा कि कैंसर के मरीजों को अन्य बीमारियां भी होती हैं। कई मरीज किडनी, लीवर, हार्ट समेत अन्य बीमारियों से ग्रस्ति रहते हैं। झारखंड का यह पहला हॉस्पिटल है, जहां इलाज की सभी सुविधा एक ही छत के नीचे उपलब्ध है। डॉ गुंजेश ने कहा कि अभी कैंसर विभाग में पांच एक्सपर्ट डॉक्टरों की टीम है, जो टाटा मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल मुंबई में काम कर चुके हैं। इन सभी डॉक्टरों को कैंसर का इलाज करने का लंबा अनुभव है।

केंद्रीय युवा महावीर मंडल ने झांकियों का स्वागत किया

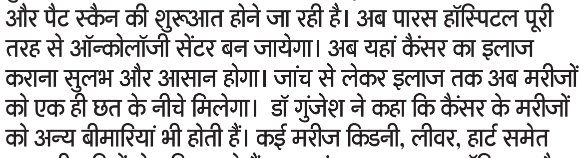

रांची (आजाद सिपाही)। शनिवार को मेन रोड स्थित अल्बर्ट एक्का चौक के पास केंद्रीय युवा महावीर मंडल के स्टेज का उद्घाटन मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी के द्वारा किया गया। इस उद्घाटन के अवसर पर अध्यक्ष नंद किशोर सिंह चंदेल ने बताया कि उद्घाटन के पूर्व रामनवमी के शुभ अवसर पर रांची में स्वागत मंच का ऐसा पहला कार्यक्रम हो रहा है। इस मौके पर सभी सदस्यों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। रात्रि में झांकियों का स्वागत और पुरस्कार वितरण किया गया। हर साल की भांति इस साल भी केंद्रीय युवा महावीर मंडल की ओर से सबसे बड़ा मोमेंटो देकर प्रथम और द्वितीय पुरस्कार के साथ-साथ अन्य पुरस्कार भी दिया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से नंद किशोर सिंह चंदेल, विनय सरावगी, शंकर दुबे, म उज्जवल कुमार सिन्हा, सोमवित माजी, लखन कुमार, रीना सिंह, प्रेम प्रतीक केसरी, अमन ठाकुर, सुधीर, शिल्पी कुमारी वर्मा सहित अनेकों लोग उपस्थित रहे।

धूमधाम से मना सरहुल मिलन समारोह

रांची (आजाद सिपाही)। शनिवार को आदिवासी मूलवासी मंच के तत्वावधान में मोरहाबादी में गीतकार पवन राजा, पूनम खलखो, नितेश कच्छप, मनोज शहरी ने अपने गीतों से समा बांधा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रांची एसडीओ उत्कर्ष कुमार उपस्थित हुए। विशिष्ट अतिथि नायक युवा कल्याण समिति के अध्यक्ष संदीप टाईगर और मुकेश नायक शामिल हुए। संदीप टाईगर ने कहा कि सरहुल मिलन समारोह करने का का मुख्य उद्देश्य आदिवासियों की संस्कृति को आगे बढ़ाना है। मुकेश नायक ने कहा कि आदिवासी प्रकृति से कभी दूर नहीं रह सकता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से रंजीत टोप्पो, सूरज टोप्पो, अमित मुंडा, अजीत लकड़ा, मिथलेश कुमार, मोहन तिर्की, अंजू तिर्की, नेहा हेमरोम, राधा हेमरोम, ज्योत्सना केरकेट्टा, रोहित कुमार, सुरेश मिर्धा, डब्लू मुंडा, विक्की करमाली आदि पदाधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शनिवार देर रात रामनवमी की झांकी निकाली गयी, इस दौरान महिलाओं ने भी जमकर तलवारबाजी की। फोटो : प्रदीप ठाकुर

मारवाड़ी सम्मेलन समाज का रक्षा कवच : बसंत मित्तल

रांची (आजाद सिपाही)। मारवाड़ी सम्मेलन समाज के प्रांतीय अध्यक्ष बसंत मित्तल ने कहा कि सम्मेलन समाज का रक्षा कवच है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य सामाजिक एकता, सुरक्षा और समाज सुधार है। मित्तल ने कहा कि सम्मेलन ने वर्ष 1962 से 1973 के दौर में वृद्ध विवाह का समर्थन, बाल विवाह का विरोध और अस्पृश्यता को लेकर क्रांतिकारी अभियान चलाया। सम्मेलन ने दहेज प्रथा, वैवाहिक समारोह में आडंबर और फिजूलखर्ची का पुरजोर विरोध किया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन ने वैवाहिक सुधार संबंधी आचार संहिता तैयार की और इसे अधिवेशन में पारित कराया। मित्तल ने कहा कि सम्मेलन ने महिला और युवा शक्ति की सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए महिला सम्मेलन और युवा सम्मेलन की स्थापना की। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य समाज के लोगों की सेवा करना और उनकी समस्याओं का समाधान करना है।

श्री श्याम मित्र मंडल ने 150वां श्री श्याम भंडारा आयोजित किया

रांची (आजाद सिपाही)। श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 150 वां श्री श्याम भंडारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, मंत्री श्याम सुंदर शर्मा और अन्य सदस्यों ने श्री श्याम भोग का भजन गायन किया। भंडारे में वेजिटेबल पुलाव, मिक्स सब्जी, पकौड़ी, केसरिया जलेबी और टॉफी के प्रसाद वितरित किये गये। लगभग 2600 से अधिक भक्तों ने प्रसाद प्राप्त किया। रामनवमी के शुभ अवसर पर खाटूनरेश का महास्नान और विशेष अनुष्ठान पूजन का आयोजन किया जायेगा।

संत जेवियर्स कॉलेज में भू-संसाधनों की प्रगति पर सेमिनार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज रांची के भूगर्भ शास्त्र विभाग द्वारा शनिवार को 'झारखंड के भूविज्ञान और भू-संसाधनों की प्रगति' पर सेमिनार का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ फादर रोबर्ट प्रदीप कुजूर, एसजे ने सभी अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम की शुरुआत की। वक्ता के तौर पर उपस्थित जीएसआइ झारखंड यूनिट के उपनिदेशक अखौरी बिश्वाप्रिया ने 'छोटानागपुर गनेस्सिक कांप्लेक्स के तहत भीतर महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और भू-विरासत की दृष्टि से झारखंड को देखना' विषय पर व्याख्यान दिया। आइआइटी (आइएसएम) धनबाद के डॉ सहेंद्र सिंह ने नैनो भूविज्ञान की उपयोगिता को बताते हुए उत्तरी सिंहभूम के इलाके में स्वर्ण धातु विज्ञान पर प्रकाश डाला। बीआइटी मेसरा के डॉ अखौरी प्रमोद कृष्णा ने भी पारंपरिक और आधुनिक टेक्नोलॉजी का प्रयोग करते हुए झारखंड के भू संसाधनों पर चर्चा की। विभागाध्यक्ष डॉ जयंत सिन्हा ने भी विषय पर अपना ध्यान आकृष्ट करते हुए बताया कि राज्य में भूवैज्ञानिक संसाधनों की प्रचुरता के कारण ही झारखंड को 'खनिज का हृदय' से भी संबोधित किया जाता है। इस मौके पर कॉलेज के उप-प्राचार्य डॉ फादर अजय अरुण मिंज एसजे, डॉ फादर एन लकड़ा एसजे, डॉ माबेल टोप्पो, विनोद तिर्की, डॉ सोमेश सेन गुप्ता, डॉ. मेल्विन एक्का, शोधार्थी सहित विभाग के विद्यार्थी उपस्थित थे।

नया पंबन पुल: प्रगति, भक्ति और विकास के माध्यम से भारत को एकजुट करेगा

कोलकाता (आजाद सिपाही)। भारत, देवत्व की पवित्र भूमि, 52 शक्तिपीठों, 12 ज्योतिर्लिंगो और पूजनीय चार धामों से समृद्ध है। जो हिंदू संस्कृति की जड़ों को गहराई से दर्शाता है। इनमें से, एक महत्वपूर्ण धाम, जो चार धामों में से एक और 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है, पवित्र द्वीप रामेश्वरम पर स्थित है। ऐसा माना जाता है कि लंका के रावण के खिलाफ अपनी लड़ाई शुरू करने से पहले, भगवान श्री राम ने भगवान श्री रामनाथस्वामी जी की पूजा और प्रतिष्ठा की थी। कश्मीर से कन्याकुमारी तक, भारत परंपराओं और संस्कृति में गहराई से निहित एक विशाल राष्ट्र के रूप में खड़ा है। ऐसे देश को उसकी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना एक स्मारकीय कार्य है—एक ऐसा कार्य जिसे भारतीय रेलवे वर्षों से पूरा कर रहा है, लोगों को उनके पवित्र स्थलों से जोड़ रहा है। ऐसा ही एक उल्लेखनीय कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में बनाया गया 'नया पंबन पुल' है। इस रामनवमी पर, रामेश्वरम की पवित्र भूमि पर, जहां भगवान रामनाथस्वामी सभी भक्तों पर अपना आशीर्वाद बरसाते हैं, तमिलनाडु की प्रगति में एक नया अध्याय इसके भव्य उद्घाटन के साथ शुरू होता है। पंबन पुल, मूल रूप से अंग्रेजों द्वारा निर्मित, पुराना हो गया था, लेकिन नया अत्याधुनिक पुल आधुनिक इंजीनियरिंग और भारत की समृद्ध विरासत का मिश्रण है। नये भारत की दृष्टि से निर्मित, यह पुल प्रगति, नवाचार और विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में खड़ा है।यह पुल सिर्फ एक बुनियादी ढांचागत चमत्कार नहीं है—यह राष्ट्रीय एकता और प्रगति का प्रतीक है, जो भाषा और राजनीति से परे लोगों को जोड़ता है। मोदी के नेतृत्व में, भारत समावेशी विकास की ओर बढ़ रहा है, जहां विकास विभाजन पर विजय प्राप्त करता है। यह पुल यात्रा और पर्यटन के लिए गेम-चेंजर होगा, जिससे अधिक भक्तों के लिए रामेश्वरम का दौरा करना और भगवान रामनाथस्वामी के दिव्य दर्शन करना आसान हो जायेगा। बेहतर कनेक्टिविटी के साथ, पूरे भारत से तीर्थयात्री इस आध्यात्मिक भव्यता का अनुभव कर सकेंगे। धार्मिक पर्यटन से परे, यह पुल व्यापार और वाणिज्य को भी बढ़ावा देगा, जिससे अधिक जहाजों को आसानी से पानी में चलने की अनुमति मिलेगी। यह रामेश्वरम की जीवन रेखा ट्रैक के रूप में काम करेगा, क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा और विकास और विकास के एक प्रमुख केंद्र के रूप में इसकी भूमिका को बढ़ायेगा। लगभग 2 किलोमीटर के खंड पर चलने वाला, 72.5 मीटर के ऊर्ध्वाधर लिफ्ट स्पैन के साथ, यह इंजीनियरिंग चमत्कार विशाल हिंद महासागर पर निर्मित भारत का पहला ऊर्ध्वाधर लिफ्ट रेल पुल है। उग्र जल और किनारे से टकराने वाली अथक लहरों के बीच, यह पुल भारत की तकनीकी कौशल और अटूट दृढ़ संकल्प के प्रमाण के रूप में खड़ा है। सिर्फ कनेक्टिविटी से परे, यह आर्थिक विकास के लिए जीवन रेखा के रूप में काम करेगा, व्यापार, पर्यटन और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देगा। जैसे ही यह पुल नये रास्ते खोलता है, यह न केवल तमिलनाडु की प्रगति को मजबूत करेगा बल्कि रामेश्वरम की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का भी सम्मान करेगा। जिस प्रकार राम-रावण संग्राम की शुरूआत रामेश्वरम में भगवान रामनाथस्वामी की स्थापना से हुई थी, उसी प्रकार भारत की विकास यात्रा भी इसी पवित्र भूमि पर इस स्मारकीय पुल के उद्घाटन के साथ फलेगी-फूलेगी और आगे बढ़ेगी। यह पुल सिर्फ एक बुनियादी ढांचा परियोजना से कहीं अधिक है। यह प्रगति का प्रतीक है, भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का प्रमाण है और श्री राम की दिव्य विरासत के लिए एक श्रद्धांजलि है। जैसे ही यह शक्तिशाली हिंद महासागर पर ऊंचा खड़ा है, यह तमिलनाडु और भारत के लिए विकास, कनेक्टिविटी और समृद्धि के एक नये युग की शुरूआत का प्रतीक है। ऐसे समय में जब राज्य में तमिल-हिंदी भाषा विभाजन पर बहस चल रही है, यह ऐतिहासिक पुल भाषाई मतभेदों के बावजूद भारतीयों को करीब लाकर एक एकजुट शक्ति के रूप में काम करेगा। जबकि तमिलनाडु सरकार हमेशा विकास पर विभाजनकारी राजनीति में लिप्त रही है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'एक भारत' की दृष्टि महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को आगे बढ़ा रही है जो राष्ट्र को मजबूत करती है।

जय श्री राम
सभी देशवासियों को
रामनवमी
की हार्दिक
शुभकामनाएं
जैलेन्द्र कुमार
पूर्व जिला अध्यक्ष
रांची ग्रामीण, भाजपा

हजारीबाग की सड़कों पर कल रात निकलेंगी 100 से अधिक झांकियां

36 घंटे रामभक्त सड़क पर उतर लगायेंगे जय श्रीराम के जयकारे

दीपक सिंह

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। हजारीबाग का इंटरनेशनल रामनवमी को लेकर महीनों से जारी प्रशासन और रामभक्तो की तैयारी लगभगपूरी हो चुकी है। कल दशमी की रात सौ से अधिक झाकियां हजारीबाग की सड़कों पर उतरेंगी जो एकादशी को देर रात समाप्त होगी। रामभक्त 36 घंटे से अधिक समय तक सड़क पर उतर जय श्री राम का जयकारा करेंगे। सैकड़ों अखाड़ों के लोग भगवान श्रीराम के आदर्शों का अनुशरण करते हुए साम्प्रदायिक सद्भाव और

भाईचारगी का संदेश देने हेतु हाथों में केशरिया परचम लिए एक अद्भुत जोश, जूनून और उमंग के साथ तासों की पुरनूर झंकार और गडगड़ाहट, लाठियों के तड़तड़ाहट, नुक्कड़ों के शोर के जोर संग थिरकते नाचते झूमते सड़क पर उतरेंगे। इस दौरान सामाजिक जागरूकता, राष्ट्रीय एकता, भारतीय संस्कृति और सभ्यता, धार्मिकता और सामाजिकता के साथ भाईचारगी का संदेश बिखेरता झांकियों का कतारबद्ध कारवां देखने को मिलेगा। अखाड़ा धारियों द्वारा लाठी, डंडा, भुजाली, तलवार आदि से कला कौशल का हैरतअंगेज कारनामे दिखाना जुलुस को और मनोहारी बना देता है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, देवों के देव महादेव और वीर बजरंगबली के नारे से हजारीबाग के चारों दिशाएं गूंज उठेगी। हजारीबाग रामनवमी जुलूस का मार्ग भी सुनिश्चित किया गया है। झंडा चौक, बड़ा अखाड़ा, महावीर स्थान चौक, ग्वाल टोली होते हुए जामा मस्जिद रोड में जुलूस समाप्त होता है। झंडा चौक और जामा मस्जिद रोड के सामने प्रशासन का वॉच टावर बनाया गया है, जहां से जिले के वरीय पदाधिकारी पूरे जुलूस पर नजर रखेंगे।

लाइसेंसी और गैर लाइसेंसी अखाड़ों पर होगा राम भक्तों का जुटान

चलंत-स्थायी झांकी होगी आकर्षण का केंद्र

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। रामनवमी पर्व को लेकर सनातनी राम भक्तों का महाजुटान रविवार को विभिन्न अखाड़ों में होगा। जिसकी तैयारी पूरी कर ली गयी है। 24 लाइसेंसी और 19 गैर लाइसेंसी अखाड़ों पर राम भक्तों का हुजूम लगेगा। इस दौरान कलाकार अपनी-अपनी प्रतिभा का जौहर दिखायेंगे। जिसके बाद आकर्षक झांकी के साथ क्षेत्र का भ्रमण करेंगे। शहर में निकलने वाले जुलूस में मुख्य आकर्षण केंद्र चलंत झांकी और स्थायी झांकी होगी, जो पूरे जुलूस में अलग पहचान बनायेगी।

शहर में दर्जनों स्थानों पर निकलेगी झांकी : शहर में दर्जनों स्थानों पर स्थायी और चलंत झांकी निकाली जायेगी। शहर के सुभाष चौक, किला मंदिर, लोहार टोला काली मंदिर, पंचमुखी हनुमान मंदिर, चट्टी बाजार, बाजारटांड़, कुंवर टोला, झंडा चौक, गोलपार, नई सराय, सौदागर मोहल्ला, दुसाध मोहल्ला, कैंटोनमेंट स्टाफ क्वार्टर, कोयरी टोला, रांची रोड बाजार, मरार बस्ती, नई सराय चौक पर झांकी निकाली जायेगी। शहर से अलग नगर परिषद क्षेत्र में अरगड्डा, हेसला, सिरका चेटर, कुंदरु खुर्द, कुंदरु कला, करमाली टोला, करम टोला, नवाडीह, बाजारटांड़ सिरका, हुहुआ पारडीह, अरगड्डा पंचमुखी हनुमान मंदिर मेबी स्थाई और चलंत झांकी निकाली जायेगी।

युद्ध कौशल की कला दिखायेंगे कलाकार : रामनवमी की झांकी में जहां एक तरफ भगवान राम की छवि को एक बार फिर पर्दे पर उतर जायेगा। वहीं कई कलाकार भगवान का महिमा मंडन मंच पर अपनी कला से करेंगे। इसके अलावा युद्ध कौशल की कला भी कलाकारों के द्वारा दिखायी जायेगी। सुभाष चौक पर युद्ध कौशल की झलक लोगों को दिखेगी। किला मंदिर में भगवान राम की झलक लोग देखेंगे। पंचमुखी हनुमान मंदिर में कलाकार नृत्य और संगीत से भगवान की महिमा का बखान करेंगे। सत्यनारायण मंदिर और झंडा चौक की झांकी भी लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करेगी। थाना चौक में भी झांकी देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ेगी।

फ्लैग मार्च करने निकले डीसी-एसपी

रामगढ़। रामनवमी पर्व को शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर डीसी चंदन कुमार और एसपी अजय कुमार ने ठोस रणनीति बनाई है। इसी के तहत शनिवार की शाम डीसी-एसपी ने शहर में फ्लैग मार्च किया। साथ ही पर्व को शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में मानने की अपील की। डीसी, एसपी के अलावा एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी, गोपनीय प्रभारी रविंद्र कुमार गुप्ता, एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, प्रशिक्षु डीएसपी फौजान अहमद, रामगढ़ अंचल अधिकारी सुदीप कुमार एक्का, रामगढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार, सब इंस्पेक्टर उपेंद्र कुमार और पूरी पुलिस फोर्स फ्लैग मार्च में शामिल थी। संवेदनशील इलाकों में लगाया गया 24 सीसीटीवी कैमरा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी रामगढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने गश्त लगाकर सौहार्दपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की। अरगड्डा, सिरका, हेसला, नईसराय, रांची रोड, मरार में भी शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की गयी। साथ ही यह भी बताया गया कि कोई भी सामाजिक सौहार्द को बिगड़ने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

यमुनिया नदी के तट पर गंगा आरती

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। यहां के उत्तरवाहिनी यमुनिया नदी के तट पर गंगा आरती का आयोजन किया गया। विष्णुगढ़ रामनवमीं महासमिति की ओर से महासप्तमी की संध्या को मां गंगा की महाआरती का भव्य आयोजन किया गया। इस पावन धरा में एक ओर नवनिर्मित भगवान भास्कर का नवनिर्मित मंदिर तो दूसरी ओर आदि देव महादेव और मां आदि शक्ति पार्वती का प्राचीन मंदिर उसके बीच कल-कल बहती उत्तरवाहिनी जमुनियां नदी की धारा, इस अप्रतिम मनोहारी छटा की अति शुभ तिथि सप्तमी की संध्या बेला में उत्तरवाहिनी यमुनिया नदी के तट पर आचार्य पुरेन्द्र पांडेय और उनकी टीम के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां गंगे की भव्य आरती की गयी। मौके पर महासमिति के अध्यक्ष विपिन कुमार सिन्हा, दीपू भाई, किशोर कुमार मंडल, डॉ.ओमकार नाथ शर्मा, गुरु प्रसाद साव, अशोक गुप्ता, सोबरन भगत, विनोद सिंह, वरुण कुमार, लखन प्रसाद, रामजतन स्वर्णकार, छोटी साव, रवि पांडेय, बंटी श्रीवास्तव, अनिल कुमार सोनी, गौतम भारती, सुनील अकेला, शशि कुमार लाहकार, विनोद सिंह, राजकुमार कसेरा, अशोक साव, दीपू अकेला, राजू श्रीवास्तव, जीवन सोनी, अंजु देवी, नीतीश कुमार बर्णवाल, अनुराग बर्मन, शंकर गोस्वामी, प्रयाग सोनी, नवलकिशोर वर्मा समेत सैकड़ों की संख्या में भक्त शामिल थे।

रामनवमी को लेकर निकाला गया फ्लैग मार्च

आजाद सिपाही संवाददाता

दारु/हजारीबाग। रामनवमी पर्व को लेकर प्रखंड में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह मुस्तैद दिखा। शनिवार को अंचलाधिकारी राम बालक कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी हारून रशीद, दारू थाना प्रभारी सफीक खान के संयुक्त नेतृत्व में एक फ्लैग मार्च निकाला गया। थाना प्रभारी सफीक खान अपने पूरे दल-बल के साथ दारू थाना से झुमरा डीपू चौक तक फ्लैग मार्च में शामिल हुए। इस दौरान पुलिस के जवानों की गूंजती कदमताल और वाहनों के सायरन ने लोगों को सुरक्षा का एहसास कराया। फ्लैग मार्च का उद्देश्य लोगों में विश्वास जगाना और असामाजिक तत्वों को सख्त संदेश देना कि प्रशासन हर स्थिति से निपटने को तैयार है। प्रशासनिक अधिकारियों ने आमजन से आपसी भाईचारे और सौहार्द बनाये रखने की अपील की। रामनवमी पर निकलने वाली शोभा यात्राओं को लेकर भी प्रशासन पूरी सतर्कता बरत रही है। हर इलाके में निगरानी की व्यवस्था की गयी है ताकि पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके। दारू प्रशासन की ये पहल क्षेत्र में अमन-चैन और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाये रखने की दिशा में एक सकारात्मक कदम मानी जा रही है।

हंटरगंज में रामनवमी को लेकर प्रशासन मुस्तैद

आजाद सिपाही संवाददाता

हंटरगंज/चतरा। रामनवमी त्योहार में हंटरगंज के कौलेश्वरी में विशाल मेला लगा है। ऐसे में रामनवमी के त्योहार को लेकर हंटरगंज प्रखंड प्रशासन अलर्ट मोड में है। ज्ञात हो कि हंटरगंज के कौलेश्वरी मंदिर परिसर में ऐतिहासिक मेला का आयोजन किया जाता है जिसमें झारखंड सहित विभिन्न राज्यों और विदेशों से भी पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने को लेकर हंटरगंज प्रखंड प्रशासन मुस्तैद है। इसी क्रम में शनिवार की शाम प्रखंड के दो अलग अलग थाना क्षेत्रों में तीन जगह फ्लैग मार्च निकाला गया। हंटरगंज थाना क्षेत्र में इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी पप्पू शर्मा के नेतृत्व में थाना मोड़ से बाजार होते हुए पानी टंकी तक सीओ अरुण मुंडा

सहित दर्जनों पुलिस कर्मी के साथ फ्लैग मार्च किया गया। उसके बाद मीरपुर में भी फ्लैग मार्च निकाला गया। वहीं वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र में थाना प्रभारी और बीडीओ के नेतृत्व में दंतार में भी फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान आम लोगों से बीडीओ ने अपील की है कि रामनवमी पर्व शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनायें। वहीं थाना प्रभारी पप्पू कुमार शर्मा ने सख्त लहजे में कहा की रामनवमी के दौरान उपद्रवियों और सोशल मीडिया पर पुलिस की पैनी नजर बनी हुई है और पर्व के दौरान खलल डालने वाले को बख्शा नहीं जायेगा।

पतरातू में रामनवमी को लेकर प्रशासन अलर्ट

पतरातू (आजाद सिपाही)। पतरातू सहित आस पास दर्जनों गांवों में रामनवमी की की पूजा के साथ-साथ जुलूस भी निकाली जानी है। पूजा और जुलूस में कोई खलल न पड़े, और विधि व्यवस्था की समस्या खड़ी न हो। इसको लेकर शनिवार की देर शाम एसडीपीओ के नेतृत्व में पतरातू अनुमंडल पुलिस के द्वारा फ्लैग मार्च निकला गया। मार्च पतरातू रेलवे गेट से शुरू होकर स्टेशन, पतरातु बाजार, भगत सिंह चौक, ब्लॉक मोड़ होते हुए पतरातू थाने की ओर चला गया। इस मौके पर पतरातू एसडीपीओ गौरव गोस्वामी ने कहा कि ड्रोन कैमरा, फोटोग्राफी के साथ साथ सादे लिबास में पुलिसकर्मी भीड़ में रहेंगे। और विधि व्यवस्था तोड़ने वालों पर नजर रखे जायेंगे। उन्होंने रामनवमी की शुभकामना भी दी। मौके पर पतरातु सीओ मनोज कुमार चौरसिया, पुलिस इंस्पेक्टर सतेंद्र कुमार सिंह, पतरातू थाना प्रभारी शिवलाल कुमार गुप्ता, भुरकुंडा ओपी प्रभारी निर्भय कुमार गुप्ता, बासल थाना प्रभारी कैलाश कुमार, बरकाकाना ओपी प्रभारी उमाशंकर वर्मा भदानीनगर ओपी प्रभारी सहित कई पुलिस अधिकारी और सशस्त्र बल शामिल थे।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं.ELS-ANGL-OT-25-26-01

कार्य का नाम : 02 वर्षों की समयावधि के लिए विद्युत लोको शेड/अनुगुल के WAG-7 एवं WAG-9 विद्युत इंजिन के सहायक मोटर की ओवरहॉलिंग, मरमत, रीविन्डिंग एवं असेम्बलिंग।

विज्ञापित मूल्य (रुपये में): 3,53,79,254.55, EMD (रुपये में) : 3,26,900/-, पूरा होने की अवधि : 24 महीने।

बिड प्रारंभ होने की तिथि: दिनांक : 11.04.2025, **निविदा बंद होने की तिथि व समय :** दिनांक: 25.04.2025 को 1500 बजे।

ऐसी निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (TRS), अनुगुल

PR-6/Q/25-26

सीएम से संदीप कुमार ने प्रधानाध्यापक को निलंबित करने की मांग की

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। प्लस टू उच्च विद्यालय बड़कागांव के पूर्व प्रबंधन समिति अध्यक्ष संदीप कुमार सिंह ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर बुके देकर ज्ञापन सौंप कर बड़कागांव प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रभारी प्रधानध्यापक कृष्ण कुमार कन्हैया को निलंबित कराने की मांग की है। उक्त आशय की जानकारी पुर्व अध्यक्ष संदीप कुमार ने प्रेस विज्ञप्ती जारी कर दी है। प्रिंसिपल पर स्कूल में राशि गबन करने और भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया है। संदीप ने बताया कि इसकी जांच भी पदाधिकारीओ के द्वारा की गयी है। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान बड़कागांव सामाजिक कार्यकर्ता सोनू इराकी भी मौजूद थे।

सड़क दुघर्टना में युवक की मौत

बरकट्ठा (आजाद सिपाही)। गोरहर गांव के समीप जीटी रोड पर हुई सड़क दुघर्टना में एक युवक की मौत हो गयी। मृतक की पहचान मुंडरो अटका निवासी रवि कुमार राणा के रूप में हुई। घटना शुक्रवार की रात लगभग 9 बजे के करीब दुर्घटना हुई। हादसे रवि कुमार राणा 32 वर्ष पिता रमण राणा की मौत हो गयी।

आजाद सिपाही की खबर पर जांच में मुहर

मांडू में डोडा का सौदा प्रकरण में मांडू थाना प्रभारी सस्पेंड

मांडू थाना प्रभारी की लापरवाही हुई उजागर, जिसके कारण हुई कार्रवाई: एसपी

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। आजाद सिपाही अखबार में छपी खबर पर एक बार फिर मुहर लग गयी है। अखबार में मांडू में डोडा लदे ट्रक से 6.80 लाख का सौदा के शीर्षक के साथ छपी खबर के मामले में मांडू थाना प्रभारी को सस्पेंड कर दिया गया है। मांडू थाना के नये थाना प्रभारी के रूप में सदानंद कुमार शनिवार को योगदान दे दिया है। एसपी अजय कुमार में बताया कि आजाद सिपाही अखबार के माध्यम से पता चला कि मांडू में डोडा लदे ट्रक से लाखो रुपये की वसूली हुई है। जिसके बाद वरीय अधिकारी द्वारा मामले की जांच करायी गयी। जिसमें मांडू थाना प्रभारी की लापरवाही सामने आयी। जिसके बाद उनपर सस्पेंड की कार्यवाही की गयी है। उन्होंने कहा कि डोडा लदे ट्रक की सौदेबाजी में उनका सीधा संलिप्तता सामने नहीं आया है। लेकिन उनके क्षेत्र में घटित घटना के कारण उनकी लापरवाही को दर्शाता है। जिसके कारण उनपर कार्यवाही की गयी।

क्या है मामला

जानकारी अनुसार आजाद सिपाही अखबार में डोडा लदे ट्रक को छोड़ने के लिए मांडू में 6.80 लाख की सौदेबाजी की खबर 27 मार्च को प्रकाशित किया था। जिसमें बताया गया था कि खूंटी से हरियाणा मांडू के रास्ते जा रही डोडा लदा ट्रक को रोककर घंटों कब्जा में रखा गया। जिसके बाद लाखों रुपये की वसूली कर ट्रक को सुरक्षित डेमो टांड पहुंचाया गया। जिसके बाद हजारीबाग पुलिस ट्रक को पकड़कर मामला दर्ज कर लिया। जिसके बाद ही आजाद सिपाही अखबार में छपी खबर के बाद वरीय अधिकारी रेस हुए और मामले में जांच बैठा दिया। जांच में मांडू थाना प्रभारी का लापरवाही उजागर हुआ और उन्हें तत्काल निलंबित कर दिया गया।

बुजुर्ग को ट्रक ने मारा धक्का, मौत

कुजू (आजाद सिपाही)। ओपी क्षेत्र के लकड़ीगेट फोरलेन डायवर्शन सड़क मार्ग पर शनिवार की अहले सुबह करीब पांच बजे टहलने निकले बुजुर्ग को सीमेंट लोड ट्रक ने धक्का मारा। जिससे बुजुर्ग पास के गड्ढे में जा गिरा और उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गयी। वहीं, कुछ कदम की दूरी पर असंतुलित होकर ट्रक पलट गया। मृतक सेवानिवृत सीसीएल कर्मी खीरू रविदास(72 वर्ष) पिता स्व बुटन रविदास, छह नंबर लकड़ीगेट कुजू का निवासी था। मौके से चालक और उपचालक फरार हो गया। इधर, सीमेंट लोड ट्रक संख्या जेएच 10 सीए 0342 के पलटने के बाद सड़क पर बिखरे सीमेंट की बोरियां को ग्रामीणों ने लूट ली। घटना की सूचना के बाद पहुंची कुजू पुलिस शव को अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल रामगढ़ भेज दिया।

शोभायात्रा प्रशासनिक दिशा-निर्देश के अनुरूप निकलेगी : जय सिंह यादव

श्री महावीर मंडल की तैयारी पूरी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रामनवमी शोभायात्रा के दौरान राजधानी में जिला प्रशासन के द्वारा तैयारी पूरी कर ली है। प्रशासन की तरफ से निर्धारित मानदंडों के अनुरूप झंडे की ऊंचाई 4 मीटर तक रखने का निर्णय श्री महावीर मंडल ने लिया है। श्री महावीर मंडल के अध्यक्ष जय सिंह यादव ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि रामनवमी के मौके पर एक बार फिर रांची की सड़क राममय होगी। जिसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं।

महावीर चौक में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए जय सिंह यादव ने कहा कि सभी अखाड़ों को जिला प्रशासन के ताजा निर्देश से अवगत करा दिया गया है। साथ ही डीजे के साउंड को लेकर भी निर्देशित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस मौके पर राजधानी के अल्बर्ट एक्का चौक पर शोभायात्रा में शामिल होने वाले लाखों श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर के द्वारा पुष्प वर्षा होगी। जय सिंह यादव ने कहा कि राज्य सरकार से सभी लाइसेंस अखाड़े धारी को आर्थिक सहायता के रूप में 50 हजार देने का मांग की है। रांची में कुल 56 पुराने लाइसेंसधारी हैं, जो कि 1929 के समय का है। लेकिन अब रांची शहर झारखंड की राजधानी है, ऐसे में आबादी काफी बढ़ गयी है। जिससे लाइसेंस धारकों की संख्या बढ़ाये जाने की मांग की है। मंडल के अध्यक्ष जय सिंह यादव ने बताया कि मुख्य शोभायात्रा दोपहर दो बजे बजरा से निकलकर पिस्का मोड़ होते हुए महावीर चौक पहुंचेगी। शोभायात्रा के संचालन के लिए रांची में 20 टोलियों का क्षेत्र अनुसार गठन किया गया है। इसमें लगभग 1500 राम भक्तों को जोड़ा गया है।

इस मौके पर महावीर मंडल के उपाध्यक्ष पवन गुप्ता, राहुल कुमार सिन्हा चंकी, मंत्री सुभाष कुमार साहू, सह मंत्री संतोष गुप्ता, उदय रविदास, बलिराम प्रसाद, कोषाध्यक्ष प्रमोद सारस्वत, प्रचार मंत्री सुनील वर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

रामनवमी शोभायात्रा में मुख्यमंत्री होंगे शामिल: आलोक दुबे

रामनवमी के मौके पर रविवार 6 अप्रैल को निकालने वाली शोभायात्रा के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राम भक्तों के साथ नजर आयेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवारनपुर स्थित तपोवन मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे और श्रद्धालुओं को संबोधित करेंगे। महावीर मंडल के सदस्य आलोक दुबे ने कहा कि रामनवमी शोभायात्रा को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तत्पर हैं और सपरिवार तपोवन मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे। उन्होंने कहा जो निर्धारित शोभायात्रा का मार्ग तय किया गया है, उस मार्ग से होते हुए लाखों श्रद्धालु तपोवन मंदिर पहुंचेंगे।

शहीद रघुनाथ महतो जैसे महान सपूतों को सम्मान देने की आवश्यकता : राज्यपाल

रांची (आजाद सिपाही)। शहीद रघुनाथ महतो स्मृति न्यास रांची की ओर से क्रांतिवीर शहीद रघुनाथ महतो की 287वीं शहादत दिवस लोवाडीह, रांची स्थित शहीद रघुनाथ महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि शहीद रघुनाथ महतो जैसे महान सपूतों को उचित सम्मान देने की आवश्यकता है। राज्यपाल का स्वागत कुरमाली भाषा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजाराम महतो व केशव महतो कमलेश ने किया। कार्यक्रम का संचालन सत्यनारायण महतो ने किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद शैलेंद्र महतो, रामटहल चौधरी, पूर्व उप मंत्री केशव महतो कमलेश, डॉ राजा राम महतो, विधायक राजेश कच्छप, अमित महतो, पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो, डॉ धनेश्वर महतो, महिपाल महतो, शीतल ओहदार, शत्रुघन महतो, शशिभूषण महतो, भुवनेश्वर महतो, ब्रजेश महतो, जितेंद्र महतो शामिल हुए।

पूर्व कुलपति सुरेश प्रसाद सिंह के निधन पर भानुप्रताप सिंह ने शोक व्यक्त किया

रांची (आजाद सिपाही)। समाजसेवी भानुप्रताप सिंह ने सुरेश प्रसाद सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि हम सभी के अभिभावक पूर्व कुलपति सुरेश प्रसाद सिंह का स्वर्गवास उनके आवास हरमू पटेल पार्क के मकान संख्या सी 101 में हो गया है। हम सभी के लिए यह अपूर्णीय क्षति है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान देकर परम शांति प्रदान करें। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। गांधी आश्रम सेक्टर 2 धुर्वा में शोकसभा आयोजित कर मुख्तार सिंह ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

अजय राय ने शुल्क कमेटी गठित करने का किया आग्रह

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड अभिभावक संघ ने शनिवार को प्रेस रिलीज जारी कर राज्य सरकार से आग्रह किया है कि झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण संशोधन अधिनियम 2017 के तहत निजी विद्यालयों में शुल्क संग्रहण को विनियमित करने के लिए जिला एवं विद्यालय स्तरीय शुल्क कमेटी का गठन शीघ्र किया जाये। संघ ने यह भी मांग की है कि जब तक इन समितियों का गठन नहीं होता, तब तक केवल शैक्षिक शुल्क ही लिया जाये और अन्य शुल्कों पर रोक लगायी जाये। इस संबंध में संघ के अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को एक पत्र राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन एवं रांची उपायुक्त को भी दिया है। अजय राय ने कहा, झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण संशोधन अधिनियम 2017 के अनुसार, प्रत्येक विद्यालय में एक फीस समिति का गठन करना अनिवार्य है।

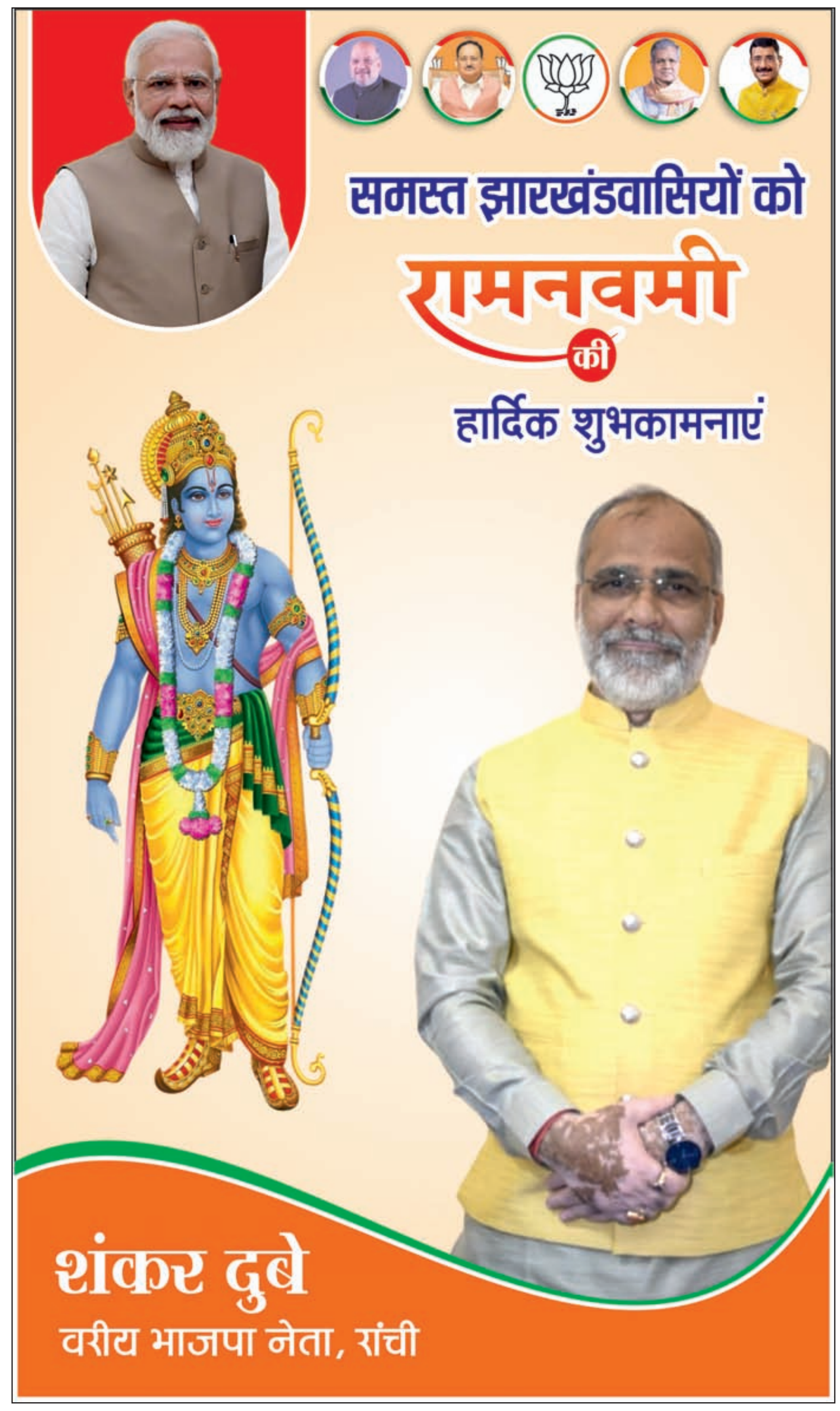

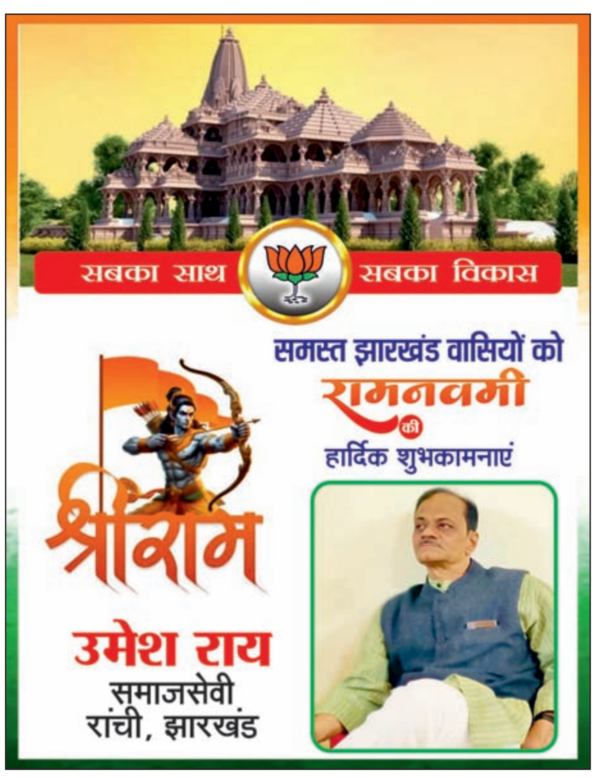

बायोम स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट में बिहार-झारखंड के विद्यार्थी हुए शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बायोम इंस्टीट्यूट की ओर से बायोम स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट का आयोजन संस्थान के न्यू नगड़ा टोली और हिनू स्थित सेंटर पर शनिवार को हुआ। टेस्ट में बिहार-झारखंड के 200 से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए। ऑफलाइन एडमिशन टेस्ट तीन स्लॉट में संचालित हुआ। प्रवेश परीक्षा सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक संचालित हुई। इसमें 10वीं और 12वीं में शामिल विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। वहीं, देर शाम बायोम इंस्टीट्यूट के वेबसाइट पर एडमिशन टेस्ट का रिजल्ट जारी कर दिया गया। सफल होने वाले विद्यार्थी बायोम इंस्टीट्यूट के फाउंडेशन और टार्गेट बैच में नामांकन ले सकेंगे।

बायोम इंस्टीट्यूट के निदेशक पंकज सिंह ने कहा कि बायोम स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट में बेहतर अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को उनके मेरिट के आधार पर ट्यूशन फीस में 10 से 100 फीसदी तक की छूट दी जायेगी। वहीं, आने वाले दिनों में बायोम स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट का आयोजन 12 और 13 अप्रैल को बायोम इंस्टीट्यूट के न्यू नगड़ा टोली और हिनू सेंटर पर आयोजित किया जायेगा। टेस्ट में शामिल होने के इच्छुक विद्यार्थी बायोम इंस्टीट्यूट के दोनों सेंटर से ऑफलाइन माध्यम से रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। इसके अलावा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन संस्थान की वेबसाइट से किया जा सकता है।

संस्थान के विद्यार्थियों को लगातार दूसरी बार नीट-यूजी में 700 से पार अंक

बायोम इंस्टीट्यूट बिहार-झारखंड में मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी में अग्रणी संस्थान के रूप में अपनी भूमिका अदा कर रहा है। संस्थान के विद्यार्थियों ने लगातार दूसरी बार मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी में 700 से अधिक अंक हासिल किया है। संस्थान से पासआउट हुए हजारों विद्यार्थी देशभर के विभिन्न मेडिकल कॉलेज में अपनी जगह बनाने में सफल रहे हैं। वहीं, कई पूर्व छात्र देश के प्रतिष्ठित अस्पतालों में बतौर डॉक्टर स्थापित हैं।

अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस पर वाइबीएन विश्वविद्यालय में प्रतियोगिता का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। वाइबीएन विश्वविद्यालय में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की खेल समिति द्वारा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों और छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पुरुष फैकल्टी के लिए आयोजित क्रिकेट मैच में धोनी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। वहीं महिला फैकल्टी के लिए 'रस्साकशी' प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें ग्रुप-सी ने विजेता का खिताब अपने नाम किया। इस कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उन छात्रों को प्रशस्ति पत्र और पदक देकर सम्मानित किया गया जिन्होंने जिला स्तरीय यूथ फेस्टिवल, टैलेंट हंट और गणतंत्र दिवस परेड, नयी दिल्ली में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। कार्यक्रम का सफल संचालन विश्वविद्यालय की खेल समिति द्वारा किया गया। समापन पर सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बताते हुए विद्यार्थियों को आगे भी ऐसे आयोजनों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

जतरा सह मिलन समारोह का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। टुनकी टोला कोकर में जतरा सह मिलन समारोह का आयोजन डीआइजी मैदान महिला एवं युवा समिति द्वारा किया गया। इस अवसर पर सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार, संतोष महतो, संजय तिर्की, डॉ रामकिशोर भगत, अमृत कुमार आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर अतिथियों को सम्मानित किया गया।

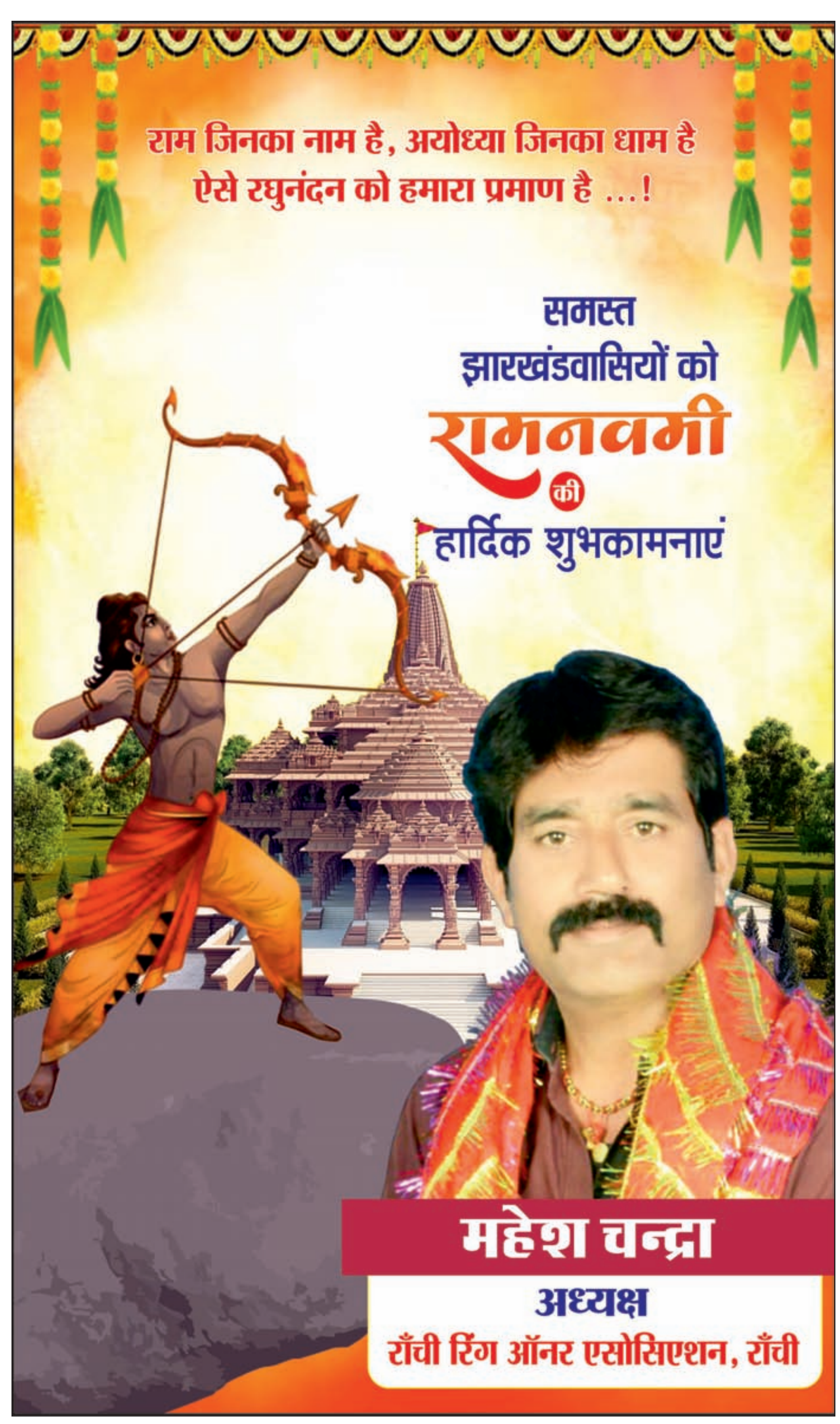

झारभूमि पोर्टल के भूमि सीमांकन मॉड्यूल को लेकर उपायुक्त ने सभी सीओ को दिये निर्देश

गढ़वा (आजाद सिपाही)। राजस्व, निबंधन और भूमि सुधार विभाग (भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय), झारखंड सरकार द्वारा जारी पत्र के आलोक में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त शेखर जमुआर ने गढ़वा जिले के सभी अंचल अधिकारियों, राजस्व पदाधिकारीयों और कर्मचारियों को झारभूमि पोर्टल अंतर्गत लैंड डिमारकेशन मॉड्यूल में एसएमएस व्यवस्था को क्रियान्वित करने हेतु निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से लोगों को अपने जमीन संबंधित कार्यों को करने में सहूलियत होगी। इसके माध्यम से जमीन संबंधित मामले पारदर्शी तरीके से होंगे, जिससे आमजनों का सरकार के प्रति विश्वास बढ़ेगा।

श्री राम सेना ने रामनवमी के मौके पर भजन संध्या का आयोजन किया

शहनाज ने लोगों को किया भाव-विभोर

विधायक अनंत प्रताप देव ने भजन गायिका शहनाई अख्तर को श्री बंशीधर जी की तस्वीर भेंट कर और नपं उपाध्यक्ष लता देवी ने चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया

आजाद सिपाही संवाददाता

बंशीधर नगर। श्री राम सेना की ओर से रामनवमी के मौके पर शहर के गोसाईबाग के मैदान में भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या का शुभारंभ गायक साजन के गणेश वंदना से की गयी। तत्पश्चात देश की मशहूर गायिका शहनाज अख्तर ने अपनी प्रस्तुति से वातावरण को भक्ति मय कर दिया। कार्यक्रम के शुभारंभ के पश्चात जैसे ही शहनाज अख्तर स्टेज पर आयी लोगों में जोश भर गया। इस दौरान शहनाज ने एक से बढ़कर एक गीत की प्रस्तुति दी। भजनों की प्रस्तुति से लोग झूम उठे।

शहनाज अख्तर ने इसके बाद सुपरहिट भजन 'छुम छुम छनानन बाजे मैया पांव पैजनियां', 'पंडा कराय रहो पूजा मैया जी के झूमझूम के', 'जो राम को लाये हैं हम उनको लाएंगे', 'ये भगवा रंग', माथे उनके बिंदिया सोहे, टिकली की बलिहारी राम जैसे कई प्रसिद्ध भजन गाकर लोगों को खूब झुमाया। शहनाज अख्तर के देर रात तक चले कार्यक्रम के दौरान लोगों की भीड़ जमी रही और लोग थिरकते रहे। इसके अलावे गायक साजन ने भी अपने भक्ति गीतों से लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया।

इसके पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव ने भजन गायिका शहनाई अख्तर को श्री बंशीधर जी की तस्वीर भेंट कर और नपं उपाध्यक्ष लता देवी ने चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया। सुरक्षा के थे पुख्ता इंतजाम देश की मशहूर भजन गायिका शहनाज अख्तर के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये थे। कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ को नियंत्रित करने के लिये एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह स्वयं मोर्चा संभाले हुये थे।

उनके साथ गढ़वा के प्रशिक्षु डीएसपी चिरंजीव मंडल, पुलिस इंस्पेक्टर रतन कुमार सिंह, थाना प्रभारी आदित्य नायक के अलावे अनुमंडल के सभी थानों के थाना प्रभारी समेत कई पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति कार्यक्रम स्थल पर की गई थी। पुरुष महिला जवानों को भी बड़ी संख्या में लगाया गया था। ताकि शांतिपूर्ण तरीके से कार्यक्रम संपन्न हो सके।

विधायक ने लगभग 4.5 करोड़ की लागत से बनने वाले पीसीसी पथ की रखी आधारशिला

आजाद सिपाही संवाददाता

केतार। प्रखंड क्षेत्र में विधायक अनंत प्रताप देव ने लगभग साढ़े चार करोड़ की लागत से चार पीसीसी पथ का आधारशिला रखा। पहला मुख्यमंत्री सड़क योजना के तहत पीसीसी पथ खोन्हर में खरौंधी मुख्य पथ से श्मशान तक डेढ़ करोड़ की लागत से विधायक अनंत प्रताप देव ने विधिवत पूजा अर्चना कर आधारशिला रखा। दूसरी पीसीसी पथ जिला अनाबद्ध निधि योजना से मुकुंदपुर कोल रोड से सुप्रसिद्ध श्री सूर्य नारायण मंदिर तक 33 लाख, बांसडीह खुर्द में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से मुख्य पथ से विद्यालय तक दो करोड़ अट्ठाइस लाख, बांसडीह कला में जिला अनाबद्ध निधि योजना से 27 लाख की लागत से बनने वाले पीसीसी पथ का आधारशिला रखा। सभा को संबोधित करते हुए अनंत प्रताप देव ने कहा कि मैं जो भी चुनावी वादा किया हूं उसे हर हाल में पूरा करूंगा। उन्होंने कहा कि भवनाथपुर में पावर प्लांट लगाना मेरा पहला प्राथमिकता है, ताकि ग्रामीण इलाकों से पलायन पर अंकुश लगाया जा सके।

कार्यक्रम का संचालन झामुमो के नव निर्वाचित संगठन सचिव संजय वर्मा ने किया। मौके पर मुख्य रूप से झामुमो जिला उपाध्यक्ष लल्लू राम, नवनिर्वाचित प्रखंड अध्यक्ष लालेश्वर राम, सचिव छोटन सिंह, मुखिया प्रतिनिधि कलेंद्र पासवान, सुरेश प्रसाद, दिव्यम शुक्ला,बिंदु राम, दीनदयाल प्रसाद गुप्ता, नागेंद्र ठाकुर, विवेक वर्मा, विवेक गुप्ता, मेराजुद्दीन अंसारी, योगेंद्र कुमार सिंह, रामेश्वर प्रसाद सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बाबू दिनेश सिंह विवि में एंटी रैगिंग कार्यक्रम का आयोजन

गढ़वा (आजाद सिपाही)। बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय में शुक्रवार को एंटी रैगिंग फार्मेसी संकाय में मनाया गया। एंटी रैगिंग के विषय में सभी छात्र और छात्रओं को विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान किया गया और छात्रों के द्वारा बी.फार्म फर्स्ट ईयर तथा सेकंड ईयर के छात्रों ने कालेज एवं ऑफिस में किस तरह से नए सहकर्मियों को कैसे परेशान किया जाता है। फार्मेसी संकाय के प्रचार्य डॉक्टर प्रो मनीष दुबे और बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के कुलपती प्रो एमके सिंह के द्वारा आने वाले भविष्य में ऐसे कार्यक्रम करते रहने के लिए प्रेरित किया और शुभकामनाएं दिये। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में राहुल कुमार, रोहित कुमार गुप्ता, शशि भूषण और प्रमुख कार्यक्रता श्री राकेश सिंह के नेतृत्व में हुआ।

झामुमो के डंडई प्रखंड अध्यक्ष बने तेज बहादुर सिंह

तेज बहादुर सिंह का फाइल फोटो

डंडई (आजाद सिपाही)। शनिवार को झामुमो पार्टी का नया कमेटी गठन किया गया। नवगठित कमेटी में तेज बहादुर सिंह को प्रखंड अध्यक्ष, मनीरूद्दीन अंसारी को उपाध्यक्ष, अनिल राम को सचिव, कन्हाई यादव को उपाध्यक्ष और चंद्रशेखर प्रसाद को संगठन सचिव बनाया गया है। जिला अध्यक्ष तनवीर आलम के प्रेषित पत्र के आलोक में झामुमो महासचिव विनोद कुमार पांडेय की ओर से शनिवार को उसका अनुमोदन किया गया। नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्ष तेज बहादुर सिंह ने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाया जायेगा।

देवकी महावीर होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय ने स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया

गढ़वा (आजाद सिपाही)। देवकी महावीर होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय और रिसर्च अस्पताल फराठिया गढ़वा ने ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर और दवा वितरण का आयोजन किया गया। इस शिविर में कॉलेज के एसोसिएट प्रो डॉ अजय सिंह और असिस्टेंट प्रो डॉ बृजेश यादव, इंटर्न श्रेया, लक्ष्मी, योगीनंद, बृजेश निराला ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में 80 से अधिक लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं एवं दवा प्रदान की गयीं।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

सगमा (आजाद सिपाही)। दुर्घटनाग्रस्त युवक की ईलाज के दौरान रांची में हुई मौत परिजनों में मचा कोहराम। मिली जानकारी के अनुसार धुरकी थाना क्षेत्र पुतुर गांव निवासी राजन कुमार पिता संजय राम बीते एकिस मार्च बंशीधर नगर से मैट्रिक की प्रेक्टिकल परीक्षा देकर अपनी बाइक से घर लौट रहा था। उसी समय विपरीत दिशा से आ रही दूसरे बाइक से टकरा गया, जिस कारण राजन कुमार बुरी तरह से घायल हो गया। गंभीरता को देखते हुए गढ़वा के बाद रांची रेफर किया गया, मगर चौदह दिन के बाद जीवन से संघर्ष कर रहे राजन कुमार की मौत रांची में हो गया। सूचना पर धुरकी थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार, ऐसआई शैलेंद्र कुमार, बीकू कुमार रजक, सुभाष कुमार अपने दल बाल के साथ मृतक के घर पहुंचकर सांत्वना देते हुए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

सामाजिक परिवर्तन का केंद्र है गायत्री शक्तिपीठ कल्याणपुर : राकेश पाल

गढ़वा (आजाद सिपाही)। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार से संबद्ध जिलास्तरीय गायत्री शक्तिपीठ कल्याणपुर के मुख्य भवन की ढलाई की गयी। मुख्य यजमान के रूप में शामिल होकर पूजन के पश्चात समाजसेवी राकेश पाल ने कहा कि गायत्री परिवार सच्चे रूप में आध्यात्मिक कार्य कर रहा है। गायत्री शक्तिपीठ कल्याणपुर सामाजिक और आध्यात्मिक परिवर्तन का केंद्र है।

शौकत खान द ग्लोबल अवार्ड से सम्मानित

फिल्म अभिनेत्री भूमिका चावला के हाथों रांची के रेडिशन ब्लू में हुए सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। समाज सेवी शौकत खान को रांची के होटल रेडिएशन ब्लू के सभागार में हिन्दी फिल्म कि मशहूर स्टार अभिनेत्री भुमिका चावला ने द ग्लोबल बिजनेस अवार्ड 2025 से शौकत खान को सम्मानित किया। उन्हें मोमेंटो देते हुए उनकी निस्वार्थ सेवा कार्यों कि प्रशंसा की। अभिनेत्री भूमिका चावला कि सुपर हिट फिल्म रही जिसमें तेरे नाम, रन, ब्रदर, सिटीमार, दिल ने जिसे अपना कहा, सिलसिले, दिल जो भी कहे, और झारखंड के धोनी पर बनी फिल्म एमएस धोनी द अनटोल्ड स्टोरी से झारखंड कि चहेती बनी भुमिका चावल कि बहुत सारी सुपरहिट फिल्में शामिल हैं। वहीं मंच से इस कार्यक्रम के आयोजकों ने शौकत खान के द्वारा हर घर तिरंगा कि कैसे शुभारंभ किया गया इसके साथ ही गरीबों के लिए लगातार कैसे निःशुल्क कपड़ा बैंक, चावल बैंक, सत्तू बैंक, पुस्तक बैंक चलाकर दस लाख से अधिक गरीबों कि मदद कर झारखंड के आइकॉन और देशभर के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुके शौकत खान कि जीवनी को विस्तार से मुख्य अतिथि भूमिका चावला समेत ढ़ेर सारे अतिथि को बताया। और बड़े पर्दे पर भी दिखाया।

बीडीओ और प्रमुख ने की दुकान की जांच, कहा

लाभुकों के साथ समन्वय बनाकर समय से राशन का वितरण करें डीलर

आजाद सिपाही संवाददाता

बीडीओ ने सभी लाभुकों से 10 अप्रैल तक राशन उठाने की अपील की

रमना। बीडीओ विकास पांडेय ने 10 अप्रैल तक सभी लाभुकों को राशन उठाव करने की अपील की है। शनिवार को अपने कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बीडीओ विकास पांडेय ने कहा कि बगौंधा व मूर्ति टोला के लाभुकों के आवेदन के आलोक में प्रमुख करुणा सोनी के साथ डीलर रामस्वरूप राम दुकान का जांच किया गया। जिसमें 32 बोरी गेहूं और 47 बोरी चावल दुकान में पाया गया। जिसे अविलंब 10 अप्रैल तक सभी लाभुकों को राशन वितरण करने का निर्देश दिया गया है। प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी देते हुए कहा कि दुकानदार द्वारा लाभुकों को अशब्द भाषा का प्रयोग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं होगी। कहा कि डीलर दुकानदार को अपने ग्राहकों से समन्वय बनाकर समय से राशन वितरण करने की जरूरत है। फिर भी अगर कोई लाभुक संबंधित दुकान से राशन नहीं लेना पसंद नहीं है तो अपना ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया कर सकते है। बीडीओ ने बताया कि ग्रामीणों के आरोपों के आलोक में 24 घंटे में डीलर रामस्वरूप राम से स्पष्टीकरण की मांग की गयी है। अगर संतोषजनक जवाब नहीं पाया गया तो डीलर के विरुद्ध विभागीय करवाई की जायेगी। मालूम हो कि बगौंधा व मूर्ति टोला के सैकड़ों लाभुकों ने 29 मार्च को अंगूठा लगाकर राशन नहीं देने, डीलर दुकान बदलने का मांग करते हुए एक दिन पूर्व प्रखंड कार्यालय पहुंचकर आक्रोश जताया था।

मां शायर देवी धाम महोत्सव : बह रही है भक्ति और ज्ञान की धारा

मेराल (आजाद सिपाही)। प्रसिद्ध मां शायर देवी धाम का चल रहा पांचवा वार्षिक महोत्सव में भक्ति और ज्ञान की धारा बह रही है, जहां सैकड़ों लोग प्रसिद्ध मंदिर में पूजा अर्चना तथा चल रहे श्री रामचरितमानस नवाह्न परायण महायज्ञ में परिक्रमा कर धर्म लाभ प्राप्त कर रहे हैं। महोत्सव के छठे दिन शुक्रवार की रात्रि में जय बजरंग ड्रामा पार्टी पूवार्रा टोला के अनुभवी कलाकारों द्वारा भक्ति का फल उर्फ भाई-भाई का प्यार नमक नाट्य प्रस्तुत कर दर्शकों को भाव विह्वल कर दिया। दिखाया गया कि चित्रसेन एक प्रसिद्ध राजा थे, उनकी कुशलता और न्यायप्रिय शासन के लिए उन्हें जाना जाता था। वे अपनी पत्नी से भी बहुत प्यार करते थे इसलिए एक आदर्श पति भी थे। परंतु शादी के 20 वर्ष बीत जाने के बाद भी उन्हें कोई संतान नहीं हुई। बाद में ऋषिगण को बुलाकर पुत्रेष्टि यज्ञ करने पर उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई।

साईं एकेडमी में टैलेंट हंट सपोर्ट परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

मंझिआंव (आजाद सिपाही)। नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत पोस्ट ऑफिस के सामने मेन रोड मंझिआंव स्थित साईं एकेडमी द्वारा आयोजित टैलेंट हंट परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिसमें प्रथम स्थान बिपिन कुमार सिंह की पुत्री परिधि कुमारी (85%), द्वितीय स्थान अमित साह की पुत्री प्रिया कुमारी (80%), तथा तृतीय स्थान विजय कुमार चंद्रवंशी के पुत्र अंशु कुमार (75%) के साथ सफलता हासिल किये जिन्हे संस्थान की तरफ से आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए मुफ्त शिक्षा देने की घोषणा की गई है। साथ टॉप 15 एवं टॉप 20 छात्रों को भी प्रमाण पत्र, पुरस्कार और मैडल देकर सम्मानित किया गया।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय बेलपहाड़ी के दोषी शिक्षक धीरेंद्र को उपायुक्त ने किया कार्यमुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

शिक्षक बबन सिंह को किया गया निलंबित और शिक्षक एखलाख अंसारी पर विभागीय कार्रवाई शुरू

गढ़वा। भवनाथपुर प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय बेलपहाड़ी में कार्यरत शिक्षक बबन सिंह और धीरेंद्र पाल पर इसी विद्यालय के कक्षा दो के छात्र से छुट्टी के बाद 2:30 बजे सिर व पैर दबवाने का मामला बीते दिनों आजाद सिपाही सहित कई अखबारों में प्रकाशित की गयी थी। मामला उपायुक्त के संज्ञान में आने के बाद उपायुक्त द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी, भवनाथपुर से इसकी विधिवत जांच करायी गयी। जांच के समय आरोपी शिक्षक धीरेंद्र पाल आकस्मिक अवकाश पर जबकि बबन सिंह अनुपस्थित पाये गये। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक एखलाख अंसारी सहित अन्य शिक्षक और विद्यालय के बच्चों से पूछताछ, जांचोपरांत प्रतिवेदित किया गया है कि दोनों शिक्षक प्रायः शराब का सेवन कर विद्यालय आते हैं। इनलोगों के द्वारा पठन-पाठन कार्य में रूचि नहीं लिया जाता है। पढ़ाई के समय कुछ बच्चे विद्यालय से बाहर निकलकर घूमते रहते हैं, इनके प्रभारी प्रधानाध्यापक एखलाख अंसारी के द्वारा विद्यालय संचालन में कोई रूचि नहीं ली जाती है और न ही इनके द्वारा कक्षा में जाकर बच्चों से कुछ पूछताछ किया जाता है। इस प्रकार की घटना में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक एखलाख अंसारी की भी संलिप्तता पायी गयी। प्रखंड विकास पदाधिकारी, भवनाथपुर से प्राप्त जांच प्रतिवेदन के बाद उपायुक्त ने जिला शिक्षा अधीक्षक अनुराग मिंज को सभी दोषी शिक्षकों से कारण पृच्छा करने का निर्देश दिया। जिसके आलोक में जिला शिक्षा अधीक्षक, गढ़वा द्वारा राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बेलपहाड़ी के सहायक अध्यापक धीरेंद्र पाल, सहायक शिक्षक बबन सिंह और प्रभारी प्रधानाध्यापक एखलाख अंसारी से 26 मार्च को कारण पृच्छा कर दिनांक 29 मार्च तक जबाब देने को कहा गया। उनलोगों के द्वारा आज तक जवाब अप्राप्त है। उपायुक्त श्री जमुआर द्वारा तीनों दोषी शिक्षकों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए सहायक अध्यापक धीरेंद्र पाल को कार्यमुक्त कर दी गयी।

रामनवमी को लेकर प्रशासन ने निकाला फ्लैग मार्च

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर शनिवार को भवनाथपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने फ्लैग मार्च किया। यह फ्लैग मार्च श्रीबंशीधर नगर के एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह के नेतृत्व में किया गया, जिसमें स्थानीय थाना पुलिस के इंस्पेक्टर गुलाब सिंह, थाना प्रभारी रजनी रंजन, केतार थाना प्रभारी अरुण रवानी, खरौंधी थाना प्रभारी रवि केसरी, हरिहरपुर ओपी प्रभारी शफीउल्लाह अंसारी के साथ साथ पुलिस बल के जवान भी शामिल थे। फ्लैग मार्च भवनाथपुर बाजार, मुख्य चौक-चौराहों और संवेदनशील अरसली उतरी दक्षिणी, सिंदुरिया, कैलान होते हरिहरपुर इलाकों से होकर गुजरा। इसका उद्देश्य आम नागरिकों में सुरक्षा का भाव पैदा करना और उपद्रवियों को सख्त संदेश देना था। एसडीपीओ एसएन सिंह ने कहा कि रामनवमी पर्व पर शांति व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वालों या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जायेगी। प्रशासन ने सोशल मीडिया पर भी नजर बनाए रखने की बात कही है, ताकि किसी भी तरह की भ्रामक खबरों को फैलने से रोका जा सके।

उपद्रवियों को बख्शा नहीं जायेगा : इंस्पेक्टर

मेराल । प्रशासन द्वारा रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए शनिवार को थाना मुख्यालय सहित अन्य कई क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला गया। पुलिस निरीक्षक जितेंद्र कुमार आजाद, थाना प्रभारी बिष्णुकांत के नेतृत्व एवं सीओ यशवंत नायक, बीडीओ सतीश भगत की उपस्थिति में निकल गयी फ्लैग मार्च में कोई पुलिस पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में सशस्त्र बल के महिला पुरुष जवान शामिल रहे। इंस्पेक्टर श्री आजाद ने कहा कि पुलिस प्रशासन हमेशा चौकस है। उन्होंने कहा कि उपद्रवियों को बक्सा नहीं जायेगा। लोगों से आपसी प्रेम भाईचारा एवं शांति से रामनवमी पर्व को मनाने की अपील किया। फ्लैग मार्च में पुलिस अवर निरीक्षक रवि कुमार, दीपक पासवान, एएसआई प्रेम प्रकाश पांडेय, अरविंद कुमार आदि शामिल थे।

खुशखबरी ! खुशखबरी ! खुशखबरी !
हुसैनाबाद- हरिहरगंज विधानसभा क्षेत्र में खुल गया पहला नर्सिंग कॉलेज
डॉ. बिनोद इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साईंस
(महाबीर स्वास्थ्य संस्थान Reg No.- 7182/20 के अंतर्गत संचालित)
Mob: 9934967763 Web:mahabirswasthayasansthan.in
झारखंड के स्थानीय निवासियों के लिए सुनहरा अवसर
B.Sc. Nursing, GNM, ANM

COMING SOON - MEDICAL COLLEGE
60 प्रतिशत का अनुदान
प्रमुख विशेषताएं
■ अनुभवी एवं योग्य शिक्षकों की टीम
■ अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त प्रयोगशाला
■ प्रख्यात सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर द्वारा गेस्ट लेक्चर
■ प्रसिद्ध अस्पतालों में इंटर्नशिप एवं प्लेसमेंट
प्रतिभाशाली एवं मेहनती छात्रों को सुनिश्चित रोजगार
पता-कौआखोह, पिरोजी, पो.-हल्का, थाना-हरिहरगंज, (पलामू)

राज्य सरकार आंगनबाड़ी सेविकाओं के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है : शिल्पी नेहा

260 आंगनबाड़ी सेविकाओं के बीच स्मार्ट फोन का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। कृषि, पशुपालन और सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की झारखंड सरकार द्वारा राज्य के आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यरत सेविकाओं के बीच स्मार्ट फोन का वितरण कार्यक्रम के क्रम में शनिवार को बेड़ो प्रखंड कार्यालय परिसर में बेड़ो और इटकी प्रखंड के 260 आंगनबाड़ी सेविकाओं के बीच स्मार्ट फोन का वितरण किया। अपने हाथ पर स्मार्ट फोन पा कर सेविकाओं के चेहरे पर खुशी साफ-साफ झलक रही थी। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मौके पर कहा कि स्मार्ट फोन की मांग बहुत पुरानी थी। आज ये मांग भी सरकार ने पूरी कर दी है। आंगनबाड़ी की सेविकाओं के संघर्ष को सरकार समझती है, लेकिन केंद्र सरकार अपने हिस्से का पैसा नहीं दे कर आपकी तकलीफ को बढ़ाने का काम करती है। राज्य में हेमंत सोरेन की अगुवाइ वाली गठबंधन सरकार का सहयोग हमेशा से आंगनबाड़ी सेविकाओं को रहा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने कहा कि स्मार्ट फोन की मदद से आंगनबाड़ी से जुड़े कार्य में तेजी आयेगी। सेविकाओं को अब पहले की तरह सरकारी प्रक्रियाओं को पूर्ण करने के लिए परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। वहीं मौके पर सभागार में अंचलाधिकारी प्रताप मिंज, सीडीपीओ संगीता कुजूर , जिला परिषद सदस्य बेरोनिका उरांव व उप प्रमुख मुद्दस्सीर हक आदि मौजूद थे।

चहारदीवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास सुरेश बैठा ने किया

पिठोरिया (आजाद सिपाही)। कांके प्रखंड के चुटू पंचायत के अंतर्गत रेंडो पतरातू स्थित महाराजा मंदरा मुंडा के धमकुड़िया भवन परिसर में विधायक मद से चहारदीवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास कांके विधायक सुरेश बैठा के द्वारा किया। गौरतलब है कि 14 फरवरी को महाराजा मंदरा मुंडा की प्रतिमा के स्थापना दिवस के अवसर पर विधायक सुरेश बैठा के द्वारा घोषणा की गयी थी कि जल्द ही इस परिसर का चहारदीवारी अपने विधायक मद से करेंगे। मौके पर कांके प्रखंड के प्रमुख सोमनाथ मुंडा जी, पंचायत की मुखिया लक्ष्मी देवी, विधायक प्रतिनिधि संजय मुंडा और देवचंद मुंडा के साथ सम्मानित जनता उपस्थित रहे।

सिंबोसिस पब्लिक स्कूल में रामनवमी पर्व को लेकर रंग उत्सव प्रतियोगिता

बूंडू (आजाद सिपाही)। सिंबोसिस पब्लिक स्कूल बुंडू परिसर में शनिवार को रामनवमी पर्व को लेकर अंनूठे रंग उत्सव प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भारतीय संस्कृति में अपने अनूठे रंग का समावेश ही छात्रों का सर्वोच्च विकास और निर्माण पर परिचर्चा की गयी। इस अनूठे रंग उत्सव कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं नैतिक स्वरूप में डालने का एक सुंदर प्रयास को लेकर हनुमान चालीसा प्रतियोगिता और छोटे बच्चों में रामायण कथा को नाटक के माध्यम से रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन आभा मिश्रा और टिपांविता भट्टाचार्य ने किया। मौके पर मुख्य रूप से स्कूल के निदेशक अली अल अराफात प्राचार्य तराना बेगम और शिक्षक मौजूद थे।

म्युनिसिपल प्ले स्कूल में बच्चों को प्रोग्रेस रिपोर्ट वितरित

बुंडू (आजाद सिपाही)। बुंडू नगर पंचायत द्वारा संचालित म्युनिसिपल प्ले स्कूल के वार्षिक सत्र 2024-25 के अंतर्गत बच्चों को प्रोग्रेस रिपोर्ट वितरित किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत बुंडू के प्रशासक शुभम पोद्दार ने बच्चों और उनके अभिभावकों को प्रोग्रेस रिपोर्ट सौंपी और अभिभावकों से फीडबैक भी लिया। सभी अभिभावकों ने विद्यालय की निःशुल्क शिक्षा और शिक्षण सामग्री की उपलब्धता की सराहना की। ज्ञात हो कि एक वर्ष पूर्व, म्युनिसिपल प्ले स्कूल की स्थापना गरीब परिवारों के बच्चों को 'शिक्षा का अधिकार' अधिनियम के तहत निःशुल्क प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गयी थी। इस अवसर पर, नये सत्र में प्रवेश लेने वाले बच्चों के लिए एक गैर-सरकारी संगठनके द्वारा बैग, कॉपी, किताबें, पेन और पेंसिल का भी दिया गया, जिससे बच्चों को आवश्यक शिक्षण सामग्री प्राप्त हुई।

भारतीय स्टेट बैंक ने सुरक्षा बीमा के तहत दो लाभार्थियों को दिया लाभ

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। भारतीय स्टेट बैंक ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत दो लाभार्थियों को 200,000 का सुरक्षा बीमा लाभ प्रदान किया। गोविंद कर्मकार को भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दो लाख का बीमा राशि दी गयी। यह लाभ गोविंद कर्मकार को उनकी पत्नी सोमवारी देवी के निधन के बाद मिला। अग्नि देवी के पुत्र कृष्णा स्वासी के निधन के बाद उन्हें यह राशि चेक के रूप में दी गयी।

वासंती दुर्गा मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। सरायकेला-खरसावां जिला के ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के ईचागढ और सोड़ो में वासंती दुर्गा मंदिर में शनिवार को महाष्टमी का पूजा विधि विधान से किया गया। महाष्टमी व्रत को लेकर सोड़ो सार्वजनिक वासंती दुर्गा मंदिर में व्रतियों का काफी भीड़ भाड़ रहा। पंडित घनेश्याम ओझा ने मंत्रोच्चार कर व्रतियों का पूजा कराया। पूजारी घनेश्याम ओझा ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी धुमधाम से माता रानी का महा सप्तमी एवं महा अष्टमी का पूजा विधि विधान से किया गया। मौके पर मुखिया नयन सिंह मुंडा, इंद्रजीत प्रामाणिक, जगन्नाथ साहू आदि उपस्थित थे।

डोडा तस्करी का फरार आरोपित पंडरा से गिरफ्तार

खूंटी (आजाद सिपाही)। सायको के थाना प्रभारी प्रभात रंजन पांडेय के नेतृत्व में पुलिस ने शुक्रवार की रात लगभग 11.00 बजे रांची के पंडरा थाना क्षेत्र में छापामारी कर डोडा के अवैध व्यापार के आरोपित किशन साव को गिरफ्तार कर लिया। वह हजारीबाग जिले के बरही थाना क्षेत्र के धनवार गांव का रहने वाला है और पिछले दो वर्षों से फरार था। पुलिस द्वारा शनिवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि 21 जुलाई 2023 को सायको थाना क्षेत्र में अफीम डोडा का अवैध परिवहन करते पिकअप वाहन जेएच 01बीबी 5325 और जेएच 02एसी 4058 को पकड़ा गया था। छापामारी दल में अनुसंधानकर्ता पुलिस अवर निरीक्षक प्रभात रंजन पांडेय, सहायक अवर निरीक्षक राजेंद्र महतो, सहायक अवर निरीक्षक रौशन बाड़ा और रिजर्व गार्ड के जवान शामिल थे।

सरहुल में डीजे बजाने को लेकर विवाद में पूर्व मुखिया की हत्या

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। सरहुल पर्व के दौरान डीजे बजाने को लेकर उपजे विवाद में पूर्व मुखिया रीड़ा भेंगराज उम्र 75 वर्ष की हत्या कर दी गयी। पुलिस ने हत्या के आरोप में मारे गये पूर्व मुखिया के साले बुधराम पाहन और डड़गामा गांव के एतवा मुंडा को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार खूंटी थाना क्षेत्र के डड़गामा गांप में शुक्रवार की रात को सरहुल मनाया जा रहा था। डीजे की धुन पर गांव के लोग नाच-गा रहे थे। रात लगभग 8.30 बजे गांव के पूर्व मुखिया रीड़ा भेंगराज वहां पहुंचे और

फाइल फोटो : रीड़ भेगराज

लोगों से कहा कि सरहुल आदिवासी समुदाय का पारंपरिक त्योहार है। ऐसे में डीजे की बजाय पारंपरिक वाद्ययंत्र मांदर-नगाड़ा बजना चाहिए। इस बात को लेकर उनकी अपने साले बुधवा पाहन और गांव के ही एतवा मुंडा से बहस हो गयी। बहस के दौरान एतवा और उसके साले बुधराम पाहन ने रीड़ा भेंगराज को धक्का दे दिया, जिससे वे पीसीसी सड़क पर गिर पड़े। इसके बाद दोनों ने मिलकर उनकी बेरहमी से पिटाई कर दी। इस मामले में मृतक के परिजनों ने गांव के एतवा मुंडा और उसके साले बुधराम पाहन कें खिलाफ नामदर्ज प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शनिवार को दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर स्वजनों को सौंप दिया।

रामनवमी को लेकर पुलिस प्रशासन ने किया फ्लैग मार्च

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। रामनवमी को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर शनिवार को पुलिस प्रशासन की ओर से गोंदलीपोखर एवं अनगड़ा में फ्लैग मार्च निकाला गया। अनगड़ा थानेदार हीरालाल शाह के नेतृत्व में फ्लैग मार्च थाना परिसर से निकलकर अनगड़ा चौक तक किया।

सड़क हादसे में दंपति समेत पांच घायल सभी रिम्स रेफर

बेड़ो (आजाद सिपाही)। रांची गुमला मुख्य मार्ग पर बेड़ो थाना क्षेत्र के कादोजोरा मोड़ के समीप शनिवार की शाम लगभग पौने छह बजे दो बाइकों की टक्कर में दंपति सहित पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों में दंपति गुमला सिसई पिलखी ढांड़ टोली गांव निवासी 21 वर्षीय रविंद्र लोहरा पत्नी 18 वर्षीया चांदनी कुमारी और बुंडू थाना क्षेत्र के आराडीह गांव निवासी 36 वर्षीय बिहारी लाल मुंडा,38 वर्षीय विवेक अहीर और 28 वर्षीय गणेश स्वांसी शामिल हैं। जिन्हें मीला कुजुर और शंकर उरांव तंजीर हुसैन और पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो पहुंचाया गया। जहां डा मेघा भगत ने पांचों घायलों का प्राथमिक उपचार कर उन्हें बेहतर उपचार के लिए रिम्स रेफर कर दिया।इधर घायल रविंद्र लोहरा ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ रांची से अपने घर सिसई जा रहे थे। वहीं बिहारी लाल मुंडा ने बताया कि विवेक व गणेश के साथ हमलोग भरनो से अपने घर बुंडू जा रहे थे। हमलोग राजमिस्त्री का काम करते हैं।

एयरफ्ली एविएशन एकेडमी में 21 छात्रों का बेंगलुरु एयरपोर्ट के लिए हुआ चयन

रांची (आजाद सिपाही)। रांची के हरमू स्थित एयरफ्ली एविएशन एकेडमी में शनिवार को आठवीं और दसवीं पास छात्रों के लिए इंटरव्यू का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बैंगलुरु एयरपोर्ट के लिए 40 छात्रों ने इंटरव्यू में भाग लिया, जिनमें से 21 छात्रों का चयन किया गया और चयनित छात्रों को जॉइनिंग लेटर भी प्रदान किया गया। चयनित सभी छात्र अब बैंगलुरु एयरपोर्ट पर हेल्पर के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। एयरफ्ली एविएशन एकेडमी कम पढ़े-लिखे युवाओं को भी बेहतर करियर का अवसर प्रदान कर रही है। यहां छात्रों को ग्रेजुएशन की पढ़ाई के साथ-साथ एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स की सुविधा भी दी जाती है। एयरफ्ली एविएशन के इस प्रयास से युवाओं में रोजगार को लेकर नई उम्मीदें जगी है और यह रांची समेत पूरे झारखंड के युवाओं के लिए प्रेरणा बन रहा है।

डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में आनंद लोक का हुआ उद्घाटन

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में शनिवार को विभिन्न गतिविधियां कराने के लिए आनंद लोक का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मे अर्पिता महिला की अध्यक्षा सह पिपरवार जीएम की पत्नी डॉ. पूनम सिंह मौजुद थी। स्कुल की प्राचार्या डॉ रेशु चौधरी ने फूलों का गुलदस्ता देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। जिसके बाद मुख्य अतिथि डॉक्टर पूनम सिंह ने फीता काटकर आनंद लोक का उद्घाटन किया। विद्यालय की प्राचार्या डॉ रेशु चौधरी ने कहा कि इसमें कक्षा दो तक के बच्चों के खेलकूद के सामान, टीवी एवं अन्य उपकरण है जो बच्चों के मनोरंजन के हिसाब से रखा गया है। वहीं मुख्य अतिथि डॉ पूनम सिंह ने कहा कि मनोरंजन बच्चों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अनिता कमल बोर्डिंग स्कूल का हुआ उद्घाटन

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के तुको गांव में शनिवार को अनिता कमल बोर्डिंग स्कूल का उद्घाटन पूर्व विधायक गंगोत्री कुजुर और भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मौके पर पूर्व विधायक ने कहा कि शिक्षा से ही समाज में बदलाव आयेगा और समाज एवं देश की तरक्की होगी। उन्होंने विद्यालय संचालक से ईमानदारी के साथ बच्चों को बेहतर शिक्षा दें जिससे बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो सके। सन्नी टोप्पो ने कहा कि गांव स्तर पर बोर्डिंग सीबीएसइ स्कूल का संचालन सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा गांव के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अब बाहर नहीं जाना पड़ेगा। वहीं स्कूल में बेहतर शिक्षा देकर बच्चों को आगे बढ़ाने का काम किया जायेगा। उन्होंने अभिभावकों से नौनिहालों का भविष्य संवारने के लिए अनिता कमल बोर्डिंग स्कूल में नामांकन करायें, और बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनायें। मौके पर नेहा सिंह, बलराम सिंह, राजेश कुमार, आदेश कुमार, धर्मवीर साहू,कमलाकांत सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

देवड़ी मंदिर पहुंचे राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

तमाड़ (आजाद सिपाही)। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने तमाड़ स्थित मां देवड़ी मंदिर पहुंचकर मां दुर्गा का पुजा अर्चना किया। के रवि कुमार ने श्रद्धालुओं के साथ पंक्ति में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार किया और विधिवत पूजा अर्चना की। उन्होंने माता रानी से पूरे राज्य में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के साथ इस अवसर पर बुंडू अनुमंडल पदाधिकारी किस्टो कुमार बेसरा, डीएसपी ओम प्रकाश, थाना प्रभारी रौशन कुमार, बीडीओ और सीओ सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पंचायत, डोमचाँच (कोडरमा)

अति अल्पकालीन

द्वितीय डाक बन्दोबस्ती आमंत्रण सूचना–14/2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत, डोमचाँच के अन्तर्गत वित्तीय एक वर्ष के लिए (दिनांक–01.04.2025 से 31.03.2026 तक के लिए) निम्न सैरातों की बन्दोबस्ती ई–प्रोक्यूरमेंट कमिटि के अध्यक्ष की अध्यक्षता में 12:00 बजे पूर्वाह्न नगर पंचायत, डोमचाँच कार्यालय कक्ष में होगी। इच्छुक डाकधारी निर्धारित शर्त एवं समय के अनुसार दिनांक–19.04.2025 को अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में खुलीडाक से बोली लगाने हेतु निर्धारित किया जाता है।

क्र0सं0	बन्दोबस्ती का नाम	सुरक्षित 2025 के लिए	जमानत की राशि 10 प्रतिशत	समय
1	सांस्कृतिक भवन डोमचाँच	270000.00	27000.00	दिनांक–19.04.2025 को 12:00 बजे पूर्वाह्न से

बन्दोबस्ती की शर्त एवं विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस को नगर पंचायत, डोमचाँच को सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

प्रशासक
नगर पंचायत, डोमचाँच।

PR 349785 (Urban Development) 25-26 (D)

जिला अभियंता का कार्यालय
जिला परिषद, रामगढ़

अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं० :– *RE-01, ZP/RAMGARH/16/2024-25*

कार्य की विस्तृत विवरणी :–

मद–*DMFT*

क्र.	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मुल्य (रु०)	कार्य पुर्ण करने की अवधि
1	रामगढ़	वार्ड संख्या–8 ग्राम सेवटा में एक सामुदायिक भवन का निर्माण।	9993900	200000	10000	12 (बारह माह)

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि– दिनांक– 08.04.2025
2. ई–निविदा डालने/प्राप्ति की तिथि एवं समय– दिनांक 09.04.2025 से दिनांक 15.04.2025 अपराह्न 4:00 बजे तक।
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समय– दिनांक – 16.04.2025 को अपराह्न 4:00 बजे।
4. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता– जिला अभियंता, जिला परिशद, रामगढ़।
5. ई–निविदा प्रकोष्ट का दुरभाष नं०– 9801557645
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल *Online mode* द्वारा स्वीकार्य होगी।
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई– भुगतान संवेदक द्वारा जिस बैंक खाता से किया जायेगा, उसी खाते मे अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर बैंक खाता को बंद कर दिया जाता है। तो उसकी सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
8. निविदा Double Bid पद्धति से होगा।
9. इस निविदा में जिला परिशद, रामगढ़ के अंतर्गत पंजीकृत समुचित श्रेणी के संवेदक भाग ले सकेंगे।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट *Jharkhandtenders.gov.in* एवं कार्यालय के सूचनापट्ट पर देखा जा सकता है।

ह०/–
जिला अभियंता,
जिला परिषद, रामगढ़

PR 349795 (District)25-26*D

कार्यालय, जिला परिषद्, कोडरमा

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या –01/2025–26

वित्तीय वर्ष 2024–25 में पंचायती राज विभाग को भेजी गई अधियाचना के आलोक में प्राप्त आवंटन के तहत् स्वीकृत क्रमांक 7 में वर्णित कार्य के लिए झारखण्ड सरकार के समुचित श्रेणी में निविदा की शर्त–1 के अनुसार निबंधित संवेदकों से F_2 प्रपत्र पर मुहर बंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. विज्ञापनदाता का नाम :– जिला अभियंता, जिला परिषद्, कोडरमा।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि (कार्यालय कार्य दिवस एवं समयावधि तक) :– दिनांक–12.04.2025
3. निविदा प्राप्त करने की तिथि :– दिनांक–15.04.2025 (अपराह्न 3:00 बजे तक)
4. निविदा खुलने की तिथि :– दिनांक–15.04.2025 (अपराह्न 04:00 बजे)
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– जिला परिषद् कार्यालय, जि0ग्रा0वि0शा0 भवन, कोडरमा।
6. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– जि0ग्रा0वि0शा0 सभागार, कोडरमा।
7. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

ग्रुप संख्या	प्रखण्ड का नाम	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
01	जयनगर	तमाय पंचायत भवन का मरम्मति कार्य	556900.00	11500.00	1250.00	3 माह
02	जयनगर	करियांवा पंचायत भवन का चाहरदीवारी निर्माण कार्य	1281100.00	26000.00	2500.00	3 माह
03	जयनगर	ककरचोली पंचायत भवन मरम्मति एवं चाहरदीवारी निर्माण कार्य	2202100.00	44500.00	5000.00	3 माह
04	जयनगर	तेतरौन पंचायत भवन का चाहरदीवारी निर्माण कार्य	1404700.00	28500.00	2500.00	3 माह
05	जयनगर	बेको पंचायत भवन का चाहरदीवारी निर्माण कार्य	1034000.00	21000.00	2500.0	3 माह
06	जयनगर	गोहाल पंचायत भवन का चाहरदीवारी निर्माण कार्य	1281100.00	26000.00	2500.00	3 माह
07	जयनगर	खरियोडीह पंचायत भवन का चाहरदीवारी निर्माण कार्य	1528200.00	31000.00	5000.00	3 माह
08	जयनगर	नईटांड पंचायत भवन का चाहरदीवारी निर्माण कार्य	1108100.00	22500.00	2500.00	3 माह

निविदा की शर्ते www.koderma.nic.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखें।

जिला अभियंता,
जिला परिषद्, कोडरमा

PR 349802 Panchayati Raj(25-26)#D

राम राज्य की स्थापना में मंथरा की दुर्बुद्धि बनी थी बाधकः मारुति किंकरजी महाराज

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। विश्रामपुर नगर परिषद के प्रमुख कस्बा रेहला स्थित सिद्धपीठ योगीवीर बाबा मंदिर परिसर में वासंतिक नवरात्र पर चल रहे रामकथा के छठे दिन वाराणसी के मानस मर्मज्ञ सह वैदिक परंपरा के सिद्ध संत श्रीश्री 1008 मारुति किंकर जी महाराज ने श्रीरामचरितमानस में रामराज्य की स्थापना से जुड़ी मार्मिक प्रसंगों का उल्लेख किया। कहा कि महाराज दशरथ रामराज्य की स्थापना करना चाहते थे। लेकिन मंथरा की दुर्वुद्धि ने रामराज्य को स्थापित करने में बाधक का काम किया। मंथरा समाज की वह दुर्बुद्धि इसमें बाधक बनी थी। कहा कि जिसकी दृष्टि अपने पद-पांव की तरफ झुकी है, उसी मंथरा ने कैकेयी को उनके बेटे के पद की तरफ झुकाया। जब पद के लिए तेरा-मेरा शुरू हुआ तब वहां बीच में मोह की रात्रि आ गयी। उसी कारण रामराज्य वर्षों के लिए टल जाता है। मौके पर डॉ वीपी शुक्ला, श्याम किशोर चंद्रवंशी, ज्वाला गुप्ता, मंगल गुप्ता, आलोक पाठक आदि मौजूद थे।

सांसारिक युक्ति को छोड़ कर मुक्ति के मार्ग पर चलने की जरूरत है : साध्वी आरती

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। रामनवमी के अवसर पर विश्रामपुर के ऐतिहासिक पंचमुखी मंदिर प्रांगण में आयोजीत श्रीराम कथा में श्रद्धलुओं की भीड़ उमड़ रही है। कथा के छठे दिन अयोध्या से पधारी साध्वी आरती शास्त्री ने रामजन्मोत्सव का विस्तृत चरित्र-चित्रण किया। उन्होंने कहा कि कलियुग में राम का नाम लेने मात्र से मुक्ति मिल जाती है। इसलिए लोगों को सांसारिक युक्ति को छोड़कर मुक्ति के मार्ग पर चलने की जरूरत है। मुक्ति का मार्ग तो धर्म के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। साध्वी आरती शास्त्री ने शनिवार को रामजन्मोत्सव का विस्तृत रूप से चरित्र-चित्रण किया। राम कथा के दौरान रामजन्मोत्सव का आकर्षक एवं मनमोहक झांकी भी निकाली गयी। कथा समाप्ति के बाद भगवान की आरती और प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर समाजिक कार्यकर्ता राजन पांडेय, समाजसेवी विजय कुमार रवि, झामुमो नेता संजय महतो, मणिभूषण पांडेय, पूजा समिति अध्यक्ष राजेश मार्शल, शिव सोनी, दिलीप चंद्रवंशी, अमितेश्वर दयाल, दिनेश चंद्रवंशी, नागेंद्र यादव, राकेश केशरी, जयंत चौहान, उमाशंकर गुप्ता आदि मौजूद थे।

पत्रिका के संपादक को मातृशोक

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। शहर के कुम्हार टोली निवासी सह एक पत्रिका के संपादक विनोद सागर की मां जीरा कुंवर (77) का शुक्रवार की रात हृदयगति रुकने से निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को देवरी कला सोन नदी स्थित मुक्तिधाम में किया गया। उनके निधन पर विधायक संजय सिंह यादव, पूर्व विधायक कमलेश कुमार सिंह, कुशवाहा शिवपूजन मेहता, जिप उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह, प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी, व्यापार मंडल अध्यक्ष कृष्णा बैठा, बसपा के पूर्व प्रत्याशी शेर अली, झामुमो के वरिष्ठ नेता ऐजाज हुसैन उर्फ छेदी खान, भाजपा नेता अशोक सिंह, रविंद्र कुमार सिंह, प्रभात कुमार सिंह, पूर्व नगर अध्यक्ष शशि कुमार, रामेश्वर राम, उपाध्यक्ष ग्यासुद्दीन सिद्दिकी, पूर्व मुखिया बिजय यादव, वार्ड पार्षद नजीर अहमद, पसंस बद्री नारायण सिंह, वरिष्ठ पत्रकार उदय प्रकाश ओझा, उदयनाथ विश्वकर्मा, राजद के वरिष्ठ नेता कलामुदिन खान और पत्रकारों ने शोक व्यक्त किया है।

शहादत के 30 साल बाद मिला शहीद को सम्मान : पैतृक गांव में आदमकद प्रतिमा का अनावरण

वह जिंदगी ही क्या जो देश के काम ना आयेः कालीचरण सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

शहीद जवान विश्वनाथ सिंह के आदमकद प्रतिमा का अनावरण करते सांसद कालीचरण सिंह, पांकी विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता एवं अन्य।

पांकी/पलामू। बीएसएफ के शहीद जवान विश्वनाथ सिंह को शहादत के 30 साल बाद सम्मान मिला और उनके 30वें शहादत दिवस पर शनिवार को उनके जन्मभूमि टंडवा नौगढ़ में सम्मानस्वरूप आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया गया। प्रतिमा का अनावरण चतरा सांसद कालीचरण सिंह और पांकी विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर सांसद कालीचरण सिंह ने कहा कि वह धरती और मां दोनों धन्य हैं जो विश्वनाथ जैसे वीर पुत्रों को जन्म देती हैं। वह जिंदगी भी क्या जो देश के काम ना आये। ऐसे ही एक वीर पुत्ररत्न को 1972 में इस धरती मां ने जन्म दिया था जो अपना लहू का एक-एक कतरा इस देश और देशवासियों के लिये बहा दिया, पर देश पर आंच नही आने दिया। इस शहीद का जन्म 5 अप्रैल 1972 को टंडवा नौगढ़ अंचल तरहसी (मनातू) में हुआ था। 20 वर्ष की उम्र में वे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में बहाल हुए थे। 1996 में तब इनकी पोस्टिंग आतंकवाद से ग्रसित जम्मू कश्मीर में था। तब जम्मू कश्मीर में आतंकवाद चरम पर था। 28 मार्च को घर आने के लिये इस जवान की छुट्टी स्वीकृत थी। पर घर आने की पूर्व संध्या पर यानी 27 मार्च को ड्यूटी के दौरान आतंकवादियों से लोहा लेते हुए शहीद हो गया। विधायक वहीं, डॉ शशिभूषण मेहता ने कहा कि भाजपा की सरकार में ही शहीदों को सम्मान मिलता है। भाजपा के पूर्ववर्ती सरकारें वोट बैंक की राजनीति के कारण वक्फ बोर्ड जैसा कानून बनाती थी, जिसकी आड़ में विशेष समुदाय के लोग जमीन और मंदिरों यहां तक की हाट बाजार की जमीन कोर्ट कचहरी और संसद भवन तक पर अपना मालिकाना हक जताने लगे थे। इस लिए हम सभी को शिक्षित और राजनीतिक रूप से जागरूक होने की जरूरत है। कार्यक्रम का संचालन डॉ भीम प्रभाकर ने किया। साथ ही जनप्रतिनिधियों को भगवत गीता और तलवार देकर सम्मानित किया और उनके कर्तव्यों को याद दिलाने का सार्थक प्रयास किया। इस मौके पर शहीद परिवार की ओर से उपस्थित जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ जनों को फूलमाला और अंगवस्त्र देकर सम्मनित किया गया। मौके पर जिला परिषद सदस्या रूपवंती देवी, प्रो बचन ठाकुर, मुखिया गुड्डू सिंह, मुखिया सुजीत भुइंया, जिला प्रतिनिधि प्रकाश मेहता, वीरेंद्र वर्मा, शहीद के परिजन ब्रजेश सिंह, धर्म सिंह, नौरंगदेव सिंह, नरेश सिंह, अर्जुन सिंह, नकुल सिंह, रामकिशुन साव, सुधु साव, नंदू भुइंया, साधु मांझी, पांकी मंडल अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह आदि मौजूद थे।

लक्ष्मण जैसे भाई, सीता माता जैसी महिलाएं बहुत कम दिखने को मिलेंगी : अरूणा शंकर

चैनपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। निगम क्षेत्र के शाहपुर में महावीर नवयुवक दल जेनरल की ओर से आयोजित धार्मिक झांकी का शुभारंभ शुक्रवार की रात प्रथम मेयर अरुणा शंकर द्वारा किया गया। अरुणा शंकर ने कहा कि लोगों को राम के आदर्श को अपनाना चाहिए। कहा कि लक्ष्मण जैसे भाई, सीता माता जैसी भाभी आज के युग में बहुत कम देखने को मिलेंगे। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम माता-पिता के वचन को पूरा करने के लिए 14 वर्ष का वनवास काटे, लेकिन आज की महिलाएं अपने धर्म को नहीं निभा पा रही है। अगर जीवन को सार्थक बनाना है तो मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम एवं उनके भाई लक्ष्मण, भारत जैसे को भाई के आदर्श की तरह मिशाल कायम करने के बाद ही लोग अपना घर सुव्यवस्थित ढंग से चला सकते हैं। कहा कि रामनवमी भाईचारा एवं प्रेम का संदेश देता है। अहंकार करने वाले रावण का भी जीवन नहीं बचा। इसलिए लोगों को राम के आदर्श को अपनाकर कार्य करना चाहिए। इस दौरान प्रथम मेयर अरुणा शंकर एवं प्रथम वार्ड पार्षद प्रमिला देवी, चंचला देवी, लवलीना देवी, मीरा देवी, खुशबू देवी, ममता देवी, रीना देवी ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। वहीं महावीर नवयुवक दल जेनरल शाहपुर के अध्यक्ष मुकेश जायसवाल एवं संरक्षक धर्मेंद्र जायसवाल ने तलवार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन सांसद प्रतिनिधि भोला पांडे ने किया। इधर, कानपुर से आए कलाकारों ने शिव वंदना, गणेश वंदना,सुदामा कृष्ण लीला की एक से बढ़कर एक झांकी प्रस्तुत की। कार्यक्रम को सफल बनाने में महावीर नवयुवक दल के कार्यकर्ताओं ने अहम भूमिका निभाई।

घासीदाग के भुइंया टोला में भीषण आग, पांच घर जलकर हुआ खाक

विधायक-प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे, पीड़ित परिवारों को मदद का दिया भरोसा

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। प्रखंड के सुदूरवर्ती ग्राम पंचायत घासीदाग के भुइंया टोला में शनिवार को भीष्ण आग लग गयी। जिसमें पांच घर पूरी तरह जलकर खाक हो गया। घटना दोपहर 12 बजे की बतायी जा रही है। सूचना मिलने के बाद विधायक सहित स्थानीय प्रशासनिक पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को मदद देने का भरोसा दिया। जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर बिजली के तार में सॉर्ट सर्किट होने से धर्मेंद्र भुइंया के घर में आग लग गयी। घर एक-दूसरे से सेट होने के कारण आग की लपटें एक-एक कर कई घरों में फैल गयी। ग्रामीणों ने आग बुझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन काबू नहीं पा सके। लोगों के सामने ही देखते-देखते पांच घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग की लपटें इतनी तेज थी कि बीस फीट ऊपर जल मीनार पर लगा प्लास्टिक का टंकी भी क्षतिग्रस्त हो गया। जिनकी घरें पूर्ण रूप से जल चुकी हैं उनमें पिंटू भुईयां, अक्षय भुइंया, मुन्ना भुईयां, धर्मेंद्र भुइंया और बृजेश भुइंया का नाम शामिल है। घटना के समय पीड़ित परिवार का भी कोई भी पुरुष सदस्य घर में मौजूद नहीं था। सभी दूसरे राज्यों में मजदूरी का काम करते हैं। घटना के बाद सभी पांचों परिवार की महिलाएं एवं बच्चे खुले आसमान के नीचे आ गये हैं। उधर, सूचना मिलने के बाद विश्रामपुर विधायक नरेश प्रसाद सिंह, मुखिया अंजू कुमारी, बीडीओ राजीव कुमार सिंह, सीओ राकेश तिवारी, थाना प्रभारी सौरभ चौबे सहित कई स्थानीय प्रशासनिक पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। विधायक ने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने बीडीओ से सभी पीड़ित परिवार को अबुआ आवास देने को कहा। इसके अलावा सीओ को आपदा प्रबंधन से तत्काल मदद देने का निर्देश दिया। मौके पर पंचायत सचिव अमित सिंह, रोजगार सेवक आफताब आलम, शिक्षक नेता सत्यनारायण सिंह, युवा समाजसेवी डब्ल्यू यादव, सुरेंद्र रवि और उपेन्द्र यादव आदि मौजूद थे।

ड्रोन की मदद से शरारती तत्वों पर रखी जा रही नजरः एसडीएम

- रामनवमी को लेकर हुसैनाबाद एसडीएम-एसडीपीओ ने किया फ्लैग मार्च
- अंतरराज्यीय सीमाओं पर सुरक्षा कड़ी रखने का निर्देश

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। रामनवमी का त्येहार शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से हुसैनाबाद अनुमंडल के प्रशासनिक पदाधिकारियों ने क्षेत्र के देवरी, बुधुआ, दंगवार, मोहम्मदाबाद में फ्लैग मार्च किया। जिसकी अगुवाई एसडीओ गौरांग महतो, प्रशिक्षु आइपीएस सह एसडीपीओ मो याकूब, हुसैनाबाद थाना प्रभारी सोनू चौधरी, देवरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार और दंगवार ओपी प्रभारी सोनू गुप्ता आदि ने किया। विधि-व्यवस्था बनी रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए अंतरराज्यीय सीमाओं पर सुरक्षा कड़ी करने का निर्देश दिया। एसडीएम गौरांग महतो ने कहा कि रामनवमी को शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशाशन पूरी तरह से मुस्तैद है। बिहार राज्य से लगने वाली सीमाओं दंगवार, देवरी कला, कबरा कला आदि में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। दंगवार और देवरी में लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। आने-जाने वाले सभी लोगों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। बताया कि अनुमंडल क्षेत्र के हुसैनाबाद, हैदरनगर एवं मोहम्मदगंज थाना पुलिस पूरी तरह से तैयार है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, पुलिस ने शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में उन क्षेत्रों में विशेष ध्यान केंद्रित किया है, जहां असामाजिक और शरारती तत्वों द्वारा अशांति फैलाने की आशंका हो सकती है। इन तत्वों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए ड्रोन जैसे आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। ताकि शरारती तत्वों की पहचान करने और उनके खिलाफ समय पर कार्रवाई करने में मदद मिल सके। पुलिस का यह प्रयास है कि रामनवमी के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना ना हो और सभी नागरिक शांतिपूर्वक इस पवित्र त्योहार को मना सकें। मौके पर रामनवमी पूजा समिति के लोग मौजूद थे।

रामनवमी पर्व देता है अहंकार को मिटाने का संदेश : मनोज सिंह

चैनपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। रामनवमी त्योहार हमें मन के अंदर छिपे रावण रूपी अहंकार को मिटाने का संदेश देता है। रावण महा ज्ञानी होते हुए भी अधर्म के पथ पर चला था। इसलिए उसका पुतला प्रति वर्ष जलाया जाता है। उक्त बातें मनोज सिंह ने कही। वे शनिवार को शाहपुर विवेकानंद चौक पर महावीर नवयुवक दल जेनरल द्वारा आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में बोल रहे थे।

रामनवमी का जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से निकालें और सामाजिक सौहार्द बनाये रखें : डीसी-एसपी

मनातू/पलामू (आजाद सिपाही)। रामनवमी पर्व को लेकर पलामू जिला प्रशासन सतर्क है। डीसी शशि रंजन एवं एसपी रीष्मा रमेशन के संयुक्त नेतृत्व में मनातू प्रखंड के पदमा में फ्लैग मार्च निकाला गया। इसमें जिले के कई पदाधिकारी, अनुमंडल, प्रखंड, अंचल और थाना स्तरीय अधिकारी सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल शामिल हुए। फ्लैग मार्च के दौरान डीसी और एसपी ने रामनवमी जुलूस के मार्गों का निरीक्षण किया। साथ ही जुलूस के मिलन स्थलों एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का भी जायजा लिया। आमजन से बातचीत करते हुए अधिकारियों ने उन्हें किसी भी विकट परिस्थिति में प्रशासन से संपर्क करने की अपील की। उन्होंने लोगों से रामनवमी पर्व को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने का आग्रह किया। इस दौरान इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह, मनातू थाना प्रभारी निर्मल उरांव और अंचलाधिकारी मदन कुमार सुमन ने थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर फ्लैग मार्च किया। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि वे रामनवमी का जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से निकालें और सामाजिक सौहार्द बनाए रखें। फ्लैग मार्च एवं निरीक्षण के दौरान इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह, सीओ मदन कुमार सुमन, बीडीओ राजकुंवर सिंह, एसआई अनीश राज, राजेश कुमार, सुरेंद्र उरांव, बाबूलाल यादव, सत्येंद्र सिंह, मथुरा, बीपीओ रणधीर प्रकाश, अंकेश कुमार, बसंत कुमार, नीतीश कुमार, जनेश्वर सिंह, प्रकाश कुमार एवं राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

एसडीपीओ सहित पुलिस पदाधिकारियों को रामनवमी पूजा में शामिल होने का आमंत्रण

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। विश्रामपुर रामनवमी पूजा समिति की ओर से शनिवार को एसडीपीओ सहित कई पुलिस पदाधिकारियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। एसडीपीओ आलोक कुमार टूटी, पुलिस निरीक्षक रामाशीष पासवान, विश्रामपुर थाना प्रभारी सौरभ चौबे एवं रेहला थाना प्रभारी संतोष कुमार को रामनवमी पूजा महोत्सव में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया। मौके पर राजन पांडेय, विजय कुमार रवि आदि मौजूद थे।

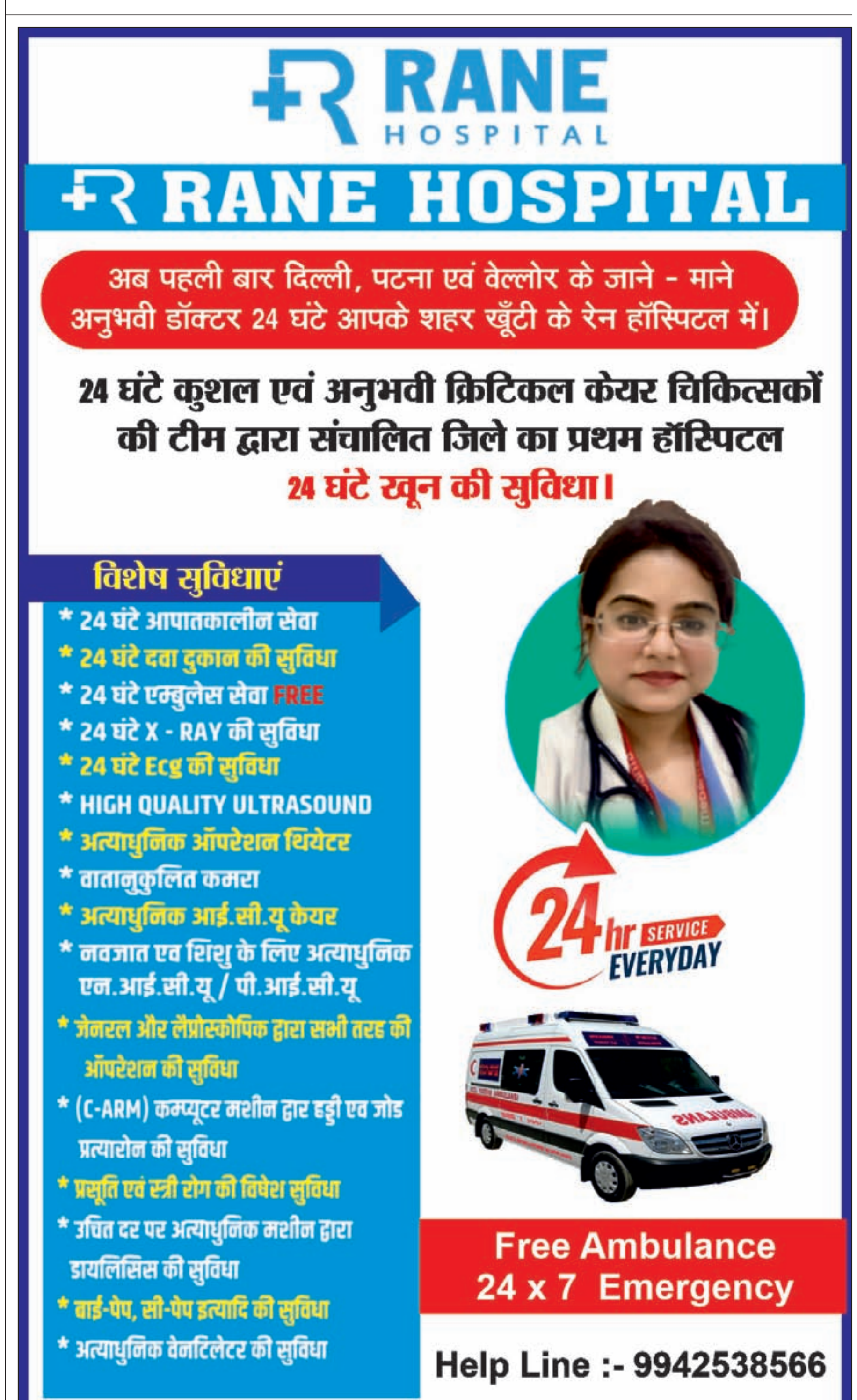

चैनपुर में रामनवमी को लेकर पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

आजाद सिपाही संवाददाता

चैनपुर। पुलिस के द्वारा चैनपुर में रामनवमी पर्व को लेकर शांति बनाये रखने के लिए फ्लैग मार्च निकाला गया, जिसमें चैनपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा, अंचलाधिकारी दिनेश गुप्ता, एसडिपीओ ललित मिना, सर्किल इंस्पेक्टर चैनपुर थाना प्रभारी कुंदन चौधरी, सहित सैंकड़ों कि संख्या में पुलिस के जवान शामिल रहे। जिसमें बताया गया कि यह फ्लैग मार्च पर्व त्यौहारों में शांति बनाये रखनें के लिए निकाला गया ताकी क्षेत्र में शांति पूर्ण तरीके से त्योहार मनाया जाये साथ ही पुलिस और पब्लिक का सामनवय बना रहे जिसपर एसडिपीओ ललित मिना नें आम जनों से आग्रह किया है कि पर्व त्योहार में किसी तरह के अफवाहों पर ध्यान ना दे साथ ही शोशल मिडिया पर किसी भी तरह के अफवाहों से बचें। किसी भी तरह कि कोई भी मामला होनें पर तुरंत पुलिस को को सुचित करें। साथ ही असमाजिक तत्वों एवं उपद्रवियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि किसी तरह कि असमाजिक कार्य करनें एवं उपद्रव मचानें वालों को बख्शा नहीं जायेगा। वहीं फ्लैग मार्च चैनपुर थाना होते हुए ब्लोक मोढ़, चर्च रोड ,सोहन चौक, अल्बर्ट एक्का चौक ,बस स्टैंड मुख्य मार्ग होते हुए पुनः थाना पहुचे।

गुमला जिले में एक और बालू घाट की मिली स्वीकृति

गुमला (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य खनिज विकास निगम लिमिटेड, रांची द्वारा गुमला जिला अंतर्गत डुमरी अंचल के मौजा-बिरी स्थित प्लॉट संख्या 760 (अंश), कुल क्षेत्रफल 9.88 एकड़ में बालू घाट का सीमांकन कर बालू उठाव के लिए अनुमति प्रदान की गयी है। उक्त सीमांकन गत चार अप्रैल को खान निरीक्षक, अंचल अमीन, स्थानीय मुखिया और झारखंड राज्य खनिज विकास निगम के सुपरवाइज़र की उपस्थिति में संपन्न हुआ। पंजीकरण के उपरांत बालू प्रभारी द्वारा दस्तावेजों का सत्यापन किया जायेगा। सत्यापन उपरांत पोर्टल पर प्रति घनफुट 7.87 की दर से ऑनलाइन भुगतान करना पड़ेगा। भुगतान और अंतिम सत्यापन के पश्चात सात से 10 कार्य दिवसों के भीतर संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत कर बालू उठाव किया जा सकता है। खनिज विकास निगम लिमिटेड आम नागरिकों से अनुरोध करता है कि केवल पोर्टल के माध्यम से ही बालू बुकिंग करने का आग्रह किया है।

जिला प्रशासन ने किया पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन

रामनाथ गोयनका पुरस्कार प्राप्त दो स्थानीय पत्रकारों को डीसी-एसपी ने किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला जिले के वरिष्ठ पत्रकार अमरनाथ कश्यप एवं मो. शहाब अली को पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए देश के प्रतिष्ठित 'रामनाथ गोयनका पुरस्कार' से भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा सम्मानित किया गया। इस विशेष उपलब्धि के सम्मान में जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा जिला सूचना भवन सभागार में माननीय उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी और पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महतो, निदेशक डीआरडीए विद्या भूषण, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ललन कुमार रजक समेत अन्य अधिकारी और जिले के सभी पत्रकारगण उपस्थित रहे।उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने अपने संबोधन में कहा कि रामनाथ गोयनका पुरस्कार देश के सबसे प्रतिष्ठित पत्रकारिता पुरस्कारों में से एक है। यह जानकर गर्व होता है कि गुमला जैसे जिले से इस पुरस्कार के लिए चयन होना यह दर्शाता है कि यहां की पत्रकारिता देश में प्रभाव छोड़ रही है।

पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह ने कहा कि पत्रकारों को बिना किसी दबाव के पारदर्शिता से कार्य करना चाहिए। आपकी खबरों से समाज और प्रशासन को जागरूक होने का अवसर मिलता है। वहीं मो शहाब अली ने अपनी रिपोर्टिंग से जुड़े अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने गुमला के रेडवा नावाडीह गांव में जन्मी खिलाड़ी आशा किरण बरला की संघर्ष और उपलब्धियों पर आधारित स्टोरी कवर की। इस अवसर पर जिले के विभिन्न मीडिया के पत्रकार जितेन्द्र कुमार सिंह, शहजाद अनवर, हरिओम सुधांशु, संतोष कुमार समेत जिले के अन्य पत्रकारों ने भी दोनों पत्रकारों सम्मान में मंच को संबंधित किया एवं सभी पत्रकारों ने अमरनाथ कश्यप और मो शहाब अली की उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी और सम्मानित किया।

जलमीनार खराब होने से आम लोगों को हो रही है कठिनाई

आजाद सिपाही संवाददाता

जारी। प्रखंड के सीकरी पंचायत अंतर्गत अम्बाटोली गांव में जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल जल योजना से लगाया गया जलमीनार कई माह से खराब है। जलमीनार खराब होने के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण भरत लोहरा, रूपन तिर्की, कन्हैया लाल, विशाल लोहरा, महिपाल तिर्की, शिवनाथ लोहरा, सज्जित तिग्ग, फिरन लोहरा ने बताया की हर घर नल जल योजना के तहत उनके घर के सामने लगाया गया, जलमीनार खराब रहने से अंबाटोली गांव के अधिकांश लोग प्रभावित हैं। ग्रामीणों ने बताया कि जलमीनार खराब होने की शिकायत संबंधित विभाग को दी गयी है। इसके अलावा पंचायत के जन प्रतिनिधियों से भी इसकी शिकायत की गयी है, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। अब गर्मी शुरू होने के साथ-साथ गांव में पानी की समस्या विकराल रूप लेना शुरू कर चुकी है। ग्रामीण पानी के लिए दर-दर यहां वहां भटक रहे हैं और पानी की व्यवस्था कर रहे हैं। जल जीवन मिशन के तहत गांव में लगे जल मीनार को विभाग जल्द से जल्द बनवा दे। ताकि गांव के ग्रामीण पानी के कारण यहां वहां नहीं भटके। गांव में लगे जल मीनार अब सिर्फ शोभा के लिए खड़ा है। गांव के लड़के जलमिनार में लगे सोलर पैनल से मोबाइल चार्ज कर रहे हैं। गांव में बिजली नहीं रहती है। तब गांव के कई सारे लड़के इसी जल मीनार में आकर अपना मोबाइल चार्ज करते हैं।

संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत बिशुनपुर में कांग्रेसियों ने की बैठक

संगठन को और मजबूत करने का कार्य करें कार्यकर्ता: राजनील तिग्गा

आजाद सिपाही संवाददाता

बिशनपुर। प्रखंड में संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत बिशुनपुर प्रखण्ड कांग्रेस कमेटी की आवश्यक बैठक पड़हा भवन में अयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष राजू भगत ने की। बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड प्रभारी सह सांसद प्रतिनिधि गुमला राजनील तिग्गा उपस्थित रहे। राजनील तिग्गा ने कहा कि प्रदेश प्रभारी के राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निदेर्शा पर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए संगठन सृजन कार्यक्रम किया जा रहा है। इसके तहत प्रखंड कमेटी से लेकर बूथ कमेटी तक संगठन को मजबूत बनाया जायेगा। संगठन में ईमानदारी से कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को उचित मान सम्मान दिया जायेगा। साथ ही संगठन में ऊजार्वान साथियों को जोड़ने का काम किया जायेगा। बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड अध्यक्ष राजू भगत, जय सिंह, सूदिप तिग्गा, अमित कुजूर, फिलिप तिग्गा, बंधन मुंडा, नरेंद्र मुंडा, रविंद्र लोहारा, अमित विमल टोप्पो, कैन्युट कुजूर, अंकित, संजय बाड़ा, सीताराम मुंडा, दिपदयाल सारस, उषा केर-केट्टा, विनोद उरांव, कमलेश उरांव, इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उपायुक्त ने सेविकाओं को दिया स्मार्टफोन

गुमला (आजाद सिपाही)। शुक्रवार को समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी द्वारा आंगनबाड़ी सेविकाओं और महिला पर्यवेक्षिकाओं के बीच स्मार्टफोन का वितरण किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि स्मार्टफोन के माध्यम से आंगनबाड़ी से संबंधित कार्यों को तेजी और सरलता से किया जा सकेगा। इससे पोषण ट्रैकर, टीएचआर का फेस ऑथेंटिकेशन, आधार सीडिंग जैसे कार्यों का समय पर निष्पादन सुनिश्चित होगा। उपायुक्त ने बताया कि महिला पर्यवेक्षिकाएं अब ऐप के माध्यम से आइसीडीएस की सभी सेवाओं की निगरानी करेंगी। इससे रोजाना के कार्यों को जिला एवं विभागीय स्तर पर साझा करना आसान होगा और सेवा प्रदायगी की गुणवत्ता बेहतर होगी।

झारखंड नेत्र सोसाइटी ने लगातार तीसरी बार जीता पुरस्कार

आजाद सिपाही संवाददाता

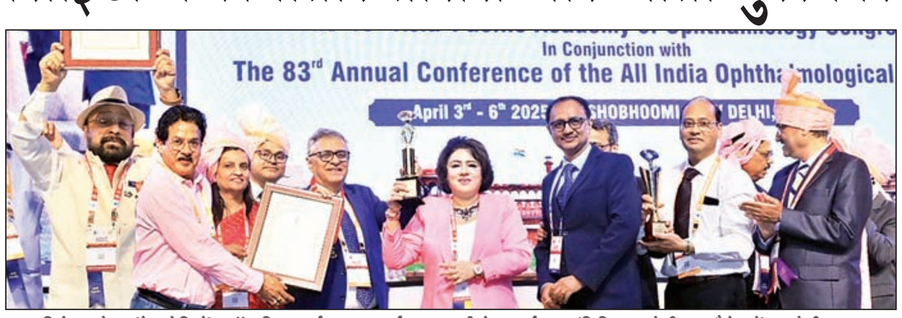

अधिवेशन के कांग्रेस प्रेसिडेंट डॉ ललित वर्मा द्वारा अवार्ड प्राप्त करती चेयरपर्सन साइंटिफिक कमेटी कम मैनेजमेंट कमेटी सदस्य डॉ भारती कश्यप। साथ में हैं डॉ बीपी कश्यप, सुजॉय सामंता, डॉ नीलेंदु मिश्रा, डॉ एसके मित्रा, डॉ विभूतिभूषण और अन्य पदाधिकारी।

रांची। झारखंड राज्य नेत्र सोसाइटी को एक बार फिर देश में बेस्ट नेत्र सोसाइटी का पुरस्कार मिला है। यह लगातार तीसरा मौका है, जब इसे 500 सदस्यों वाले समूह में सर्वश्रेष्ठ नेत्र सोसाइटी का पुरस्कार मिला है। वर्ष 2024-2025 में नेत्र रोग विशेषज्ञों और स्नातकोत्तर छात्रों के बीच वैज्ञानिक और शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ-साथ आम जनों में नेत्र स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के सफल संचालन के लिए अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसाइटी के सभी सदस्यों के बीच झारखंड राज्य नेत्र सोसाइटी को 'सर्वश्रेष्ठ नेत्र सोसाइटी' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। झारखंड नेत्र रोग सोसाइटी को वर्ष 2024-2025 में 100-500 सदस्यों के ग्रुप की श्रेणी में लगातार तीसरी बार सर्वश्रेष्ठ नेत्र सोसाइटी का सम्मान मिला है।

डॉ भारती कश्यप ने अपनी टीम के साथ लिया पुरस्कार : साइंटिफिक कमेटी कम मैनेजमेंट कमेटी की चेयरपर्सन डॉ भारती कश्यप, मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य डॉ बीपी कश्यप, सेक्रेटरी डॉ सुजॉय सामंता, वाइस प्रेसिडेंट डॉ नीलेंदु मिश्रा, पूर्व सेक्रेटरी डॉ एसके मित्रा और कोषाध्यक्ष विभूतिभूषण ने 83वें अखिल भारतीय नेत्र सोसाइटी के वार्षिक सम्मेलन के साथ 40वें एशिया-पैसिफिक नेत्र विज्ञान अकादमी कांग्रेस अधिवेशन में यह पुरस्कार ग्रहण किया। एशिया-पैसिफिक नेत्र विज्ञान अकादमी कांग्रेस के प्रेसिडेंट डॉ ललित वर्मा ने सोसाइटी को यह पुरस्कार दिया। अंतरराष्ट्रीय समारोह में देश-विदेश के नेत्र चिकित्सकों ने झारखंड नेत्र सोसाइटी के कार्यों को सराहा।

नयी दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में दिया गया पुरस्कार : सोसाइटी की मैनेजिंग कमेटी मेंबर सह चेयरमैन साइंटिफिक कमेटी डॉ भारती कश्यप ने बताया कि नयी दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 83वें अखिल भारतीय नेत्र सोसाइटी के वार्षिक सम्मेलन सह 40वें एशिया-प्रशांत नेत्र विज्ञान अकादमी कांग्रेस के उद्घाटन समारोह में झारखंड राज्य नेत्र सोसाइटी को यह पुरस्कार दिया गया।

दो बड़े पुरस्कार के लिए नामित हुआ था झारखंड राज्य नेत्र सोसाइटी : झारखंड राज्य नेत्र सोसाइटी को इस वर्ष दो बड़े अवॉर्ड के लिए नामित किया गया था। यह पुरस्कार सदस्यता संख्या (100 से कम सदस्यता, 100 से 500 सदस्यता, 500 से 1000 सदस्यता, 1000 से 1500 सदस्यता और 1500 से अधिक सदस्यता) के आधार पर विभिन्न समूहों के विजेता राज्यों में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए मिला है। झारखंड राज्य नेत्र सोसाइटी को वैज्ञानिक और शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ-साथ आम जनों के बीच नेत्र स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाने के लिए 100 से 500 सदस्यों की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ राज्य सोसाइटी का सम्मान भी मिला है।

सोसाइटी ने झारखंड में चलाये 142 अभियान

नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित डॉ भारती कश्यप ने कहा कि झारखंड राज्य नेत्र सोसाइटी के बैनर तले झारखंड के संताल परगना, पलामू, उत्तरी छोटानागपुर, दक्षिणी छोटानागपुर और कोल्हान प्रमंडल के दूर-दराज के इलाकों में लोगों को नेत्रदान, मोतियाबिंद, ग्लूकोमा और डायबिटिक रेटिनोपैथी के बारे में जागरूक करने के लिए सोसाइटी ने 142 अभियान चलाये। पश्चिमी सिंहभूम के गोइलकेरा और टोंटो के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों और संताल परगना के सबसे पिछड़े जिलों पाकुड़ और साहिबगंज में मेगा विजन फॉर झारखंड अभियान चलाये गये।

दुर्गा पूजा समिति ने सप्तमी के उपलक्ष्य में डांडिया नृत्य कार्यक्रम का किया आयोजन

गुमला (आजाद सिपाही)। चैती दुर्गा पूजा समिति देवी मंदिर प्रांगण में समिति के महिलाओं द्वारा महा सप्तमी के उपलक्ष में शुक्रवार की रात भव्य डांडिया नृत्य का आयोजन किया गया जो आधी रात तक चला। इस आयोजन में समिति के सभी सदस्य एवं गुमला नगर के सैकड़ो महिला पुरुषों की भीड़ रही। फिल्मी गाने और डांडिया की धुन पर महिलाओं ने एक से बढ़कर एक नृत्य की प्रस्तुति दी। इस बीच जय श्री राम माता रानी की जय के जयकारे भी लगाए जा रहे थे। पूरा वातावरण भक्ति में हो गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के कार्यकर्ता सक्रिय नजर आये। डांडिया नृत्य की मनभावन प्रस्तुति को लोगों ने अपने कैमरे में भी कैद किया। चढ़ती दुर्गा पूजा समिति ने सत्य में के अवसर पर मंदिर प्रांगण में भंडारे का भी आयोजन किया था, जहां लोगों की भारी भीड़ देखी गयी। इस उत्सव में मुख्य संरक्षक विजयलक्ष्मी, डॉक्टर अनुपम कुमारी, रश्मि राज, पूनम जायसवाल, उषा रानी, शोभा देवी, किरण केसरी, उषा चौरसिया, रीना कुमारी, नम्रता , अंजली देवी, सीमा कुमारी, अर्पिता मुखर्जी, रश्मि उर्वशी ,सत्य रानी की मुख्य भूमिका रही।

रामनवमी पूजा को लेकर गुमला शहर में खूब बिका महावीरी झंडा और बांस

गुमला (आजाद सिपाही)। रामनवमी पर्व को लेकर रविवार को सनातन धर्मावलंबियों के घर-घर महाबीरी झंडा की पूजा-अर्चना होगी। झंडा पूजा को लेकर चारों ओर उत्साह का वातावरण है। गांव से शहर तक महाबीरी झंडा की दुकानें सजी थी। शहर में बांस की भी जमकर बिक्री हुई। शनिवार को त्योहार बाजार काफी भीड़-भाड़ रहा। लोग अपने मन पसंद के महाबीरी झंडा, बांस और पूजन सामग्री आदि की खरीददारी कर रहे थे। दुकानों में 25 रुपये से पांच हजार तक के महाबीरी झंडा बिक रहे थे। जबकि बांस पचास रुपये से लेकर डेढ़ सौ रुपये तक बिक रहे थे। घरों में लगाने के लिए सौ रुपये रेंज के झंडा की अधिक मांग थी जबकि सामूहिक मंदिर आखाड़ा आदि में गाड़ने के लिए बड़ा झंडा की मांग हो रही थी। महाबीरी झंडा पूजा में अस्त्र शस्त्र की पूजा होती है। जिस कारण दुकानों में तलवार, भला, भुजाली, चाकू आदि की भी बिक्री देखी गई। जूलस की तैयारी को लेकर डंका, झुनझुना आदि भी भी लोगों ने खरीददारी की। रामनवमी जुलूस के लिए दो सप्ताह पहले से ही लोग डंका बजाने और अस्त्र शस्त्र परिचालन का अभ्यास कर रहे हैं।

महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए उपायुक्त ने की विशेष समीक्षा बैठक

महिला सशक्तिकरण और स्थानीय उद्यमिता को मिलेगी नयी उड़ान

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जिले में महिला सशक्तिकरण और स्थानीय उद्यमिता को नई उड़ान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में 'उज्जना बिज्जना योजना' के अंतर्गत एक विशेष समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में संचालित महिला समूहों और नवगठित एफपीओ द्वारा चलाए जा रहे उत्पादों और आजीविका परियोजनाओं की समीक्षा कर उन्हें लाभप्रद एवं सशक्त बनाने की दिशा में ठोस रणनीति बनाना था। बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट रूप से कहा कि जिला प्रशासन महिला उद्यमियों एवं ग्रामीण उत्पादकों को एक सशक्त कारोबारी पहचान दिलाने के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि जोहार रागी, कस्तूरी और सुपरनोवा जैसे ब्रांड न केवल जिले की पहचान बनते जा रहे हैं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बदलाव की नयी इबारत भी लिख रहे हैं। बैठक के दौरान सुपरनोवा उत्पाद की लागत एवं इसे खुली बाजार में लाभप्रद तरीके से बेचने की योजना पर चर्चा की गयी। उपायुक्त ने इ-कॉमर्स बिजनेस को और अधिक प्रभावी तरीके से विकसित करने पर विशेष बल देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित लगभग 30 व्यवसाय, जिनका संचालन स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है, और जिन एफपीओ ने बेहतर कार्य किया है, उन्हें चिन्हित करते हुए उनके विस्तारीकरण की दिशा में ठोस योजनाओं पर गहन विचार-विमर्श हुआ। बैठक में दीदी कैफे, वनोपज मूल्य संवर्धन केंद्र, कस्तूरी और डुमरी एग्रो टेक जैसे केंद्रों के भवनों के नवीनीकरण, गुमला हाट के निर्माण, घाघरा एफपीओ रिटेल शॉप की स्थिति और औरापाठ सहित अन्य क्षेत्रों में संचालित लाइवलीहुड प्रोजेक्ट की अद्यतन प्रगति पर भी गहन चर्चा हुई। जोहार, कस्तूरी और फार्म-टू-प्लेट जैसे उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने की योजनाएं और पोल्ट्री एवं अंडा उत्पादन के लिए किसानों को केसीसी ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के प्रयासों पर भी विशेष ध्यान केंद्रित किया गया।

बुलेट और बाइक में हुई टक्कर, छह घायल

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला रांची नेशनल हाइवे स्थित करम डीपा पेट्रोल पंप के समीप शनिवार की शाम 6:30 बजे बुलेट और बाइक में सीधी भिड़ंत हो गयी। घटना में 6 युवक घायल हो गये। तत्काल स्थानीय लोगों और एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को सादर अस्पताल लाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। रिम्स ले जाने के क्रम में परमेश्वर की मौत हो गयी। घायलों में बुलेट सवार नागफेनी निवासी विमल साहू, दीपक केवट और दुर्गा साहू शामिल है। जबकि विपरीत दिशा से आ रहे बाइक से सीधी टक्कर हुई। बाइक में खोरा पतरा टोली निवासी परमेश्वर उरांव राजू उरांव और हिमांशु उरांव सवार थे। तीनों युवक रामनवमी पूजा का सामान गुमला शहर से खरीद कर वापस अपने गांव नागफेनी लौट रहे थे।

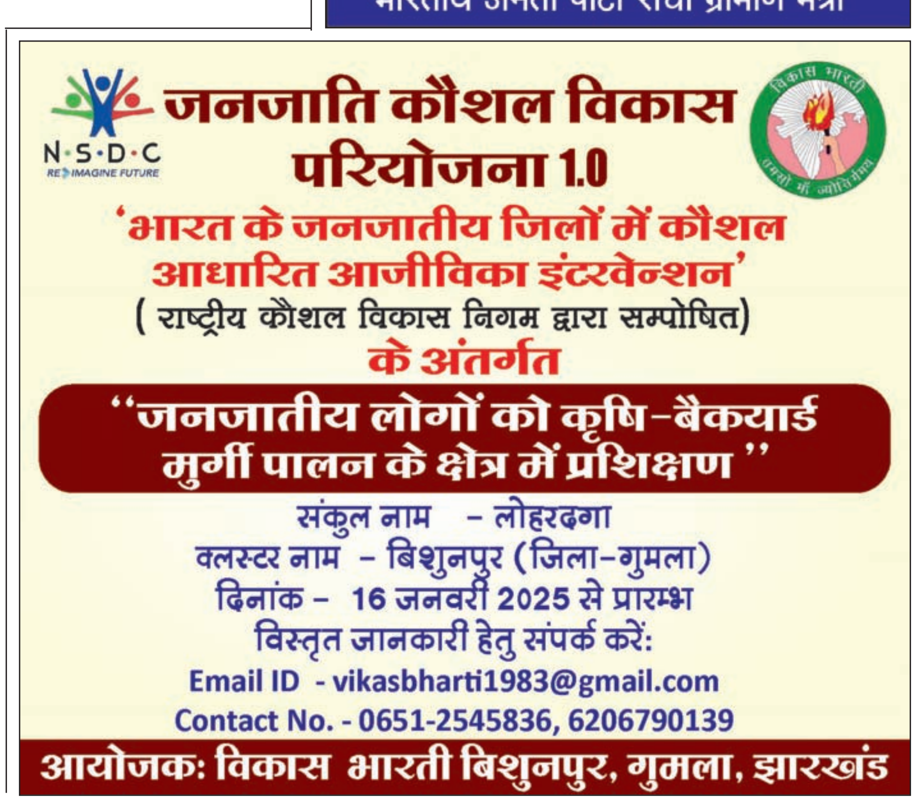

आजाद सिपाही में खबर छपते ही गोमिया बीडीओ ने लिया संज्ञान

पीसीसी पथ निर्माण में टुकड़ा ईट के इस्तेमाल को लेकर जांच टीम गठित

खबर का असर

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरोचट्टी। गोमिया प्रखंड के चतरोचट्टी अंतर्गत बडकीसीधावारा पंचायत के मंझलीटांड में मुखिया मद के 15वें वित्त से पीसीसी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। जिसमें ईंटा के टुकड़ों से सोलिंग किये जाने की खबर को ***आजाद सिपाही*** में प्रमुखता से प्रकाशित की गयी गयी थी। जिस पर बीडीओ महादेव महतो ने संज्ञान लेते हुए उक्त स्थल पर कनीय अभियंता और पंचायत सचिव को निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया। जिसके बाद पंचायत सचिव आशीष कुमार और पंचायत के कनीय अभियंता दीपक कुमार ने बताया कि वे लोगों की उपस्थिति में उक्त सड़क के निर्माण की अनियमितता को दुरुस्त कर लिया गया। वहां पर टुकड़े ईंट के इस्तेमाल पर रोक लगाते हुए उसे तुरंत हटवा कर खड़ा ईंट का सोलिंग करवाया गया। कहा कि अगर निर्माण कार्य में पुनः शिकायत मिलती है तो निर्माण कार्य में अनियमितता बरतने पर उसमें बिल की कटौती की जायेगी।

शिकायत मिलने के बाद जांच करने पहुंचे अधिकारी।

सांसद और विधायक पर रंगदारी मांगने का आरोप

धनबाद (आजाद सिपाही)। डियो होल्डर कन्हाई चौहान ने धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो और बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो पर कोलया पर 1600 रुपया प्रति टन रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है। गांधी सेवा सदन में प्रेस वार्ता कर कन्हाई चौहान ने बताया कि कोयला डियो का कार्य कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं. पर दबंगों द्वारा कोयला उठाने से मना कर दिया गया है। 1600 रुपया प्रति टन देने के बाद ही कोयला उठाव किये जानो को कहा जा रहा है।

नशा मुक्ति केंद्रों पर पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम, किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। जिले के कई नशा मुक्ति केंद्रों पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शनिवार को औचक निरीक्षण कर जांच किया। सिविल सर्जन के निर्देश पर भुईंफोड़, सबलपुर और बरवाअड्डा में संचालित नशा मुक्ति केंद्रों पर टीम ने जायजा लेते हुए संचालकों को जरूरी निर्देश दिया। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों की मानें तो जिले में संचालित नशा मुक्ति केंद्रों में मरीजों के लिए कई जरूरी संसाधन की कमी देखी गई। जिसमें बेड, कमरों की संख्या कम होना, आग से बचने के उचित उपाय नहीं होना जैसी बुनियादी सुविधओं का अभाव पाया गया। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि जिले में संचालित कुछ नशा मुक्ति केंद्र अपनी जवाबदेही को सही ढंग से निर्वहन करने में लगे है, पर आवश्यक संसाधन बचाव के उपाय और लोगों की कमी चिंताजनक है। उन्होंने यह भी कहा कि नशा मुक्ति केंद्रों पर जांच के दौरान मिली खामियां, कमियां और मरीजों की संख्या के बाबत रिपोर्ट बनाकर जिले के सिविल सर्जन को सौंपा जाएगा।

पहला कदम में मनाया गया रामनवमी का त्योहार

धनबाद (आजाद सिपाही)। नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से संचालित जगजीवन नगर स्थित दिव्यांग बच्चों के स्कूल पहला कदम में शनिवार को रामनवमी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान के स्वरूपों में सजकर आकर्षक झांकियों की प्रस्तुति दी। यह झांकी पहला कदम स्कूल से लेकर सांसद कार्यालय जगजीवन नगर धनबाद तक निकाली गई। जिसका स्वागत सांसद प्रतिनिधि मिल्टन पार्थ सारथी ने किया। स्कूल की सचिव अनीता अग्रवाल ने बताया कि त्योहारों के माध्यम से बच्चों को धार्मिक और सांस्कृतिक जानकारी देना ट्रस्ट की जिम्मेदारी है। इससे ना सिर्फ बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने में भी मदद मिलती है। कार्यक्रम में सभी बच्चों ने शिक्षकों के साथ मिलकर भगवान राम की आरती की और प्रसाद ग्रहण किया।

बीसीसीएल स्थानीय अप्रेंटिस युवाओं को रोजगार मुहैया कराये : मयूर शेखर

धनबाद (आजाद सिपाही)। कांग्रेस नेता मयूर शेखर झा ने शनिवार को अपने आवासीय कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर बीसीसीएल से अपील की कि वह स्थानीय अप्रेंटिस युवाओं को प्राथमिकता देते हुए एक स्पष्ट नीति के तहत स्थायी रोजगार प्रदान करे। उन्होंने बोकारो में हाल ही में घटित घटना का हवाला देते हुए चेताया कि बीसीसीएल को बोकारो जैसी त्रासदी का इंतजार नहीं करना चाहिए। कहा कि जब यहां के युवा पहले से ही प्रशिक्षित हैं और रोजगार की प्रतीक्षा में हैं, तो बाहर के लोगों को लाकर अप्रेंटिस बनाना न्यायसंगत नहीं है। बीसीसीएल को चाहिए कि वह अपने खनन और व्यापार में स्थानीय युवाओं को पहला अधिकार दे। कहा कि स्थानीय प्रशिक्षित युवाओं को नौकरी के लिए किसी सिफारिश की जरूरत नहीं होनी चाहिए। यह युवा तकनीकी रूप से दक्ष हैं, बीसीसीएल की संपत्ति पर पहला हक भी इन्हीं का है उन्होंने जोड़ा। उन्होंने सवाल किया क्या रोजगार पाने का एकमात्र रास्ता मौत है? क्या किसी की मृत्यु के बाद ही मुआवजा और नौकरी मिलेगी? मयूर शेखर ने जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता पर भी सवाल उठाया और कहा कि ऐसी घटनाएं उनके दायित्वों पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। उन्होंने अंत में मांग दोहराई कि बीसीसीएल स्थानीय अप्रेंटिस युवाओं को रोजगार देने के लिए एक स्पष्ट और प्रभावी नीति बनाए, ताकि भविष्य में ऐसी कोई दुखद घटना ना घटे और झारखंड के युवाओं को न्याय मिल सके।

विहिप सह बजरंग दल ने निकाला भव्य शोभायात्रा

गोमिया (आजाद सिपाही)। चैत्र रामनवमी की पूर्व संध्या पर विश्व हिंदू परिषद् एवं बजरंग दल गोमिया प्रखंड के कार्यकताज्ञओं की ओर से शनिवार को नेहरू स्मारक उच्च विद्यालय के ग्राउंड से एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसका नेतृत्व विहीप सह बजरंग दल के प्रखंड अध्यक्ष अजीत कुमार सिन्हा ने किया। यात्रा से पूर्व कार्यकर्ताओं ने धनबाद प्रांत के मंत्री राजेश कुमार दुबे, विहिप के जिला अध्यक्ष अभय कुमार सिंह, प्रांत सेवा के प्रमुख विनय कुमार, जिला सह मंत्री महेश स्वर्णकार, जिला सह गौ रक्षा प्रमुख दीपक स्वर्णकार, जिला मंत्री शिशु ठाकुर, प्रखंड संयोजक सुमित कुमार, दिलीप प्रजापति, गौ रक्षा प्रमुख अरविंद कुमार गुप्ता, गोमिया प्रखंड सह मंत्री राज किरण जयसवाल को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इसके बाद अनुशासित रूप से पूरा भक्तिमय माहौल में शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभायात्रा नेहरू स्मारक उच्च विद्यालय मैदान से प्रारंभ होकर स्वांग वन बी शिव मंदिर पहुंचा, जहां वन बी शिव मंदिर कमेटी के सचिव मृत्युंजय कुमार सिंह के नेतृत्व एवं जिला परिषद् सदस्य आकाश लाल सिंह की उपस्थिति में लोगों को अंगवस्त्र देकर अभिनंदन किया गया। मौके पर समाजसेवी अमर सोनी, विनोद कुमार यादव, सुमंजय सिंह, मनोज साहा, राजेश साहा, संतोप पासवान, राजकुमार यादव, संजीत पासवान, दीपक कुमार, विक्की मिश्रा आदि शामिल थे।

बाइक जुलूस निकाला

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। राम जन्मोत्सव से एक दिन पूर्व हरिहरगंज रामनवमी पूजा समिति के तत्वाधान में शनिवार को बाइक जुलूस निकाली गई। सैकड़ों राम भक्त बाइक पर सवार होकर जय श्री राम के जयघोष के साथ जुलूस थाना स्थित महावीर मंदिर परिसर से शुरू कर मुख्य सड़क होते शहर के विभिन्न चौक चौराहों से गुजरे। जुलूस में समिति के अध्यक्ष बल्लू बलराम, सोनू जायसवाल, करण राजवीर, राजेश सौंडिक आदि शामिल थे।

कांग्रेस नेत्री दुर्गा दास की हालत अभी भी ठीक नहीं : ब्रजेंद्र सिंह

अस्पताल में गलत ग्रुप का खून चढ़ाने का आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। अखिल भारतीय कांग्रेस के सदस्य और धनबाद जिला 20 सूत्री समिति के उपाध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने शनिवार को पीएमसीएच अस्पताल जाकर पार्टी नेत्री दुर्गा दास का हालचाल जाना। इसके पहले उन्होंने पीएमसीएच के अधीक्षक और मेडिसीन विभाग के एचओडी डॉक्टर यूके ओझा से भी बात की. ब्रजेंद्र सिंह ने दुर्गा दास से मिलने के बाद बताया कि वो अभी भी पूर्ण रूप से स्वस्थ नहीं है। उनके परिजनों ने इलाज किये जाने वाले कागज दिखाया जिसे देखकर स्पष्ट लगता है कि ब्लड चढ़ाने में कुछ गड़बड़ियां जरूर हुई है। प्रिस्क्रिप्शन देखने से पता चलता है की ब्लड ग्रुप में ओवरराइटिंग की गयी है। वहीं, दुर्गा दास ने बताया कि उनका ब्लड ग्रुप ओ पॉजिटिव है, जबकि पर्ची देखने से स्पष्ट लगता है कि बी पॉजिटिव ग्रुप का रक्त चढ़ा दिया गया हैं। उन्होंने डीसी माधवी मिश्रा और अस्पताल के अधीक्षक से मांग किया कि इसकी पूर्ण रूप से जांच होनी चाहिए, ताकि यह पता चल सके कि किसकी गलती से कांग्रेस नेत्री को इतनी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह भी आग्रह किया हूं कि जब तक दुर्गा दास पूरी तरह स्वस्थ नहीं हो जातीं, तब तक उन्हें पीएमसीएच में रखकर ही इलाज किया जाए। इस मौके पर कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष नवीन कुमार सिंह, और कांग्रेस नेता रमेश राय भी मौजूद थे।

स्वतंत्र भारत के पहले श्रम मंत्री बाबू जगजीवन राम की जयंती मनायी गयी

धनबाद (आजाद सिपाही)। भूली-झारखंड मोड़ दुर्गा मंदिर मैदान में स्वतंत्र भारत के पहले श्रममंत्री बाबू जगजीवन राम की 117 वीं जयंती मनाई गई। उनकी प्रतिमा पर धनबाद विधायक राज सिन्हा ने माल्यार्पण किया। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बाबू जगजीवन राम विचार समिति के अध्यक्ष राजू हाड़ी ने अपने संबोधन में बाबू जगजीवन राम के जीवन और दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला। मौके पर पूर्व पार्षद रंजीत कुमार उर्फ बिल्लू, अजय कुमार उर्फ गुड्डू चौधरी, मिथिलेश पासवान, पंकज सिंह, राजदेव राम, गंगा बाल्मीकि, ललन मिश्रा, इंद्रकांत झा, सूरज कुमार पासवान, कुणाल सिंह, मनमोहन सिंह, सतेंद्र ओझा, मन्नू हाड़ी, अरुण कुमार, मनोज कुमार गुप्ता और मनोज मालाकार आदि मौजूद थे।

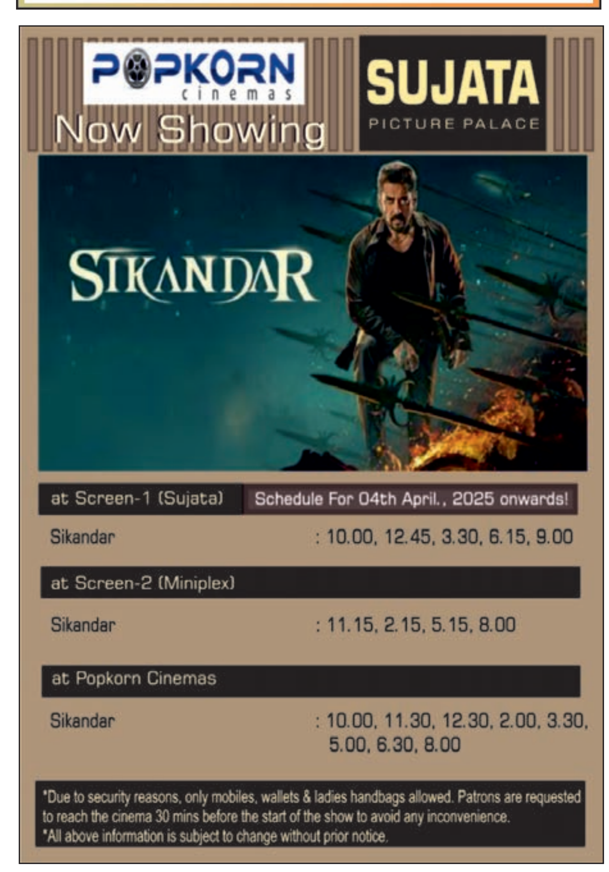

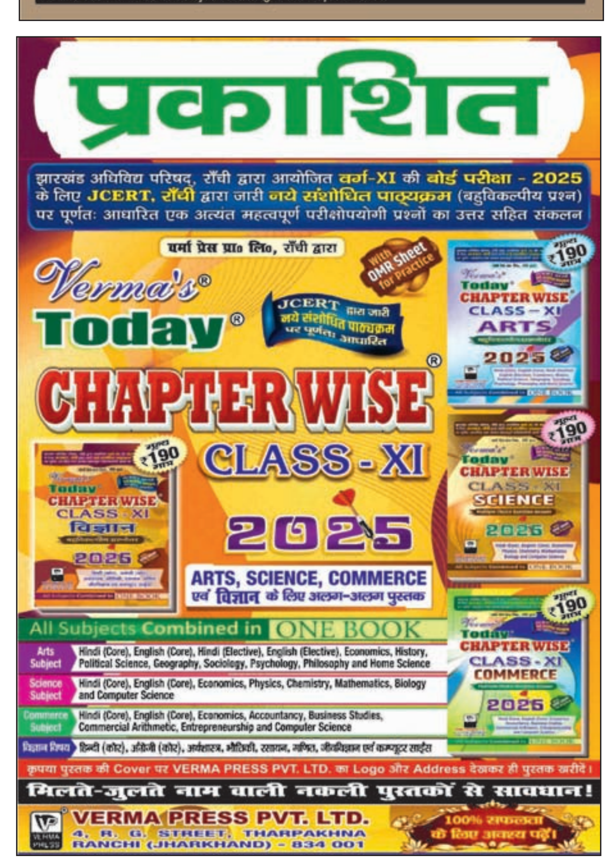

स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग ने की तैयारियों की समीक्षा

11 अप्रैल से ओड़िशा में लागू होगी आयुष्मान भारत योजना

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। राज्य में 'आयुष्मान भारत' योजना अप्रैल 11 तारीख को शुरू होने वाली है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा कटक के बलियात्रा मैदान में आयुष्मान भारत योजना का शुभारंभ करेंगे। स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग ने समीक्षा के बाद यह जानकारी दी। आयुष्मान भारत को पूरे भारत में 2900 से अधिक अस्पतालों में लागू किया जायेगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ओड़िशा में

आयुष्मान भारत का शुभारंभ करेंगे। इसका सीधा प्रसारण राज्य के सभी 1405 पीएचसी में किया जायेगा। खबरों के मुताबिक, नड्डा ओड़िशा के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरे के मौके पर वह आयुष्मान योजना का शुभारंभ करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल ने यह जानकारी दी। वह 10 तारीख की रात को भुवनेश्वर पहुंचेंगे। 11 तारीख को बाली यात्रा मैदान में आयुष्मान भारत का शुभारंभ करेंगे। बाद में वह पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होंगे। 12 अप्रैल की शाम को दिल्ली लौटेंगे।

वक्फ बिल वोटिंग को लेकर बीजद के सांसद के खिलाफ कार्रवाई की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। राज्यसभा में वक्फ संशोधन बिल पर बीजद का रुख चर्चा का विषय बन गया है। जब बीजद ने पहले ही इस बिल का विरोध करने का फैसला किया था, तो उसने अचानक अपना रुख क्यों बदल लिया, इसके बारे में एक सामान्य प्रश्न है। बीजद के राज्यसभा सदस्यों द्वारा वक्फ संशोधन विधेयक के पक्ष में वोट करने के बाद पार्टी के भीतर एक विस्फोटक स्थिति पैदा हो गयी है। इसे लेकर वरिष्ठ नेताओं ने खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की। सूचना मुताबिक वक्फ बिल पर वोटिंग के बाद सस्मित पात्र के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गयी

है। पहले वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल सामल और प्रताप जेना ने सांसद सस्मित पात्र के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बीजद के अध्यक्ष नवीन पटनायक को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि इस बात की जांच होनी चाहिए कि इस साजिश के पीछे कौन है। वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल सामल ने नवीन को पत्र लिखकर सस्मित के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी, इस बारे में बीजद सांसद देवाशीष सामंतराय ने मुंह खोल है। उन्होंने कहा, मुझे समझ नहीं आया कि संसद में क्या हुआ। इसलिए मैने वोट नहीं दिया। नवीन पटनायक ने बिल के विरोध में अपनी बात रखी। इसी तरह बीजद विधायक गणेश्वर बेहेरा ने भी कहा कि कल की घटना ने बीजद के लिए एक अप्रतिकर स्थिति पैदा कर दी है। सस्मित पात्र ने स्वयं कहा था कि हम वक्फ विधेयक का विरोध करेंगे। हमें संदेह है कि यह उनका व्यक्तिगत निर्णय था। इसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

ओड़िशा में सात अप्रैल से बारिश की संभावना

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। ओड़िशा में सात अप्रैल से काल बैसाखी की बारिश होने की संभावना है। इसके चलते तापमान में थोड़ी गिरावट आ रही है। तटीय ओड़िशा में तापमान में गिरावट आयी है, लेकिन अन्य इलाकों में तापमान अभी भी वही है। 10 अप्रैल को पूरे राज्य में हल्की से मध्यम बारिश की उम्मीद है। शनिवार को तटीय ओड़िशा और दक्षिणी ओड़िशा में बारिश और आंधी आने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। ओड़िशा के पुरी, खोरदा, गंजम, गजपति, रायगढ़, कोरापुट और मलकानगिरी जिलों में काल बैसाखी के दौरान बारिश और आंधी आने की संभावना है।

किस के दो छात्र रग्बी प्रीमियर लीग के लिए चयनित

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (किस) के लिए एक गर्व और ऐतिहासिक क्षण में, इसके दो असाधारण रूप से प्रतिभाशाली छात्र असिस साबर और गणेश धांगड़ा माझी भारत की रग्बी प्रीमियर लीग के पहले संस्करण में भाग लेने के लिए चुने गये हैं। सबर जनजाति (कालाहांडी) के यूजी द्वितीय वर्ष के कला छात्र असिस साबर को कलिंगा ब्लैक टाइगर्स ने 1.50 लाख की उल्लेखनीय कीमत पर हासिल किया। वहीं, बोंडा जनजाति (मलकानगिरी) के यूजी तृतीय वर्ष के कला छात्र श्रगणेश धांगड़ा माझी को मुंबई ड्रीमर्स ने 0.50 लाख में चुना है। उनका चयन न केवल उनके लिए बल्कि उनके द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाले पूरे आदिवासी समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। रग्बी लंबे समय से

आदिवासी युवाओं के लिए सबसे पसंदीदा और स्वाभाविक खेलों में से एक रहा है, जिसका श्रेय उनकी जन्मजात चपलता, ताकत और जुनून को जाता है। 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रग्बी खिलाड़ी तैयार किए हैं, यह संख्या ओड़िशा में उत्पादित अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ियों से भी अधिक है। इसके अलावा, किट भारत का एकमात्र विश्वविद्यालय है जिसने तीन बार राष्ट्रीय रग्बी चैम्पियनशिप को प्रायोजित किया है, जो खेल और एथलीट विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। रग्बी प्रीमियर लीग, दुनिया की अपनी तरह की पहली फ्रेंचाइजी-आधारित रग्बी लीग है, जिसे रग्बी इंडिया द्वारा जीएमआर स्पोर्ट्स के सहयोग से लांच किया जा रहा है। बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट एक जून से 15 जून, 2025 तक अंधेरी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स (मुंबई फुटबॉल एरिना) में आयोजित किया जायेगा। ओड़िशा के गौरवशाली प्रतिनिधित्व में इजाफा करते हुए, दो अन्य उभरते रग्बी स्टार - संबित प्रधान (हैदराबाद हीरोज, 0.50 लाख) और शनावाज अहमद (चेन्नई बुल्स, 0.80 लाख)-भी चुने गये हैं। किट, किस और किम्स के संस्थापक प्रो अच्युत सामंता ने छात्रों की उपलब्धियों पर अपार गर्व व्यक्त किया और उनके अटूट अनुशासन, समर्पण और दृढ़ संकल्प की सराहना की। उन्होंने कहा कि वे सही अवसर, कड़ी मेहनत और साहस के मिश्रण से क्या हासिल किया जा सकता है, इसके शानदार उदाहरण हैं। ओडिशा रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन (ओर्फा) के माननीय महासचिव उपेंद्र कुमार मोहंती ने भी खिलाड़ियों को बधाई दी और मैदान पर और बाहर उनकी निरंतर सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने साझा किया कि सर का मार्गदर्शन और हम पर उनका विश्वास हमारी सबसे मजबूत प्रेरणा रही है। यह साबित करता है कि सही समर्थन और अटूट विश्वास के साथ, सपनों को वास्तव में वास्तविकता में बदला जा सकता है।

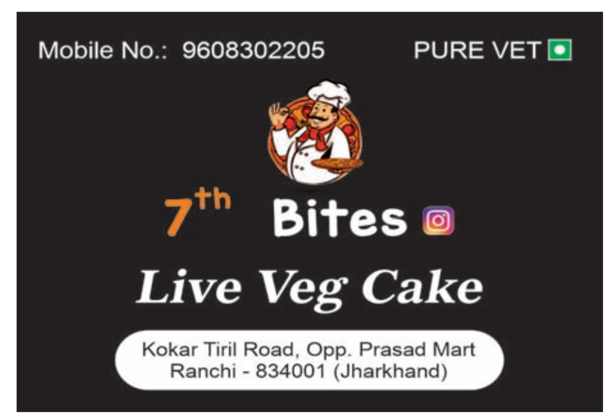

संबलपुर मंडल के नये रेल प्रबंधक बने सुभाष चौधरी

आजाद सिपाही संवाददाता

संबलपुर। सुभाष चंद्र चौधरी ने चार अप्रैल 2025 को मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व तट रेलवे, संबलपुर का कार्यभार ग्रहण किया। चौधरी भारतीय रेलवे विद्युत अभियांत्रिकी सेवा के 1995 बैच के अधिकारी हैं। उन्होंने एचबीटीआइ कानपुर से विद्युत इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री और आइआइटी रुड़की से इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की है। इस कार्यभार ग्रहण करने से पहले, चौधरी पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर में मुख्य विद्युत इंजीनियर, निर्माण के पद पर कार्यरत थे। चौधरी ने धनबाद मंडल में अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक और

मुख्य परियोजना प्रबंधक गति शक्ति के रूप में भी काम किया है। दानापुर, भुवनेश्वर और अंबाला में विभिन्न विद्युतीकरण परियोजनाओं में काम करते हुए उन्हें देश के कई महत्वपूर्ण रेल मार्गों के कार्यों का व्यापक अनुभव है। चौधरी ने जियाओटोंग विश्वविद्यालय बीजिंग, आइसीएलआइएफमलेशिया और आइएसबी मोहाली में आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता की है।

एमसीएल जनसंपर्क विभाग के कर्मी की मां का निधन

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। जनसंपर्क विभाग में कार्यरत चित्तरंजन नाहक की परम आदरणीया माताजी धोबुणी नाहक ने 80 वर्ष की उम्र में मंगलवार रात 11 बजे अंतिम सांस ली। वे मूलतः गंजाम जिला के फुलटा निवासी तथा पैतृक गांव मोहुड़ा के स्वर्गीय दंडपाणी नाहक की सुपुत्री थीं। संबलपुर स्थित राजघाट में उनका दाह संस्कार किया गया। वे अपने पीछे तीन पुत्रियां वासंती देवी, देवकी, समाप्ति और दो पुत्र चित्तरंजन नाहक और रामचंद्र नाहक छोड़ गयी है। वे मूलतः सामाजिक, धार्मिक कार्यों से जुड़ी रहती थीं। उनका आत्मीय

व्यवहार, मातृ तुल्य प्रेम, स्नेह ने पूरे कॉलोनी को अपना बना लिया था। कॉलोनी में सभी उन्हें 'माउसी' कहकर पुकारते थे। उनकी मृत्यु की खबर सुनते ही पूरे एमसीएल कॉलोनी में शोक की लहर फैल गयी। मृत्यु होने से आधे घंटे पहले अस्वस्थता का अनुभव करने पर उन्हें आनंद विहार अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन एंड रिसर्च में 'एलिसियम 2025' उत्सव संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन एंड रिसर्च, शिक्षा 'ओ' अनुसंधान डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय में छात्रों की असीम क्षमता को प्रदर्शित करने वाला एक सप्ताह का उत्सव, 'एलिसियम-2025' बुधवार को भव्य समापन हुआ। छात्रों को कोडिंग से लेकर व्यवसाय, साहित्य से कला, संगीत से नृत्य और फिटनेस से फैशन तक विभिन्न गतिविधियों में अपनी प्रतिभा व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। अतिरिक्त डीन (छात्र कल्याण), प्रो रेणु शर्मा ने कहा कि प्रत्येक कार्यक्रम को चुनौती देने, प्रेरित करने और सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया था और छात्रों ने चुनौतियों को स्वीकार करते हुए और उल्लेखनीय कौशल का प्रदर्शन करते हुए इस अवसर को भुनाया। प्रो शर्मा ने कहा कि एलिसियम सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं था, यह एक ऐसा मंच था जहां प्रतिभा को अवसर मिला, सीखने को अनुभव मिला और सपनों ने उड़ान भरी। एसओए के

अंतरराष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीइ) के पूर्व अध्यक्ष, प्रो दामोदर आचार्य, जो समापन समारोह में मुख्य अतिथि थे, ने छात्रों से अलग तरह से सोचने और अपना कुछ शुरू करने का प्रयास करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यदि आप डिग्री प्राप्त करने और फिर नौकरी खोजने के लिए पढ़ाई कर रहे हैं, तो यह सही नहीं है। आपको नवीन और रचनात्मक होना होगा और न केवल अपने चुने हुए तकनीकी क्षेत्र में बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा कि दोनों महत्वपूर्ण हैं। प्रो आर्चाय ने कहा कि नौकरी का बाजार सिकुड़ रहा है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के आने से यह और भी सिकुड़ सकता है। कार्यक्रम को राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम, भुवनेश्वर के क्षेत्रीय प्रबंधक और प्रमुख बिजय कुमार साहू और अंर्स्ट एंड यंग की परियोजना निदेशक डॉ मनीषा आचार्य ने भी संबोधित किया। श्री साहू और डॉ आर्चाय दोनों ने छात्रों को नवीन बनने और अपना स्टार्ट-अप लांच करने के लिए प्रोत्साहित किया। एसओए के कुलपति प्रो प्रदीप्ता कुमार नंदा ने भी बात की। अन्य लोगों में, आइटीइआर के निदेशक प्रो. मानस कुमार मल्लिक उपस्थित थे। महोत्सव के दौरान कुल 70 कार्यक्रम आयोजित किये गए, जिनमें से 40 तकनीकी और 30 सांस्कृतिक थे, जिनमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इसके अलावा, 32 खेलकूद कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले छात्र समुदायों में आइटीइआर रोबोटिक्स क्लब, एसओए रेडियो क्लब, कोडेक्स, सृष्टि, एसओए फ्लाइंग कम्युनिटी, जीडीजी, वोग-एसओए फैशन क्लब, एसओए लिटरेरी क्लब, टोनीलस्टुक-द स्टेज पीस, एसओए म्यूजिक क्लब, कोडिंग निंजास, इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल, डांजा, वर्चुअल शोरील, एसओए फोटोग्राफी क्लब, ओडांजा और एसओए फिटनेस क्लब शामिल थे। महोत्सव में शामिल खेल विषयों में फुटसल, क्रिकेट, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन और खो खो शामिल थे। अटल इनोवेशन सेंटर (एआईसी) में आयोजित 'बिजनेस डिकोडेड' और 'फाउंडरज एरिना' कार्यक्रमों में 350 से अधिक छात्रों ने भाग लिया, जिसने छात्रों को वास्तविक दुनिया की व्यावसायिक चुनौतियों से अवगत कराया और उन्हें विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया। अतिथियों ने छात्रों को लगभग 400 पुरस्कार प्रदान किये।

लोकाभिरामं रणरङ्गधीरं राजीवनेत्रं रघुवंशनाथम ।
कारुण्यरूपं करुणाकरं तं श्रीरामचन्द्रं शरणं प्रपद्य ॥

रामनवमी पर विशेष :-

श्री महावीर मण्डल नामकुम, लगभग 70 साल पहले, श्री महावीर मन्दिर, महाराणा प्रताप चौक नामकुम बाजार के निर्माण काल से ही आस पास के अखाड़े के साथ मेला, जुलूस निकालने का काम कर रहा हैं। मन्दिर स्थापना काल से ही समाज के वरिष्ठ समाजसेवी धर्मप्रिय लोगों द्वारा सामाजिक सौहार्द, भाईचारा, बढ़ाने का काम रामनवमी महोत्सव के माध्यम से किया जाता रहा हैं। शुरुआती समय मे बरगंवा, सिदरोल, राजा उलातू, कुटियातु, चटकपुर,तेतरि, करम टोली, गुरु टोली, नया टोली, नामकुम बस्ती , आदि जगहों से अखडा जुलूस के रूप में नामकुम बाजार मैंदान पहुँचता था । विगत 45 वर्षो से जोर्रा, बडाम, नामकुम, भी अखाड़ा मे अपनी उपस्थिति दर्ज करने लगी।

अखाड़ा का स्वरूप वृहत होता गया, आज राजा उलातु से जुलूस बन्द हो गया हैं, बाकी अभी भी लगभग 24, 25 अखाड़े अखाड़ा स्थल तक हजारों की संख्या मे रामभक्त आते हैं। शोभा यात्रा मे आज चाय बगान, लाल साहब बगान, चटकपुर कुटियातु, शिवनगर, पतरा टोली, सिरखा टोली, कालि नगर, नामकुम स्टेशन, से भी झांकी जुलूस, के साथ अपना प्रदर्शन आखाडा मैंदान मे करते हैं। मैंदान मे चारों ओर रामनामी झंडे का दृश्य देखते ही बनता हैं। पूरा नामकुम राममय हो जाता हैं।

सैंकड़ो की संख्या मे झंडो का मिलन श्री महावीर मन्दिर मे होकर अखाड़ा स्थाल् तक आते हैं, एक से एक करतब दिखाते हैं। महिलाओ की टोली भी हजारों की संख्या में भाग लेती हूँ। आज मेला को सुचारू रूप से चलाने के लिए नारी सेना अपने सेकड़ो सदस्यों के साथ अखाड़ा मे मुस्तेंद रहती हैं। सेकड़ो सदस्य महीनों से इसकी तैंयारी मे लग जाते हैं।

अखाड़ा धारियों, शोभा यात्र, जुलूस, प्रदर्शन के लिए प्रशासनिक पदाधिकारी,, आई पी एस पदाधिकारी, मंत्री, सांसद, विधायक, वरिष्ठ समाजसेवी इसकी शोभा बढ़ाते रहे हैं।

इस वर्ष भी नामकुम मे श्री रामनवमी महोत्सव को लेकर, जोर शोर से तैंयारी चल रही हैं। सभी अखाड़ा कई दिन से तैंयारी कर रहे हैं। स्थानीय प्रशासन लगातार सफलता के लिए काम कर रही हैं। नगर निगम साफ सफाई मे लगा हुआ हैं। जिला स्तर से पदाधिकारी की देख रेख मे निर्देश दिये जा रहे हैं। आपसी सौंहार्द का जबरदस्त उदाहरण श्री महावीर मण्डल नामकुम हैं। जिसे पिछेले 12 वर्षो से केंद्रीय समिति महावीर मण्डल राँची द्वारा सहयोग प्राप्त हैं।

आज श्री महावीर मण्डल केंद्रीय समिति नामकुम अपनी पहचान झारखंड मे बनाये हुए हैं, इसका श्रेय क्षेत्र के तमाम रामभक्तो को जाता हैं

समस्त झारखंडवासियों को
रामनवमी
की
हार्दिक शुभकामनाएं

मनोज सिंह
राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि
सह प्रदेश प्रवक्ता : किसान मोर्चा झारखंड

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**